उत्तर प्रदेश शासन

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

NIPUN BHARAT

3
कक्षा

आधारशिला क्रियान्वयन शिक्षक संदर्शिका

भाषा

सत्र 2024–2025

भारत का संविधान

मूल अधिकार

भारतीय नागरिकों को निम्नलिखित छह मूल अधिकार प्राप्त हैं।

- समता का अधिकार (अनुच्छेद 14 से 18)
  - (1) विधि के समक्ष समता।
  - (2) धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध।
  - (3) लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता।
  - (4) अस्पृश्यता का अन्त।
  - (5) उपाधियों का अन्त।
- स्वातंत्र्य – अधिकार (अनुच्छेद 19 से 22)
  - (1) वाक्–स्वातंत्र्य आदि विषयक कुछ अधिकारों का संरक्षण।
  - (2) अपराधों के लिए दोष सिद्धि के सम्बन्ध में संरक्षण।
  - (3) प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण।
    - (क) शिक्षा का अधिकार।
  - (4) कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण।
- शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 से 24)
  - (1) मानव के दुर्व्यापार और बलात्श्रम का प्रतिषेध।
  - (2) कारखानों आदि में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध ।
- धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28)
  - (1) अन्तःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता।
  - (2) धार्मिक कार्यो की प्रबंध की स्वतंत्रता।
  - (3) किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के बारे में स्वतंत्रता।
  - (4) कुछ शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के बारे में स्वतंत्रता।
- संस्कृति और शिक्षा सम्बन्धी अधिकार (अनुच्छेद 29 से 30)
  - (1) अल्पसंख्यक–वर्गों के हितों का संरक्षण।
  - (2) शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक–वर्गों का अधिकार।
- सांविधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32 से 35)
  - (1) इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए उपचार।
  - (2) इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों का, बलों आदि को लागू होने में, उपांतरण करने में संसद की शक्ति।
  - (3) जब किसी क्षेत्र में सेना विधि प्रवृत्त है तब इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों का निर्बंधन।
  - (4) इस भाग के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए विधान।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

NIPUN BHARAT

आधारशिला क्रियान्वयन शिक्षक संदर्शिका
कक्षा 3 (भाषा)

शिक्षक का नाम ________________________

विद्यालय का नाम ________________________

विकास खंड ________________________

जनपद ________________________

आइए, संकल्प लें - 'हम बनाएँगे निपुण प्रदेश'

संरक्षण : डॉ. एम.के. शनमुगा सुंदरम, आई.ए.एस, प्रमुख सचिव (बेसिक शिक्षा), उत्तर प्रदेश शासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

संकल्पना : श्रीमती कंचन वर्मा, आई.ए.एस, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश
श्री मधुसूदन हुल्गी, आई.ए.एस, अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

निर्देशन : डॉ. सरिता तिवारी, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, उ.प्र., लखनऊ
डॉ. पवन कुमार, संयुक्त निदेशक (एस.एस.ए.), कृते निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उ.प्र., लखनऊ

समन्वयन : श्री आनन्द कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं प्रभारी, गुणवत्ता शिक्षा, समग्र शिक्षा
श्री पी.एम. अन्सारी, राज्य सलाहकार, गुणवत्ता शिक्षा, समग्र शिक्षा

विशेष सहयोग : श्री रमेश चंद्र और श्री अरविन्द सिंह, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन

समीक्षा : श्री नवल किशोर (प्राचार्य, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.), डॉ. हरे राम पाण्डेय (प्रवक्ता, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.), श्री योगिराज मिश्र (प्रवक्ता, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.), डॉ. प्रतिभा सरोज (प्रवक्ता- शोध, एस.सी.ई.आर.टी., लखनऊ, उ.प्र.), डॉ. अमरजीत (शोध प्रवक्ता, राज्य हिंदी संस्थान, उ.प्र., वाराणसी, उ.प्र.)

लेखन मंडल : डॉ. हरे राम पाण्डेय (प्रवक्ता, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज), डॉ. प्रतिभा सिंह (प्रवक्ता- शोध, एस.सी.ई.आर.टी., लखनऊ), डॉ. अमरजीत (शोध प्रवक्ता, राज्य हिंदी संस्थान, उ.प्र., वाराणसी), श्री अमित वर्मा (प्रवक्ता- डायट सीतापुर), डॉ. अनीता (प्रवक्ता, डायट रायबरेली), श्रीमती अर्चना सिंह (सहायक अध्यापिका, प्रा. विद्यालय पतेरवाँ, वाराणसी), श्रीमती कुहू बैनर्जी (प्रधानाध्यापिका, प्रा. विद्यालय अटकोहना, लखीमपुर खीरी), सुश्री वैशाली गुलसिया (सहायक अध्यापिका, उ.प्रा. विद्यालय कुम्हरौरा, बाराबंकी), डॉ. अनिशा सिंह (प्रधानाध्यापिका, प्रा. विद्यालय दादुपुर, लखनऊ), श्रीमती इंदु पाण्डेय (सहायक अध्यापिका, प्रा. विद्यालय देवरी रूखारा-2, लखनऊ), श्रीमती किरन त्रिवेदी (सहायक अध्यापिका, बेसिक विद्यालय बढ़ौली, लखनऊ), श्रीमती सीमा श्रीवास्तव (प्रधानाध्यापिका, प्रा. विद्यालय मलौली, गोसाईंगंज, लखनऊ), श्री विजय तिवारी (प्रधानाध्यापक, प्रा. विद्यालय विरमापुर, रुद्रपुर, देवरिया), श्रीमती रूशना ज़ैदी (सहायक अध्यापिका, प्रा. विद्यालय काकोरी-2, लखनऊ), श्रीमती दीपिका कनौजिया (सहायक अध्यापिका, प्रा. विद्यालय भट खेरवा, काकोरी, लखनऊ), श्री रवि ज्योति मिश्रा (सहायक अध्यापक, प्रा. विद्यालय साथी, गैसड़ी, बलरामपुर)
श्री मनोज कुमार गुप्ता, श्री बिपिन कुमार पाण्डेय, श्री विद्याधर मिश्र, सुश्री ऋचा ज्योति, सुश्री सुप्रिया घोष, श्री विशाल कश्यप – **लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन**

लेआउट : श्री कौस्तुभ खरे

ग्राफिक्स : अरविन्द गोयल (रामा पब्लिकेशन्स), दिल्ली

आभार : संदर्शिका के विकास में विभिन्न संस्थाओं की पाठ्य-सामग्री/साहित्य का उपयोग किया गया है। हम उन सभी के प्रति आभारी हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक :

संस्करण : संशोधित संस्करण

शिक्षा सत्र : 2024-2025

मुद्रित प्रतियों की संख्या :

अंतः पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरण : प्रयुक्त कागज मिल सेन्चुरी पल्प एण्ड पेपर्स वर्जिन पल्प युक्त कागज बैम्बू अथवा वुड बेस्ड (Bamboo or wood based) के अतिरिक्त अन्य एग्रो बेस्ड (Agro based) अर्थात बगाज पर आधारित एवं क्रीम लेड एण्ड क्रीमवोब पेपर 70 जी.एस.एम. भार तथा आकार 50.8 सेमी. x 76.2 सेमी. का है। कागज की ब्राइटनेस न्यूनतम 80 प्रतिशत, वन मिनट कोब टेस्ट अधिकतम औसत 22, ब्रेकिंग लेन्थ क्रॉस डायरेक्शन 1700, मशीन डायरेक्शन 2500, ओपेसिटी न्यूनतम-85 प्रतिशत एवं रजिस्टेन्ट टू फेदरिंग-टू पास द टेस्ट, टियर इन्डेक्स सी.डी. 40 एवं एम.डी. 3.5 है। प्रयुक्त होने वाला कागज में अन्य विशिष्टियां बी.आई.एस. कोड-1848 (चौथा पुनरीक्षण) के अनुसार है। पुस्तकों में प्रिंट साइज : 15.9 सेमी. x 22.1 सेमी., ट्रिम साइज : 1841 सेमी. x 24.13 सेमी. है।

उत्पादनः पाठ्य पुस्तक विभाग, शिक्षा निदेशालय (बेसिक), उ.प्र.
© उत्तर प्रदेश शासन

निपुण सूची - हिंदी (कक्षा-3)

खंड	कोड	दक्षताएँ
मौखिक भाषा	H301	7-10 पंक्तियों की कविताओं को व्यक्तिगत और समूह में हाव-भाव एवं उतार-चढ़ाव के साथ सुनाना।
	H302	सवाल पूछने, अनुभव बताने, दूसरों को सुनने और जवाब देने के लिए बातचीत में हिस्सा लेना।
	H303.1	घर/स्कूल में उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करके अपने अनुभव और विचार स्पष्टता के साथ स्थानीय भाषा में 3-4 वाक्यों में रखना।
	H303.2	चित्र/घटना/वस्तु एवं उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में स्थानीय भाषा में 3-4 वाक्यों में बताना।
	H304.1	कविता/ कहानी से जुड़े 4-5 तथ्यात्मक एवं 2-3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशलों के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में देना।
	H304.2	10-12 वाक्यों की कहानी को सुनकर समझना और उसे स्थानीय भाषा में घटनाक्रम के अनुसार सुनाना।
	H304.3	चित्रों के माध्यम से किसी कहानी को स्थानीय भाषा में हाव-भाव के साथ 6-8 वाक्यों में सुनाना।
	H305	परिचित पुस्तकों/पाठ्यपुस्तकों के पाठों को पढ़कर जानकारी प्राप्त एवं साझा करना, जैसे- पाठ की मुख्य बातें बता पाना, चयनित हिस्सों का विवरण दे पाना, चरित्र विश्लेषण करना।
पठन	H306	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ को कम से कम 60 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ना।
	H307	पाठ/आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ से संबंधित अभ्यासों में दिए गए निर्देशों को पढ़कर उनके अनुसार कार्य करना।
	H308	आयु उपयुक्त अज्ञातपाठ/ 8-12 वाक्यों के अनुच्छेद को पढ़कर 4 में से कम से कम 3 प्रश्नों (तथ्यात्मक एवं उच्चस्तरीय चिंतन कौशल) का उत्तर स्थानीय भाषा में देना।
लेखन	H309	विभिन्न उद्देश्यों जैसे- किसी चित्र/कहानी/घटना पर अपने अनुभव/विचार साझा करने के लिए 1-2 वाक्यों में लघु संदेश लिखना।
	H310	अपने लेखन में संज्ञा शब्द, क्रिया शब्द और विराम चिह्नों का उपयोग करना।
	H311	व्याकरण की दृष्टि से सटीक वर्तनी के साथ वाक्य लिखना।
	H312	व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्यों का प्रयोग करके स्वयं छोटे अनुच्छेद और छोटी कहानियाँ 3-4 वाक्यों में लिखना।

वार्षिक-साप्ताहिक ट्रैकर (2024-2025)

- अकादमिक वर्ष 2024-25 में कुल 25 सप्ताहों में शिक्षण कार्य किया जाएगा। प्रत्येक सप्ताह की योजना 6 शैक्षणिक दिवसों में पूरी की जाएगी। प्रत्येक शैक्षणिक दिवस में भाषा शिक्षण के लिए तीन कालांश निर्धारित हैं।
- पहले कालांश में पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास पर आधारित कार्य किया जाएगा। दूसरे कालांश में समझ के साथ पढ़ने एवं तीसरे कालांश में पठन अभ्यास एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पर कार्य किया जाएगा।
- प्रत्येक दिन तीनों कालांशों का कार्य पूरा होने पर आप इस ट्रैकर को भरेंगे। इस ट्रैकर की सहायता से आप अपने शिक्षण कार्य को ट्रैक कर पाएंगे।

ट्रैकर भरने का नमूना

साप्ताहिक शिक्षण कार्य की शुरुआत और समाप्ति का दिनांक भरें।

03 / 08 / 2024 → 09 / 08 / 2024 (रविवार एवं अन्य अवकाशों को छोड़कर)

कालांश: 1, 2, 3

सप्ताह 1: 1 ✓ 2 ✓ 3 ✓ 4 ✓ 5 ✓ 6 ✓

सावधिक पुनरावृत्ति कार्य की शुरुआत और समाप्ति का दिनांक भरें।

06 / 12 / 2024 → 12 / 12 / 2024

सप्ताह 13 और 20: 1 ✓ 2 ✓ 3 ✓ 4 ✓ 5 ✓ 6 ✓

☞ यहाँ दिनांक को केवल उदाहरण मात्र के लिए दिया गया है।

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 1: 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 2: 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 3: 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 4: 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 5: 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 6: 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 7: 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 8: 1 2 3 4 5 6

सप्ताह 9	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 10	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 11	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 12	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 13	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 14	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 15	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 16	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 17	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 18	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 19	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 20	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 21	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 22	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 23	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 24	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6
सप्ताह 25	DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY	1	2	3	4	5	6

संदर्शिका का उपयोग

संदर्शिका की मुख्य संकल्पनाएँ

भाषा शिक्षण के सैद्धांतिक पक्षों की समझ

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022 की अनुशंसाओं और शिक्षक संदर्शिका की शिक्षण योजनाओं में संरेखण किया गया है। जिसके अंतर्गत भाषा में पढ़कर समझने की रणनीतियाँ, उच्चस्तरीय प्रश्नों का महत्व और बच्चों की सहायता करने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई है।

2024-25

निपुण सूची की 15 दक्षताएँ

पूरे वर्ष के साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य

अकादमिक वर्ष 2024-25 में मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, समझ के साथ पढ़ना, पठन और लेखन की लक्षित दक्षताओं को साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण उद्देश्यों में विभाजित किया गया है।

शिक्षण प्रक्रियाएँ

साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण योजना

प्रभावी शिक्षण कार्य के लिए प्रत्येक कालांश हेतु दैनिक शिक्षण योजना दी गई है। ये शिक्षण योजनाएँ कक्षा में उपलब्ध सभी शिक्षण सामग्रियों और लक्षित दक्षताओं के आधार पर बनाई गई हैं। प्रत्येक शिक्षण योजना के शिक्षण उद्देश्य निर्धारित हैं। समय के साथ इन उद्देश्यों एवं कार्य करने की रणनीतियों की जटिलता बढ़ती गई है।

हर सप्ताह की शुरुआत में

- साप्ताहिक शिक्षण योजना के उद्देश्यों को संदर्शिका के 19 से 158 पढ़ें।

हर सप्ताह के अंत में

दिवस 6

- साप्ताहिक आकलन **'मैंने सीख लिया'** के द्वारा प्रत्येक बच्चे की प्रगति को समझें व कठिनाइयों को चिह्नित करें।
- आगामी सप्ताह की रिमीडियल कार्य योजना को इस जानकारी के आधार पर बनाएँ।

हर दिन की शुरुआत में

- कक्षा में जाने से पूर्व शिक्षण योजना या गतिविधि के अनुसार पहले से तैयारी कर लें।
- शिक्षण दिवस की आवश्यक शिक्षण सामग्री (संदर्शिका, अन्य शिक्षण अधिगम सामग्री आदि) लेकर कक्षा में प्रवेश करें।

हर दिन के अंत में

- प्रतिदिन बच्चों की कार्यपुस्तिका की जांच करें। उन्हें आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन दें।
- बच्चों द्वारा कार्यपुस्तिका ट्रैकर भरा जाना सुनिश्चित करें।
- दैनिक कार्य पूरा होने पर वार्षिक-साप्ताहिक ट्रैकर भरें।

सावधिक पुनरावृत्ति

सप्ताह 13 और 20 में

- सप्ताह-13 में सप्ताह 1-12 तक में पढ़ाई गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति करें। इसके लिए संबंधित शिक्षण योजना पर कार्य करें।
- सप्ताह-20 में सप्ताह 1-19 तक में पढ़ाई गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति करें। इसके लिए संबंधित शिक्षण योजना पर कार्य करें।

विषय सूची

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022 9

इसमें आप राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022 में बुनियादी भाषा शिक्षण से संबंधित अनुशंसाओं के बारे में जान और समझ सकते हैं। अकादमिक वर्ष 2024-25 की भाषा की शिक्षण योजना इन अनुशंसाओं से संरेखित हैं।

समझ के साथ पढ़ने की रणनीतियाँ 10-11

भाषा शिक्षण की जिन रणनीतियों के द्वारा कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को बेहतर किया जा सकता है। उनकी जानकारी आपको इस भाग में मिलेगी।

भाषा विकास में प्रश्नों का महत्व 12

भाषा शिक्षण की प्रक्रिया में बच्चों से सतत उच्चस्तरीय प्रश्न पूछते रहने से उनकी भाषायी दक्षताओं का बेहतर विकास होता है। किस तरह से शिक्षक बच्चों से उच्चस्तरीय प्रश्न पूछें, इसकी जानकारी इस भाग में मिलेगी।

सीखने में बच्चों की सहायता करने की प्रक्रिया 13

भाषा शिक्षण की कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया के दौरान, आप किस तरह से बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता कर सकते हैं। इसकी जानकारी आपको इस भाग में मिलेगी।

2024-25 **वार्षिक शिक्षण उद्देश्य** 14

वार्षिक शिक्षण योजना एवं शिक्षण उद्देश्यों की जानकारी इस भाग में मिलेगी।

सप्ताह / दिवस **साप्ताहिक शिक्षण चक्र** 15

किसी एक सप्ताह में भाषा शिक्षण की प्रक्रिया कैसी होगी एवं किसी एक दिन के तीनों कालांशों की प्रक्रिया कैसी होगी। इसकी जानकारी आपको इस भाग में मिलेगी।

सप्ताह / दिवस **साप्ताहिक एवं दैनिक योजना की रूपरेखा** 16

प्रत्येक सप्ताह में दिवसवार की जाने वाली गतिविधियों के बारे में इस भाग में चर्चा की गई है।

शिक्षण सामग्रियों का विवरण 17

1 2 3 **कालांशों की रणनीतियाँ** 18

दैनिक शिक्षण योजनाएँ 19-158

कालांश-1 में कार्य करने की रणनीतियाँ 159-171

कालांश-2 में कार्य करने की रणनीतियाँ 172-174

कालांश-3 में कार्य करने की रणनीतियाँ 175-176

आकलन एवं रिमीडियल कार्य 177-179

कहानियाँ 180-186

कविताएँ 187-188

बहुकक्षीय शिक्षण 189-190

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 191-196

सैद्धांतिक समझ

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के उद्देश्यों को ध्यान रखते हुए 3-8 साल के बच्चों की बेहतर शिक्षा हेतु **'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022 : फाउंडेशनल स्टेज'** का विकास किया गया है।

'नेशनल स्टीयरिंग कमेटी फॉर नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क' ने इस दस्तावेज का निर्माण करते समय, यह ध्यान रखा है कि इसमें 3-8 साल के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के सारे आयामों पर विस्तार से चर्चा की जाए और अलग-अलग रणनीतियों के द्वारा इसे क्रियान्वित भी किया जाए ।

'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022' के निर्देशक तत्त्व

बहु-अनुशासनिक और समग्र विकास हेतु शिक्षा

पाठ्यचर्या यह सुझाती है कि शिक्षा कुछ ऐसी होनी चाहिए, जो बेहतर नागरिकों का विकास कर सके। ऐसे नागरिक जो अपनी सोच और क्रिया में स्वतंत्र रूप से तर्क का प्रयोग कर सकें। जो अधिक दयालुता और मानवीयता के साथ रचनात्मक तरीके से सोच सकें। पाठ्यचर्या अलग-अलग विषयों के बीच के अंतर को भी समाप्त करने की बात करती है।

रटने की बजाय तार्किक चिंतन और विश्लेषण पर जोर

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2022 में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' का संदर्भ लेते हुए मार्गदर्शक सिद्धांत में कहा गया है कि कक्षा में बच्चों को रटने या परीक्षा के लिए सीखने के बजाए अवधारणात्मक समझ पर जोर देना चाहिए। इसके साथ ही तार्किक सोचने निर्णय लेने, सृजनात्मक एवं समालोचनात्मक चिंतन आधारित कार्य कक्षा में सुनिश्चित करने की बात कही गई है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022 और अकादमिक वर्ष 2024-25 की शिक्षण सामग्रियों में जुड़ाव

इस वर्ष की अकादमिक कार्य योजना को एन.सी.एफ. 2022 के प्रमुख सुझावों को केन्द्र में रखकर बनाया गया है। इनकी झलक हमें अकादमिक सत्र 2024-25 की शिक्षक संदर्शिकाओं और कार्यपुस्तिकाओं में निरन्तर रूप से देखने को मिलेगी। जो निम्नलिखित है-

घर की भाषा को महत्व देना (NCF, खंड-3.1, 3.2, 4.1 आदि)

एन.सी.एफ 2022 बुनियादी भाषा शिक्षण में बच्चों के घर की भाषा के अधिकाधिक उपयोग की अनुशंसा करता है। **वर्ष 2024-25** की शिक्षक संदर्शिकाओं में दी गयी, शिक्षण योजनाओं में इस बात का खास ध्यान रखा गया है कि शिक्षक बच्चों से संवाद करते हुए, उनके घर की भाषा को विशेष महत्व दें। भाषा के पहले कालांश में, जिसमें हम पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित गतिविधियों पर काम करते हैं, वहाँ यह निर्देश एकदम स्पष्ट है कि बच्चों के पूर्वज्ञान को सक्रिय करने, उनसे सवाल पूछने, उनके अनुभव पर चर्चा करने में उनके घर की भाषा को अधिक महत्व दिया जाए।

खेल, सुनने और आपसी संवाद द्वारा सीखने पर जोर (NCF, खंड-4.4)

भाषा के अलग-अलग कालांशों में खेल द्वारा सीखने, आपसी संवाद द्वारा सीखने पर काफी जोर दिया गया है। जैसे कि सृजनात्मक कार्य, रोल प्ले आदि के कई अवसर हैं। जहाँ बच्चे खेल-खेल में, अभिनय आदि के द्वारा भाषा की अलग-अलग दक्षताओं से निपुणता हासिल करते हैं। वहीं भाषा के कालांश 1, 2 और 3 में कई ऐसे अवसर दिए गए हैं, जहाँ बच्चे समूह व जोड़ी बनाकर अपने कार्यों पर चर्चा करते हैं और भाषा की दक्षताओं को हासिल करते हैं।

भाषा शिक्षण की संतुलित पद्धति पर जोर (NCF, खंड-1.4, 4.5)

एन.सी.एफ 2022 का यह स्पष्ट मानना है कि बुनियादी स्तर पर बच्चों को सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना, सब समानान्तर रूप से एक साथ सिखाए जाने की आवश्यकता है। इसे भाषा शिक्षण की संतुलित पद्धति भी कहते हैं। **वर्ष 2024-25** की भाषा शिक्षण की योजना पूरी तरह से इस सिद्धांत को ध्यान में रखकर बनाई गयी है। इसीलिए भाषा शिक्षण की योजना में मौखिक भाषा विकास और पठन की अलग-अलग गतिविधियों के साथ ही डिकोडिंग, समझ के साथ पढ़ना, प्रवाहपूर्ण पठन, रचनात्मक एवं संरचनात्मक लेखन की गतिविधियाँ भी दी गई हैं।

समझ के साथ पढ़ने की रणनीतियाँ

भाषा शिक्षण में पढ़ने की प्रक्रिया तभी पूरी मानी जाती है, जब उसमें **'समझ'** शामिल हो। एक शिक्षक के रूप में कक्षा-कक्षीय प्रक्रियाओं में क्रियान्वयन करते समय, आपको बच्चों के साथ ऐसी रणनीतियों/तरीकों का प्रयोग करना चाहिए, जिसमें बच्चे समझते हुए पढ़ने की प्रक्रिया में शामिल हो सकें। इसके लिए एक शिक्षक के रूप में आप निम्नलिखित रणनीतियों का प्रयोग कर सकते हैं-

अनुमान लगाना

कक्षा-कक्षीय प्रकिया में आप बच्चों से ऐसे सवाल करें, जिससे बच्चे अब तक के ज्ञान और जानकारी के साथ-साथ पाठ में दिए गए चित्रों/जानकारियों आदि के आधार पर अनुमान लगा पाएं। बच्चों से अनुमान लगाने से संबंधित प्रश्न पाठ पढ़ने के पहले, पाठ पढ़ने के दौरान और पाठ पढ़ने के बाद भी पूछने चाहिए। जैसे -

- आपको क्या लगता है? यह पाठ किसके बारे में होगा ? (पढ़ने के पहले)
- आपको क्या लगता है, आगे की कहानी में क्या हुआ होगा? (पढ़ने के दौरान)
- आपने पाठ पढ़ने से पहले जो अनुमान लगाया था और जो पाठ पढ़ने के बाद हुआ, क्या उसमें अंतर है, क्यों? (पढ़ने के बाद)

I3Q3A7

पूर्वज्ञान से जुड़ाव

बच्चों से ऐसे सवाल करें, जिससे वे अपने पहले के ज्ञान को पाठ में दिए गए तथ्यों और विचारों से जोड़ पाएं। पूर्वज्ञान से जुड़े सवाल पाठ के पहले, पाठ पढ़ाने के दौरान और बाद में भी पूछे जा सकते हैं। जैसे -

- आपको इसके बारे में और क्या-क्या पता है ?
- आपको क्या लगता है, ऐसा क्यों होता है ?

इन दोनों उच्चस्तरीय प्रश्नों के अतिरिक्त भी विभिन्न तरह के उच्चस्तरीय प्रश्नों द्वारा बच्चों की समझ को समृद्ध और मजबूत किया जा सकता है। इन पर अगले खंड में विस्तृत बातचीत की गई है।

B7R4D5

सार संकलित करना/फिर से सुनाना

दोबारा सुनाने और सार संकलन करने से भाषायी दक्षताओं का विकास होता है। इससे कहानी की संरचना बोध में सुधार आता है। विचारों को व्यवस्थित करने और तथ्यों व सूचनाओं को क्रमबद्ध करने में सहायता मिलती है। इस रणनीति पर आप बच्चों के साथ निम्न तरीके से कार्य कर सकते हैं-

- शुरुआत में आप स्वयं करके बच्चों को दिखाएँ कि अपने शब्दों में कहानी कैसे सुनाई जा सकती है।
- कहानी अपने शब्दों में सुनाते हुए, बीच-बीच में रुक कर बच्चों को कहानी से संबंधित कुछ जानकारी जोड़ने के लिए कह सकते हैं।
- बच्चों को पूरी कहानी अपने शब्दों/संक्षिप्त में सुनाने के लिए भी प्रेरित किया जा सकता है। इस दौरान अगर बच्चे अपनी तरफ से कुछ अतिरिक्त भी जोड़ते हैं तो बच्चों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

पाठ के बारे में मानसिक छवि बनाना

बच्चे अपनी कल्पनाशक्ति से पाठ पढ़ते समय उसके पात्रों, घटनाओं की मानसिक छवियां बनाते हैं। कक्षा-कक्ष में आप इसको बढ़ावा देने के लिए, कुछ कार्य करा सकते हैं। जैसे-

- **किसी पात्र, दृश्य या घटना का चित्र बनवाना :** आप बच्चों से कहानी के पात्रों/घटनाओं के चित्र बनाने एवं उस पर अपनी समझ लिखित रूप से अभिव्यक्त करने को कहें (ध्यान रखें कि ऐसे चित्र पहले से पाठ में दिए न गए हों)। बच्चों से जोड़ियों/समूहों में इन चित्रों पर चर्चा करने के लिए कहें और अपनी समझ को कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

शिक्षक द्वारा प्रश्न पूछना

विषय की गहरी समझ विकसित करने हेतु कक्षा-कक्ष में शिक्षक द्वारा प्रश्न पूछना एक कारगर रणनीति हो सकती है। कक्षा-3 में किस तरह के प्रश्न शिक्षक द्वारा पूछे जाने चाहिए एवं इन प्रश्नों के पूछे जाने का महत्व क्या है? आदि के बारे में विस्तृत जानकारी, आपको इसी शिक्षक संदर्शिका के खंड **'भाषा विकास में प्रश्नों का महत्व'** में मिलेगी।

रोल प्ले / पात्र अभिनय

रोल प्ले में उच्चस्तरीय मानसिक क्षमताओं का उपयोग होता है। रोल प्ले पूरे पाठ या पाठ के किसी एक हिस्से का किया जा सकता है।

N6G1G7

इस प्रक्रिया में शिक्षक को आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करनी चाहिए। जैसे-

- पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के पाठ-7 **'इसमें क्या शक है'** कहानी में आप बच्चों से तोते की भूमिका निभाने को कह सकते हैं। आप यह भी कह सकते हैं कि बच्चे सोचें कि अगर वो तोता होते, तो क्या-क्या बोलते? इसका अभिनय करें।
- अगर राजा की भूमिका निभानी हो तो उन्हें क्या-क्या बोलना होगा? आदि।

पाठ का चित्रीय संयोजन

कहानी में घटित घटनाओं के क्रम, सम्बन्धों और किरदारों (पात्रों) की विशेषताओं की छवियां बनाने के लिए, इस रणनीति का प्रयोग किया जा सकता है। आप बच्चों के साथ निम्न तरह से कार्य कर सकते हैं -

- **विवरण / अवधारणा मानचित्र :** इसमें किसी पाठ की केन्द्रीय जानकारी को दर्शाया जाता है। उदाहरण के लिए- **पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के पाठ-5 'साहसी सीमा'** से कहानी के पात्र विवरण का एक मानचित्र देखें-

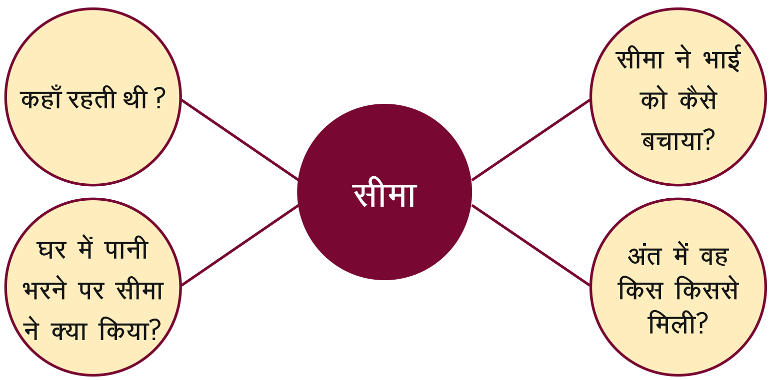

R5L8M6

☞ **इन रणनीतियों से संबंधित कुछ अन्य उदाहरणों के लिए ऊपर दिए गए QR कोड को स्कैन करें।**

बच्चों द्वारा प्रश्न पूछना

बच्चों द्वारा प्रश्न पूछना / बनाना एक उच्चस्तरीय भाषायी कौशल है। पाठ को समझने की प्रक्रिया के अलग-अलग चरणों में बच्चे प्रश्न पूछ सकें (प्रश्न पूछने का कौशल), इसके लिए निम्न प्रक्रिया की जा सकती है-

- बच्चों को छोटे-छोटे समूहों में बाँट दें।
- हर समूह को आपस में चर्चा करके दी गई / पढ़ी गई कहानी / पाठ्यांश पर कुछ प्रश्न बनाने के लिए कहें।
- इसके बाद प्रत्येक समूह, दूसरे समूहों से प्रश्न पूछेंगे और उनका उत्तर देंगे।
- बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए यह भी कहा जा सकता है कि जिस समूह के प्रश्नों में गहरे चिंतन समाहित होंगे और दूसरे समूह को सृजनशील चिंतन के लिए आकर्षित कर देंगे। उस समूह के लिए बाकी सभी बच्चे ताली बजाएंगे।
- बच्चों को बंद छोर (तथ्य आधारित) एवं खुले छोर (विवेचनात्मक) के प्रश्नों को बनाने के लिए प्रेरित करें।
- शुरुआती दौर में प्रश्न बनाने में बच्चों का सहयोग करें।

भाषा विकास में प्रश्नों का महत्व

H6U6V1

QR कोड स्कैन करें

भाषा शिक्षण के दौरान कक्षा में बच्चों से प्रश्न पूछना, उनकी समझ को बढ़ाने का एक कारगर तरीका है। इन शिक्षण योजनाओं में शिक्षण प्रक्रिया के दौरान प्रश्न पूछने के अत्यधिक अवसर दिए गए हैं।

प्रश्नों की प्रकृति और पूछे जाने का तरीका कक्षा-कक्ष में मुख्य रूप से दो तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं-

बंद छोर के प्रश्न / तथ्य आधारित प्रश्न :

ऐसे प्रश्नों का उत्तर अक्सर 'हाँ / नहीं अथवा कुछ शब्दों' में देना होता है। ऐसे प्रश्नों के जवाब देने में बच्चों को अधिक चिंतन की जरुरत नहीं होती है एवं इनके एक ही जवाब होते हैं। जैसे- सीमा के माता-पिता कहाँ गए हुए थे ? बाढ़ से बचाव कार्य के लिए क्या आया ? आदि। **(पाठ्यपुस्तक पंखुड़ी पाठ-5 'साहसी सीमा' 21)**

खुले छोर के प्रश्न / विवेचनात्मक प्रश्न :

खुले छोर के प्रश्न मुख्य रूप से ऐसे होते हैं, जिनका कोई एक उत्तर नहीं दिया जा सकता है। ऐसे प्रश्नों के उत्तर देने में बच्चों के पूर्वज्ञान, संदर्भ, वातावरण, कल्पना शक्ति, अनुमान लगाने और विश्लेषण करने की क्षमता का प्रयोग होता है। जैसे- माता-पिता से मिलने पर सीमा की क्या-क्या बातें हुई होंगी? आदि। **(पाठ्यपुस्तक पंखुड़ी पाठ-5 'साहसी सीमा' 21)**

शिक्षक जितने अधिक खुले छोर के उच्चस्तरीय सवाल बच्चों से पूछते हैं और उन पर बच्चों को सोचने, विचार करने का समय और मौका देते हैं, उतना ही बच्चों की सोच, तर्क करने के कौशल और समझने की क्षमता विकसित होती है।

खुले छोर प्रश्नों के स्वरूप को हम नीचे देख सकते हैं-

खुले छोर के प्रश्न

- **पूर्वज्ञान आधारित प्रश्न :** ऐसे प्रश्न मुख्य रूप से बच्चों के पूर्वज्ञान से जुड़े हुए होते हैं।
  - हमें किन-किन माध्यमों से समाचार प्राप्त होते हैं? **(पंखुड़ी , पाठ-2 'मुर्गा और लोमड़ी' 13)**
  - आसमान में चाँद कब नहीं दिखाई देता है? **(पंखुड़ी पाठ-12, 'चाँद का कुर्ता' 48)**
- **अनुमान लगाने वाले प्रश्न :** ऐसे प्रश्न, जिनका उत्तर बच्चा अपने मौजूदा ज्ञान और अनुभव के आधार पर यह सोचते हुए दे सके कि आगे क्या होगा?
  - हंस का जोड़ा तारक को आसमान में किस तरह ले गया होगा? **(पंखुड़ी पाठ-16 'घुमक्कड़ तारक' 60)**
- **जीवन और अनुभवों से जोड़ने वाले प्रश्न :** ऐसे प्रश्न, जिनका उत्तर बच्चे अपने पहले के अनुभवों और जीवन की घटनाओं / समझ से जोड़कर दे सकते हैं-
  - तुमने बरसात में किसी तालाब को देखा होगा। गर्मी में उसी तालाब में क्या-क्या अंतर आ जाता है? **(पंखुड़ी पाठ-15 'जड़ और फूल' 57)**
  - पत्र एक जगह से दूसरी जगह कैसे पहुँचता है? पता करो और लिखो। **(पंखुड़ी पाठ-18 'पत्र' 65)**
- **स्वयं निष्कर्ष निकालने वाले प्रश्न :** ऐसे प्रश्न, जिनमें बच्चे पाठ को समझकर, उसका सार बता सकें या कहानी का नया नाम सोच सकें।
  - इस कहानी का और क्या शीर्षक हो सकता है? **(पंखुड़ी पाठ-21, 'घमंडी का बाग' 77)**
- **कल्पना से संबंधित प्रश्न :** ऐसे प्रश्न, जिनके उत्तर में बच्चे कुछ नई बात / संकल्पना / घटना आदि जोड़ सकें या कहानी को आगे बढ़ा सकें।
  - तुम एक चित्र कहानी बनाओ। जिसमें बिल्ली, चूहा, तोता और आम हो। **(पंखुड़ी पाठ-4 'तालाब में चाँद' 18)**

सीखने में बच्चों की सहायता करने की प्रक्रिया

बच्चों की सहायता करना शिक्षण प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है। ऐसे में शिक्षण कार्य के दौरान शिक्षक की यह जिम्मेदारी होती है कि वह एक बेहतर रणनीति के साथ प्रत्येक बच्चे की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

हम जानते हैं कि किसी भी कक्षा में बच्चे सीखने के अलग-अलग स्तरों पर होते हैं। आदर्श स्थिति तो यह है कि हर बच्चे की उसके स्तर के अनुसार सहायता की जाए। लेकिन यह हमेशा संभव नहीं हो पाता है। ऐसे में शिक्षक के लिए यह बेहद जरूरी है कि उनके पास बच्चों के पूर्वज्ञान और कौशल की पूरी जानकारी हो। ऐसा होने पर बच्चों की सहायता के लिए अलग-अलग रणनीतियाँ बनाई जा सकती हैं।

कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया के दौरान सहायता करने के कुछ तरीके

- बच्चों के पूर्व ज्ञान को सक्रिय करके उसे पाठ से जोड़ा जाए। इसके लिए बच्चों से पूछा जा सकता है कि वे इस विषय के बारे में क्या-क्या जानते हैं ? नए पाठ को पहले पढ़े गए पाठों से भी जोड़ा जाना चाहिए। बच्चों से यह पूछा जा सकता है कि वे इस विषय को अपने दैनिक जीवन में कहाँ देखते हैं।
- बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करने से भी बच्चों को काफी सहायता मिलती है। इसके बाद वे शिक्षक की सहायता से स्कूल की भाषा/मानक भाषा में दक्षता हासिल कर सकते हैं। गतिविधियों (अनुभव पर चर्चा, सुनी हुई कहानी को अपनी भाषा में सुनाना, शब्दावली विकास आदि) पर कार्य करने के दौरान बच्चों को घर की भाषा में बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बच्चों को सहायता करने के दौरान ध्यान रखें कि वे जितना सीख चुके हैं, उनसे आगे की विषयवस्तु को सिखाया जाए। साथ ही, बच्चों से ऐसे सवाल नहीं किए जाएं, जो कि उनके स्तर से आगे के हों। बच्चों के स्तरानुकूल प्रश्न नहीं होने पर वे पूर्वज्ञान से नहीं जुड़ पाते हैं। जिससे उनमें सीखने के प्रति अरूचि उत्पन्न होने लगती है।
- बच्चों के साथ ऐसी गतिविधियाँ करनी चाहिए, सवाल पूछने चाहिए, जो कि वे शिक्षक की सहायता से या अपने किसी साथी की सहायता से कर पाएं। ऐसा करने से बच्चे सीखते रहते हैं।
- बच्चों की सहायता करने की प्रक्रियाओं में जिम्मेदारियों का क्रमिक हस्तांतरण (GRR) जरूरी होता है। इस प्रक्रिया में शिक्षक धीरे-धीरे अपनी जिम्मेदारियों को बच्चे तक हस्तांतरित करते हैं। इसके लिए नीचे दी गई प्रक्रिया के अनुसार काम किया जाता है।

मैं करूँ	हम करें	तुम करो
I Do	**We Do**	**You Do**
आपके द्वारा आदर्श रूप में करके दिखाना जो भी नए कौशल सिखाए जाने हैं, उन्हें आप आदर्श रूप में करके दिखाएँ। ताकि बच्चे अच्छी तरह से देख सकें कि वह काम कैसे किया जा सकता है। जैसे- हाव-भाव के साथ किसी पाठ का आदर्श वाचन करना आदि।	**बच्चों और आप द्वारा मिलकर कार्य करना** आप बीच-बीच में बच्चों का योगदान लेते हैं। जैसे- साझा पठन के दौरान शिक्षक द्वारा पढ़े हुए अधूरे वाक्य को बच्चों द्वारा वाक्यांश जोड़ते हुए पूरा करना आदि। **बच्चों द्वारा आपके मार्गदर्शन में कार्य करना** आप बच्चों को उन कौशलों का अभ्यास करने का अवसर देते हैं और साथ में आवश्यकतानुसार सहायता भी करते हैं।	**स्वयं बच्चों द्वारा कार्य किया जाना** आप बच्चों को स्वतंत्र रूप से कार्य करने को प्रेरित करते हैं। इसमें बच्चों को जोड़ों/समूहों में अथवा स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए कहा जाता है। साथ ही, आप बच्चों के कार्य करने के दौरान, इस बात का आकलन करते रहते हैं कि वे कार्य करने में कितने सक्षम हुए हैं।

वार्षिक शिक्षण उद्देश्य

अकादमिक सत्र 2024-25 के शिक्षण उद्देश्य निपुण सूची से शिक्षण योजनाएँ, कार्यपुस्तिका और पाठ्यपुस्तक संरेखित हैं।

सप्ताह	वार्षिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या (शिक्षण योजनाएँ)	पृष्ठ संख्या (कार्यपुस्तिका)	पृष्ठ संख्या (पाठ्यपुस्तक)
सप्ताह 1-4	**कक्षा-2 की दक्षताओं की पुनरावृत्ति** • वर्ण/अक्षर/मात्राओं की पहचान (सभी वर्ण और मात्राएं) • वाक्यांश और वाक्य पठन (4-7 सरल शब्द) • कहानी/चित्र कहानी पोस्टर एवं उससे संबंधित लेखन कार्य • पठन अभ्यास (कार्यपुस्तिका भाग-2) एवं रिमीडियल कार्य	19-42		
सप्ताह 5-7	**कक्षा-2 की दक्षताओं की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यपुस्तक पर कार्य** 1 पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के पाठ 2-4 पर कार्य 2 वाक्यांश, वाक्य पठन (3-5 वाक्य और 20-25 शब्द) एवं पाठ आधारित लेखन (कार्यपुस्तिका भाग-1) पर कार्य 3 पठन अभ्यास (कार्यपुस्तिका भाग-2) एवं रिमीडियल कार्य	43-60	5-19 123-128	11-18
सप्ताह 8-12	1 पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के पाठ 5-9 पर कार्य 2 पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ (4-7 वाक्य और 25-45 शब्द) एवं पाठ आधारित लेखन (कार्यपुस्तिका के भाग-1) पर कार्य 3 पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (25-35 शब्द) (कार्यपुस्तिका के भाग-2) एवं रिमीडियल कार्य	61-90	20-47 129-133	19-36
सप्ताह 13	सप्ताह 1-12 तक की दक्षताओं पर आधारित पुनरावृत्ति	91	48-52	
सप्ताह 14-17	1 पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के पाठ 10-13 पर कार्य 2 पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ (6-10 वाक्य और 45-70 शब्द) एवं पाठ आधारित लेखन (कार्यपुस्तिका के भाग-1) पर कार्य 3 पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (35-45 शब्द) (कार्यपुस्तिका के भाग-2) एवं रिमीडियल कार्य	92-115	53-75 134-137	37-52
सप्ताह 18-19	1 पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के पाठ 14-17 पर कार्य 2 पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ (7-10 वाक्य और 60-80 शब्द) एवं पाठ आधारित लेखन (कार्यपुस्तिका के भाग-1) पर कार्य 3 पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (45-60 शब्द) (कार्यपुस्तिका के भाग-2) एवं रिमीडियल कार्य	116-127	76-87 138-139	53-63
सप्ताह 20	सप्ताह 1-19 तक की दक्षताओं पर आधारित पुनरावृत्ति	128	88-92	
सप्ताह 21-25	1 पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के पाठ 18-21 पर कार्य 2 पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ (10-18 वाक्य और 80-120 शब्द) एवं पाठ आधारित लेखन (कार्यपुस्तिका के भाग-1) पर कार्य 3 पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (60-90 शब्द) (कार्यपुस्तिका के भाग-2) एवं रिमीडियल कार्य	129-158	93-122 140-144	64-77

साप्ताहिक शिक्षण चक्र

साप्ताहिक शिक्षण चक्र के माध्यम से आपको यह पता चलता है कि पूरे अकादमिक वर्ष में किसी भी सप्ताह के 6 कार्य दिवसों में कक्षा-कक्ष में किस तरह की कार्य योजना क्रियान्वित की जाएगी। इस शिक्षण योजना से आपको निम्न जानकारियाँ मिलेंगी-

1. सप्ताह के 6 दिवसों की कार्य योजना
2. सप्ताह के किसी भी दिन के तीनों कालांशों की शिक्षण योजना

सप्ताह के 6 दिवसों की कार्य योजना इस शिक्षण चक्र से आपको यह स्पष्टता के साथ पता चलता है कि सप्ताह के शुरुआती चार दिनों में नई दक्षताओं का शिक्षण किया जाता है। पाँचवें दिन सिखाई गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति होती है और छठवें दिन सप्ताह भर में सिखाई गई दक्षताओं का आकलन किया जाता है।

सप्ताह के किसी भी दिन के तीनों कालांशों की शिक्षण योजना इस शिक्षण चक्र से आपको स्पष्ट होगा कि पहले कालांश में पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास पर कार्य किया जा रहा है और दूसरे कालांश में कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य किया जा रहा है। कार्यपुस्तिका भाग-1 द्वारा जहाँ कक्षा-1 में डिकोडिंग की दक्षताओं पर काम हो रहा है, वहीं कक्षा-2 और 3 में समझ के साथ पढ़ने की रणनीतियों पर कार्य हो रहा है। तीसरे कालांश में मुख्य रूप से पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास एवं रिमीडियल कार्य हो रहा है।

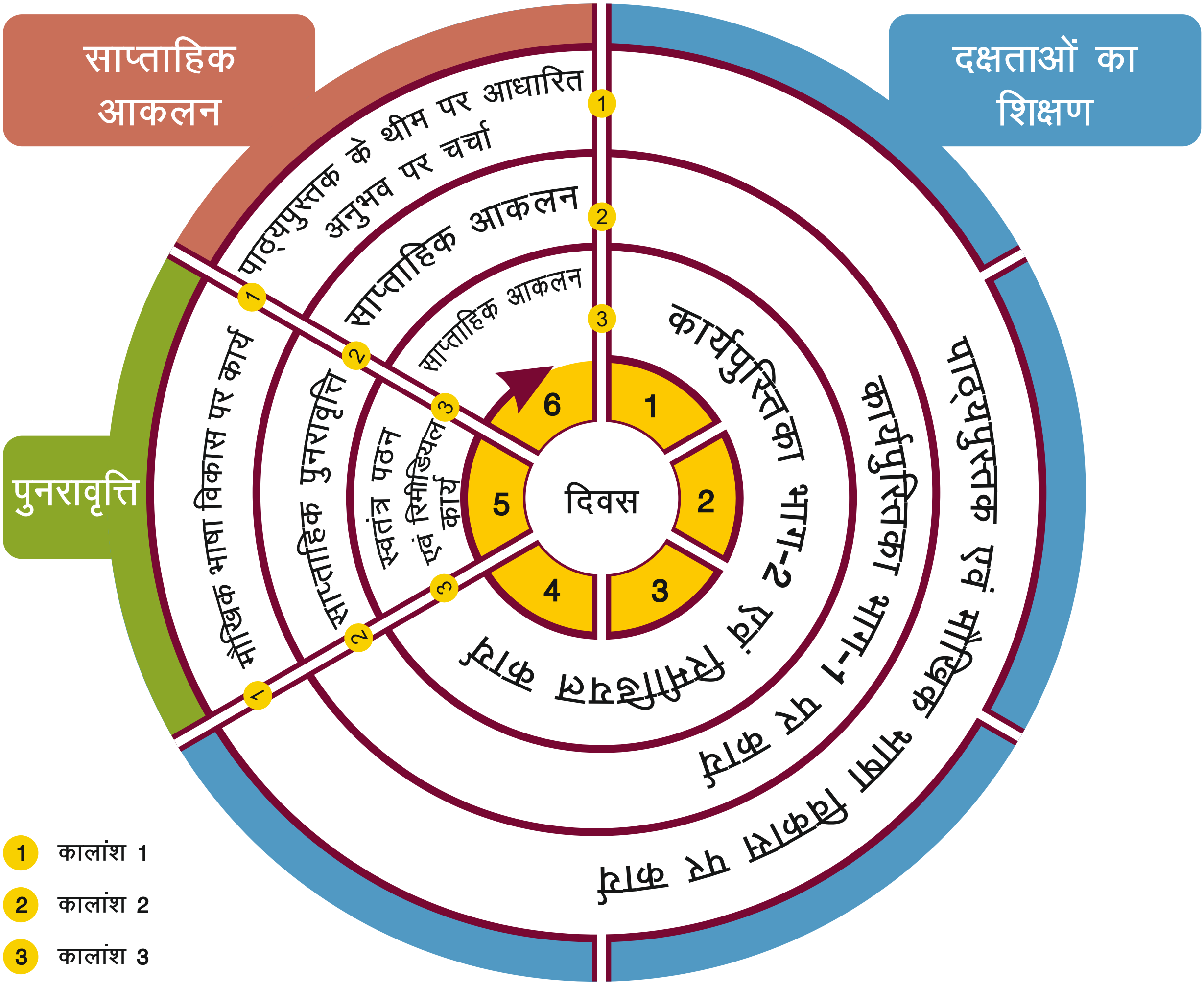

नोटः इस शिक्षण चक्र के अनुसार कक्षा-3 में सप्ताह 1-25 तक कार्य किया जाएगा।

सप्ताह

दिवस

साप्ताहिक एवं दैनिक योजना की रूपरेखा

कालांश	खंड	गतिविधि	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
1 (40 मिनट)	मौखिक भाषा विकास और संबंधित लेखन पर कार्य (सप्ताह 1-4)	कविता /बालगीत	✓	✓	✓	✓	✓	✓
		मौखिक कहानी सुनाना		✓				
		अनुभव पर चर्चा					✓	✓
		खेल और सामाजिक भावनात्मक विकास (SEL) की गतिविधियां	✓			✓		
		चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य			✓	✓		
	पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी'/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन पर कार्य (सप्ताह 5-25)	पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य	✓	✓	✓	✓		
		कहानी सुनाना/खेल गतिविधि					✓	
		अनुभव पर चर्चा/सृजनात्मक गतिविधियां						✓
2 (40 मिनट)	कार्यपुस्तिका भाग-1 पुनरावृत्ति (वर्ण पहचान/शब्द पठन/सरल पाठ आधारित) पर कार्य (सप्ताह 1-7)	वर्ण/अक्षर पहचान/ब्लेंडिंग, शब्द/वाक्यांश /सरल पाठ पर कार्य	✓	✓	✓	✓		
		पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियां एवं स्तरित पाठ पर कार्य (सप्ताह 5-7)	✓	✓	✓	✓		
		साप्ताहिक पुनरावृत्ति					✓	
		साप्ताहिक आकलन						✓
	कार्यपुस्तिका भाग-1 समझ के साथ पढ़ने पर कार्य (सप्ताह 8-25)	पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियां एवं स्तरित पठन कार्य	✓	✓	✓	✓		
		साप्ताहिक पुनरावृत्ति					✓	
		साप्ताहिक आकलन						✓
3 (40 मिनट)	कार्यपुस्तिका भाग-2 पठन अभ्यास पर कार्य (सप्ताह 1-7)	पठन अभ्यास	✓	✓	✓	✓		
		स्वतंत्र पठन					✓	
		रिमीडियल कार्य	✓	✓	✓	✓	✓	
	कार्यपुस्तिका भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पर कार्य (सप्ताह 8-25)	प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास	✓	✓	✓	✓		
		स्वतंत्र पठन					✓	
		रिमीडियल कार्य	✓	✓	✓	✓	✓	

शिक्षण सामग्रियों का विवरण

अकादमिक **वर्ष 2024-25** में कक्षा 3 में तीनों कालांशों की भाषा शिक्षण हेतु निम्न सामग्रियाँ उपयोग में ली जाएंगी-

पाठ्यपुस्तक पंखुड़ी

- पंखुड़ी का उपयोग (सप्ताह 5 से 25 में) **कालांश 1 और 2** में किया जाएगा। **कालांश-1** में **पंखुड़ी के पाठों का आदर्श वाचन** और **मार्गदर्शन में पठन** किया जाएगा। इसके साथ ही पाठ के पीछे दिए गए **अभ्यास** पर भी कार्य किया जाएगा।
- **कालांश-2** में पाठ आधारित **विस्तारित गतिविधियां,** पाठ्यपुस्तक की **थीम, केन्द्रीय विचार (सेंट्रल आइडिया), पात्रों** को आधार बनाकर **स्तरित (ग्रेडेड)** पाठों पर भी कार्य किया जाएगा।

चित्र कहानी पोस्टर

- चित्र कहानी पोस्टर का उपयोग **कालांश-1** में **सप्ताह 1-4** में किया जाएगा।
- चित्र कहानी पोस्टर द्वारा बच्चों के **मौखिक भाषा विकास** पर कार्य किया जाएगा।

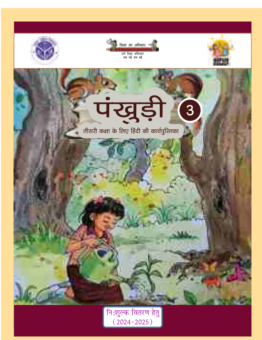

कार्यपुस्तिका (भाग-1 और भाग-2)

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक से संरेखित है। कार्यपुस्तिका के दो भाग हैं।
- **कार्यपुस्तिका भाग-1** का उपयोग **कालांश-2** में और **कार्यपुस्तिका भाग-2** का उपयोग **कालांश-3** में किया जाएगा।
- **कार्यपुस्तिका भाग-1** से समझ के साथ पढ़ने की गतिविधियाँ एवं **कार्यपुस्तिका भाग-2** से पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पर कार्य किया जाएगा।

1 2 3 कालांशों की रूपरेखा

- इस संदर्शिका में 25 सप्ताहों की शिक्षण कार्य योजना दी गई है। प्रत्येक सप्ताह में कुल 6 दिन शिक्षण कार्य होगा। भाषा शिक्षण के लिए प्रतिदिन 40-40 मिनट के तीन कालांश निर्धारित हैं।
- कालांश-1 में पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' एवं मौखिक भाषा विकास से संबंधित गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा।
- कालांश-2 में समझ के साथ पढ़ने पर कार्य किया जाएगा।
- कालांश-3 में पठन अभ्यास, स्वतंत्र पठन, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पर कार्य किया जाएगा।
- रिमीडियल कार्य सप्ताह के शुरुआती पांच दिनों के तीसरे कालांश में किया जाएगा।

1 कालांश — 40 मिनट

गतिविधियाँ

- कविता / बालगीत
- पाठ्यपुस्तक से पठन
- चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य
- अनुभव पर चर्चा
- सामाजिक एवं भावनात्मक विकास से संबंधित गतिविधियां
- सृजनात्मक खेल गतिविधियाँ / मौखिक खेल विकास गतिविधियां / अनुभव आधारित रोल प्ले या अभिनय
- मौखिक कहानी सुनाना

☞ **इन सभी गतिविधियों से संबंधित लेखन कार्य भी किया जाएगा।**

शिक्षण सामग्री

- पाठ्यपुस्तक **'पंखुड़ी'**
- चित्र कहानी पोस्टर
- शिक्षक संदर्शिका

2 कालांश — 40 मिनट

गतिविधियाँ

- पुनरावृत्ति (वर्ण / अक्षर / शब्द पठन / वाक्यांश और वाक्य पठन)
- पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियां
- स्तरित पाठ से पठन एवं लेखन कार्य

शिक्षण सामग्री

- कार्यपुस्तिका (भाग-1)
- शिक्षक संदर्शिका

3 कालांश — 40 मिनट

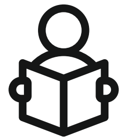

गतिविधियाँ

- पठन अभ्यास
- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास
- स्वतंत्र पठन
- रिमीडियल कार्य

शिक्षण सामग्री

- कार्यपुस्तिका (भाग-2)
- पुस्तकालय की किताबें
- शिक्षक संदर्शिका

☞ प्रत्येक सप्ताह के दिवस 6 में कालांश 2 और 3 में साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' पर कार्य किया जाएगा।

सप्ताह 1 दिवस 1

मौखिक भाषा विकास पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

विद्यालय और साथियों से जुड़ाव।

विषयवस्तु: संदर्शिका 161 164 , SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल से संबंधित सामग्री पहले से एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'शब्द अंत्याक्षरी'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 161 से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि करवाएँ, जैसे- आप सबसे पहले किसी वर्ण से कोई शब्द बनाकर बताएँ।
- अब बच्चों से कहें कि वह भी कोई नई क्रिया करते हुए अपना परिचय दें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज **'अभिवादन'** की गतिविधि बच्चों के साथ करवाएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका के 164 से देखकर स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, उनके पसंद के खेल से संबंधित कोई चित्र बनाकर उनमें रंग भरने को कहें।
- बच्चों को चित्र से संबंधित कुछ शब्द लिखने को कहें और चित्र को अपने साथी को दिखाते हुए चर्चा करने को कहें।
- अब कुछ बच्चों को बुलाकर, चित्र पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरों (क, र, न) को पहचानना और उन्हें मिलाकर पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका, संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान (7-10 मिनट):** बच्चों को चयनित वर्ण, ध्वनि एवं प्रतीक पहचान अलग-अलग तरीकों (पहली आवाज के प्रतीक पर घेरा लगाकर, वर्णों को बड़े आकार में बोर्ड पर लिखकर आदि) से करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग (7-10 मिनट):** आज सिखाए वर्णों से बनने वाले शब्द बोर्ड पर बॉक्स में इस तरह लिखें और पढ़ें- [क] [र] → [कर]
- इसी प्रकार अन्य शब्दों जैसे- कन, नर आदि को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

☞ यहाँ हम वर्णों को मिलाकर एक शब्द/एक इकाई के रूप में पढ़ेंगे।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-1** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-1

तैयारी: पठन अभ्यास-1 के शब्दों को पहले से पढ़ लें।

पठन अभ्यास (30-35 मिनट)

- बच्चों को **पठन अभ्यास-1** में दिए शब्दों को पढ़कर सुनाएँ और सभी बच्चों को पठन अभ्यास में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें। यह प्रक्रिया बच्चों के साथ नियमित रूप से करें। पठन अभ्यास के दौरान कुछ शब्दों पर रुककर बातचीत करें, जैसे- यह शब्द उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? आदि।
- बच्चों को उनके घर की भाषा में प्रतिक्रिया देने का अवसर दें।
- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर कार्यपुस्तिका से आज का पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। आप कक्षा में घूमते हुए कुछ बच्चों के पास जाएं और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

☞ प्रत्येक कालांश की शुरुआत में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि करें।

☞ गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए, विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

सप्ताह 1 दिवस 2

मौखिक भाषा विकास पर कार्य
कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं सरल चर्चा।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और मौखिक कहानी।

तैयारी: बच्चों के स्तर की स्थानीय कहानी का चयन करें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)
- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी/पढ़ी किसी कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- बीच-बीच में आप कहानी से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- कहानी किसके बारे में थी?
- आप कहानियों के कुछ उदाहरण संदर्शिका 180 से 186 पर देख सकते हैं।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए 5-7 खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान एवं तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। जैसे- यदि इस कहानी में आप होते तो क्या करते?

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)
- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें। जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों या 1 वाक्य में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरों (म, स एवं मात्रा 'ा') को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका, संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास
- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट):** बच्चों को चयनित वर्ण, ध्वनि एवं प्रतीक पहचान अलग-अलग तरीकों (पहली ध्वनि के प्रतीक पर घेरा लगाकर, वर्णों को बड़े आकार में बोर्ड पर लिखकर आदि) से करवाएँ।
- अब तक सिखाए वर्णों से बनने वाले शब्द बोर्ड पर बॉक्स में इस तरह लिखें और पढ़ें- [क] [स] [म] → [कसम]
  इसी प्रकार अन्य शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन (7-10 मिनट):** बच्चों को सिखाए गए वर्णों से मिलकर बनने वाले नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

☞ यहाँ हम वर्णों को मिलाकर नहीं बल्कि एक शब्द/एक इकाई के रूप में पढ़ेंगे, जैसे- कम, कार, मामा आदि।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)
- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-2** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-1

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (30-35 मिनट)
- आप बोर्ड/चार्ट पर **पठन अभ्यास-1** के स्तर के अन्य शब्द लिखें और कुछ बच्चों को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को उनके घर की भाषा में प्रतिक्रिया देने का अवसर दें।
- अब बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर कार्यपुस्तिका से आज का पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। आप कक्षा में घूमते हुए कुछ बच्चों के पास जाएं और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

☞ प्रत्येक कालांश की शुरुआत में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि करें।

☞ गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए, विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज के दिवस में की गई सभी गतिविधियों पर चिंतन करें कि आज किन गतिविधियों में बच्चों ने सबसे अधिक प्रतिभाग किया? और किस गतिविधि के लिए और बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता है ?

सप्ताह 1 दिवस 3

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 159 160 और चित्र कहानी पोस्टर- 1

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार करें।

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।
- इसके बाद चारों चित्रों को एक-एक करके दिखाते हुए बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- इस चित्र में कितने जानवर हैं?
- अब आप बच्चों से चित्र को समग्रता में देखने के लिए कहें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को 4-5 के समूहों में बाँटें और उन्हें निर्देश दें कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर उन्हें एक नई कहानी बनानी है। फिर आप प्रत्येक समूह के कुछ बच्चों से उनकी कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को चित्र कहानी पोस्टर पर बात करने को कहें और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने के लिए प्रेरित करें। हर समूह को अपने द्वारा लिखे गए शब्दों/वाक्यों को कक्षा में अपने साथी से साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरों (ब, ल, द) को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका, संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट):** बच्चों को चयनित वर्ण, ध्वनि एवं प्रतीक पहचान अलग-अलग तरीकों (पहली ध्वनि के प्रतीक पर घेरा लगाकर, वर्णों को बड़े आकार में बोर्ड पर लिखकर आदि) से करवाएँ।
- अब तक सिखाए वर्णों से बनने वाले शब्द बोर्ड पर बॉक्स में इस तरह लिखें और पढ़ें- बा द ल → बादल
  इसी प्रकार अन्य शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन (7-10 मिनट):** बच्चों को सिखाए गए वर्णों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

☞ यहाँ हम वर्णों को मिलाकर एक शब्द/एक इकाई के रूप में पढ़ेंगे, जैसे- नाम, कार, काला, दाल आदि।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (12-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-3** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-2

तैयारी: पठन अभ्यास-2 के शब्दों को पहले से पढ़ लें।

पठन अभ्यास (30-35 मिनट)

- बच्चों को **पठन अभ्यास-2** में दिए शब्दों को पढ़कर सुनाएँ और सभी बच्चों को पठन अभ्यास में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें। यह प्रक्रिया बच्चों के साथ नियमित रूप से करें। पठन अभ्यास के दौरान कुछ शब्दों पर रुककर बातचीत करें। जैसे- यह शब्द उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? आदि।
- बच्चों को उनके घर की भाषा में प्रतिक्रिया देने का अवसर दें।
- अब बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर कार्यपुस्तिका से आज का पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। आप कक्षा में घूमते हुए कुछ बच्चों के पास जाएं और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

☞ प्रत्येक कालांश की शुरुआत में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि करें।

☞ गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए, विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या बच्चे कार्यपुस्तिका से पढ़ने के दौरान वर्णों/शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ रहे थे? बच्चों से इसकी अपेक्षा रखें और इससे संबंधित निर्देश नियमित रूप से दें।

सप्ताह 1 दिवस 4

मौखिक भाषा विकास पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को अपने शब्दों में बता पाना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 159 160 162, मौखिक खेल और चित्र कहानी पोस्टर- 1

तैयारी: खेल के अनुसार जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- खेल गतिविधि **'कानाफूसी'** से संबंधित सभी निर्देश **संदर्शिका के** 162 से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

शिक्षक द्वारा चित्र कहानी पोस्टर पर चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को एक बार पुनः चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ। कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं उस पर बातचीत करें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को पिछले दिन के समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि उन्हें अपने द्वारा बनाई गई कहानी को आगे बढ़ाना है। बच्चों को पिछले दिन की कहानी को याद करने में आवश्यकतानुसार मदद करें।
- प्रत्येक समूह के बच्चों को अपनी कहानी सुनाने को कहें एवं सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा इस गतिविधि में प्रतिभाग करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित चित्र बनाने, कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने के लिए कहें। आप बच्चों द्वारा किए गए कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें। बच्चों से उनके समूहों द्वारा लिखे शब्दों को, दूसरे समूहों से साझा करने के अवसर दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरों (प, च एवं मात्रा 'ी') को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका, संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट):** बच्चों को चयनित वर्ण, ध्वनि एवं प्रतीक पहचान अलग-अलग तरीकों से करवाएँ।
- अब तक सिखाए वर्णों से बनने वाले शब्द बोर्ड पर बॉक्स में इस तरह लिखें और पढ़ें- प सी ना → पसीना
- इसी प्रकार अन्य शब्दों जैसे- नाप, रचना आदि को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन (7-10 मिनट):** अब तक सिखाए गए वर्णों से मिलकर बनने वाले नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

☞ यहाँ हम वर्णों को मिलाकर एक शब्द/एक इकाई के रूप में पढ़ेंगे, जैसे- दीप, सीप, चीनी आदि।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-4** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-2

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (30-35 मिनट)

- आप बोर्ड/चार्ट पर **पठन अभ्यास-2** के स्तर के अन्य शब्द लिखें और कुछ बच्चों को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को उनके घर की भाषा में प्रतिक्रिया देने का अवसर दें।
- अब बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर कार्यपुस्तिका से आज का पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। आप कक्षा में घूमते हुए कुछ बच्चों के पास जाएं और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

☞ प्रत्येक कालांश की शुरुआत में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि करें।

☞ गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए, विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के सभी बच्चे शब्दों को सटीक रूप से ब्लेंड करके शब्दों की तरह (एक इकाई के रूप में) पढ़ पा रहे हैं? यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इस कौशल को निपुणता से कर पाएं।

सप्ताह 1 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'बरसात का मौसम'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के बरसात के अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ, जैसे- बरसात आने से पहले आसमान कैसा दिखता है ? बरसात के मौसम में आपके घर में खाने को क्या-क्या बनता है? आदि। बरसात से जुड़ा यदि कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को बरसात के अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 2-3 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए विषय से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछ सकते हैं।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से बरसात के मौसम से जुड़ा हुआ कोई चित्र बनाने और उसके बारे में कुछ शब्द/1-2 वाक्य लिखने को कहें। फिर बच्चों से जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को अपने विचार पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

सप्ताह में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका, संदर्शिका 172 173

तैयारी: कार्यपुस्तिका के पत्रकों को पहले से पढ़ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट):** बच्चों को चयनित वर्ण, ध्वनि एवं प्रतीक पहचान अलग-अलग तरीकों से करवाएँ।
- अब तक सिखाए वर्णों से बनने वाले शब्द बोर्ड पर बॉक्स में लिखें और पढ़ें। सभी वर्णों को मिलाकर बने शब्दों को इकाई के रूप में पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन (7-10 मिनट):** बच्चों को सिखाए गए वर्णों से मिलकर बनने वाले नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-5** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

स्वतंत्र पठन

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 और स्वतंत्र पठन

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकों का चयन कर लें।

स्वतंत्र पठन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का मौका दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों से कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

प्रत्येक कालांश की शुरुआत में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि करें।

गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 1 दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'गर्मी की छुट्टी'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के 'गर्मी की छुट्टी' से जुड़े अनुभवों को बच्चों के साथ साझा करें। जैसे- गर्मी की छुट्टी में आप कहाँ गए थे? गर्मी की छुट्टी में आप क्या-क्या करते हैं?

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को 'गर्मी की छुट्टी' के अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 2-3 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछ सकते हैं।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से गर्मी की छुट्टी से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखने को कहें। फिर बच्चों से जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-1 दिवस 1-5 के शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 1 और 2 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें **कार्यपुस्तिका से 'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने वर्ण/अक्षर/शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे सामूहिक कार्य को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 2 दिवस 1

मौखिक भाषा विकास पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

अभिनय और क्रिया एवं संज्ञा शब्दों पर कार्य

विषयवस्तु: संदर्शिका 162 165 , SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल के अनुसार जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- आप खेल गतिविधि – '**बूझो तो जाने**' के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 162 से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि करवाएँ।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज आप '**मुझे कब अच्छा लगा**' की गतिविधि बच्चों के साथ करवाएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका के 165 से देखकर स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, उनके पसंद के खेल से संबंधित कोई चित्र बनाकर उनमें रंग भरने को कहें।
- बच्चों को चित्र से संबंधित कुछ शब्द लिखने को कहें और उस चित्र को अपने साथी को दिखाते हुए चर्चा करने को कहें।
- अब कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्र पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरों (अ, ह, ग, घ) को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका, संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-6 (10-12 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पठन की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-1 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- **वाक्यांश पठन (7-10 मिनट):** अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और शब्दों से बनने वाले सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पहले खुद पढ़ें, फिर बच्चों से पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास 6** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 179 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पठन अभ्यास-3 के शब्दों को पहले से पढ़ लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-3** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें। पठन अभ्यास के शब्दों के अर्थ बच्चों के संदर्भ से जोड़ते हुए उदाहरण सहित समझाएँ। जैसे- मेहमान, जमघट, अनमोल।
- बच्चों को उनके घर की भाषा में प्रतिक्रिया देने का अवसर दें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियां करवाएँ। आप वर्ण एवं मात्रा कार्ड का भी उपयोग कर सकते हैं।
- बाकी बच्चों को पठन अभ्यास-3 के स्तर के अन्य शब्दों को बोर्ड/चार्ट से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

☞ गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

☞ आकलन ट्रैकर के आधार पर बनाए गए समूहों/स्तरों को ध्यान में रखते हुए रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 2 दिवस 2

मौखिक भाषा विकास पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं सरल चर्चा।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और मौखिक कहानी

तैयारी: बच्चों के स्तर की स्थानीय कहानी का चयन करें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें।
- आप कहानियों के कुछ उदाहरण संदर्शिका 180 से 186 पर देख सकते हैं।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बच्चों से अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछें। आप बच्चों को पढ़ी/सुनी हुई कहानी में क्रमवार क्या-क्या हुआ, उसे मौखिक रूप से अभिव्यक्त करने को कहें।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, कहानी को क्रमवार एक-दूसरे को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/एक वाक्य में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

☞ आप बच्चों का ध्यान कहानी की क्रमबद्धता पर दिलाते रहें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरों (आ, य एवं मात्रा 'ॆ') को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका, संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को पहले से समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-7 (10-12 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पठन की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-1 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- **वाक्यांश पठन (7-10 मिनट):** अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और शब्दों से बनने वाले सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पहले खुद पढ़ें। फिर बच्चों से वाक्यांशों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास 7** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-3** पर कार्य करने के दौरान सप्ताह-1 दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- बच्चों को उनके घर की भाषा में प्रतिक्रिया देने का अवसर दें।

☞ शब्दों के अर्थ पर बच्चों से चर्चा करें, जैसे- जीवन।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/ शब्द स्तर की गतिविधियां करवाएँ। आप वर्ण एवं मात्रा कार्ड का भी उपयोग कर सकते हैं।
- बाकी बच्चों को पठन अभ्यास-3 के स्तर के अन्य शब्दों को बोर्ड/चार्ट से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

☞ गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए, विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के सभी बच्चे शब्दों को सटीक रूप से ब्लेंड करके शब्दों की तरह (एक इकाई के रूप में) पढ़ पा रहे हैं? यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इस कौशल को निपुणता से कर पाएं।

सप्ताह 2 दिवस 3

मौखिक भाषा विकास पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 159 160 और चित्र कहानी पोस्टर-2

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार कर लें।

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।
- इसके बाद चारों चित्रों को एक-एक करके दिखाते हुए बात करें और बंद छोर के प्रश्न पूछें। जैसे- इस चित्र में कौन-कौन है?
- आप बच्चों से चित्र को समग्रता में देखने के लिए कहें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को 4-5 के समूहों में बाँटें और उन्हें निर्देश दें कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर उन्हें एक नई कहानी बनानी है।
- अब आप कुछ बच्चों से कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को चित्र कहानी पोस्टर पर बात करने को कहें और बात को कुछ शब्दों या 1 वाक्य में लिखने को प्रेरित करें। हर समूह को अपने द्वारा लिखे गए शब्दों को कक्षा में अपने साथी से साझा करने को कहें।

☞ सभी बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरों (ज, ट, इ, त) को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को पहले से समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-8 (10-12 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पठन की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-1 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- **वाक्यांश पठन (7-10 मिनट):** अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और शब्दों से बनने वाले सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पहले खुद पढ़े। फिर बच्चों से दोहराते हुए, पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास 8** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पठन अभ्यास-4 के शब्दों को पहले से पढ़ लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-4** पर कार्य करने के दौरान सप्ताह-1 दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- बच्चों को उनके घर की भाषा में प्रतिक्रिया देने का अवसर दें।

☞ शब्दों के अर्थ पर बच्चों से चर्चा करें, जैसे- गगरी।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/ शब्द स्तर की गतिविधियां करवाएँ। आप ग्रिड का उपयोग भी कर सकते हैं।
- बाकी बच्चों को पठन अभ्यास-4 के स्तर के अन्य शब्दों को बोर्ड/चार्ट से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

☞ गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज के दिवस में की गई सभी गतिविधियों पर चिंतन करें कि आज किन गतिविधियों में बच्चों ने सबसे अधिक प्रतिभाग किया? और किस गतिविधि के लिए और बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता है?

सप्ताह 2 दिवस 4

मौखिक भाषा विकास पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को अपने शब्दों में बता पाना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 159 160 162 और चित्र कहानी पोस्टर- 2

तैयारी: खेल के अनुसार जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'बूझो मैंने क्या देखा'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 162 से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

शिक्षक द्वारा चित्र कहानी पोस्टर पर चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को एक बार पुनः चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ। कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराएँ एवं बच्चों से सरल प्रश्न पूछते हुए बातचीत करें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को पिछले दिन के समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि उन्हें अपने द्वारा बनाई गई कहानी को आगे बढ़ाना है। बच्चों को पिछले दिन की कहानी को याद करने में आवश्यकतानुसार मदद करें।
- आप प्रत्येक समूह के बच्चों को अपनी कहानी सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित चित्र बनाने, कुछ शब्द या 1-2 वाक्य लिखने के लिए कहें। आप बच्चों द्वारा किए गए कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें। बच्चों को उनके समूह द्वारा लिखे शब्दों को, दूसरे समूह से साझा करने के अवसर दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरो (ई, ख, ' ा ') को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका, संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को पहले से समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-9 (10-12 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पठन की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-1 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- **वाक्यांश पठन (7-10 मिनट):** अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और शब्दों से बनने वाले सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पहले खुद पढ़ें। फिर बच्चों से पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास 9** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- पठन अभ्यास-4 पर कार्य करने के दौरान सप्ताह-1 दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- बच्चों को उनके घर की भाषा में प्रतिक्रिया देने का अवसर दें।

☞ शब्दों के अर्थ पर बच्चों से चर्चा करें, जैसे- फटकार।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/ शब्द स्तर की गतिविधियां करवाएँ। आप ग्रिड का उपयोग भी कर सकते हैं।
- बाकी बच्चों को पठन अभ्यास-4 के स्तर के अन्य शब्दों को बोर्ड/चार्ट से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या बच्चे कार्यपुस्तिका से पढ़ने के दौरान वर्णों/शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ रहे थे? बच्चों से इसकी अपेक्षा रखें और इससे संबंधित निर्देश नियमित रूप से दें।

सप्ताह 2 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को बताएँ कि आज हम **'नाना के घर'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के **'नाना के घर'** के अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ। जैसे- वहाँ आपने क्या-क्या खाया? नाना के घर कौन-कौन रहता है? आदि। 'नाना के घर' से जुड़ा कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को 'नाना के घर' के अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 2-3 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछ सकते हैं।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों से उनके 'नाना के घर' से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

सप्ताह में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 172 173

तैयारी: कार्यपुस्तिका के पत्रकों को पहले से पढ़ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-10 (15-20 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पठन/वाक्यांश की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-2 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- इन कौशलों पर कार्य करने के दौरान यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे अभ्यास कार्य में प्रतिभाग करें।
- बच्चों द्वारा की गई गलतियों को सहजता के साथ (उनके आत्मसम्मान एवं विश्वास को बिना ठेस पहुँचाए) सुधारें।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-10** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 178 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकों का चयन कर लें।

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें, अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों से कहानी को वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियां करवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

सप्ताह 2 दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'होली'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के **'होली'** से जुड़े अनुभवों को बच्चों के साथ साझा करें। जैसे- आपको होली का त्योहार कैसा लगता है? होली पर घर में क्या-क्या पकवान बनते हैं ?

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को 'होली' के अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 2-3 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछ सकते हैं।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से 'होली' से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-2 दिवस 1-5 के शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 3 और 4 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें **कार्यपुस्तिका से 'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने वर्ण/अक्षर/शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे सामूहिक कार्य को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 3 | दिवस 1

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

कक्षा में बोलने या अपनी बात कहने के तरीके को समझना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 163 165 , SEL और मौखिक खेल

तैयारी: आप खेल से संबंधित सामग्री एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'बताओ मैं क्या हूँ'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 163 से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज आप **'भावनाएं'** की गतिविधि बच्चों के साथ करवाएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश संदर्शिका के 165 से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को जोड़ियों में उनके पसंद के खेल से संबंधित कोई चित्र बनाकर उनमें रंग भरने को कहें।
- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर चित्र से संबंधित कुछ शब्द लिखने को कहें और चित्र को अपने साथी को दिखाते हुए चर्चा करने को कहें।
- अब कुछ बच्चों को बुलाकर चित्र पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरों (ए, छ, थ, ध) को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को पहले से समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-11 (10-12 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पठन की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-1 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- **वाक्य पठन (7-10 मिनट):** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने को कहें। फिर कुछ नए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-11** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-5 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पठन अभ्यास-5 के शब्दों को पहले से पढ़ लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-5** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें। पठन अभ्यास के शब्दों के अर्थ बच्चों के संदर्भ से जोड़ते हुए उदाहरण सहित समझाएँ। जैसे- गठरी।
- बच्चों को उनके घर की भाषा में प्रतिक्रिया देने का अवसर दें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियां करवाएँ। आप **शब्द-खिड़की** का भी उपयोग कर सकते हैं।
- बाकी बच्चों को पठन अभ्यास-5 के स्तर के अन्य शब्दों को बोर्ड/चार्ट से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और मौखिक कहानी

तैयारी: बच्चों के स्तर की स्थानीय कहानी का चयन कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें।
- आप कहानियों के कुछ उदाहरण संदर्शिका 180 से 186 पर देख सकते हैं।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को सुनी या पढ़ी हुई कहानी को अपने शब्दों में आगे सुनाने को कहें। इसके लिए उनका ध्यान क्रम पर दिलाएं। बच्चों को कहानी में क्या क्रम था, यह मौखिक रूप से बताएँ। जैसे- पहले यह हुआ, फिर यह हुआ......

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर उनके द्वारा कहानियों को अपने शब्दों में सुनाने और सबसे मजेदार घटनाक्रम पर बातचीत करने को कहें। जैसे- घटना मजेदार क्यों है? फिर कुछ बच्चों से इस चर्चा को अन्य साथियों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों द्वारा अपने शब्दों में सुनाई गई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरों (ऐ, व, ड, मात्रा ' ु ') को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को पहले से समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-12 (10-12 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पठन की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-1 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- **वाक्य पठन (7-10 मिनट):** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने को कहें। फिर कुछ नए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-12** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-5 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-5** पर कार्य करने के दौरान सप्ताह-1 दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

☞ शब्दों के अर्थ पर बच्चों से चर्चा करें। जैसे- कठोर।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/ शब्द स्तर की गतिविधियां करवाएँ। आप **शब्द-खिड़की** का भी उपयोग कर सकते हैं।
- बाकी बच्चों को पठन अभ्यास-5 के स्तर के अन्य शब्दों को बोर्ड/चार्ट से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

☞ गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए, विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के सभी बच्चे शब्दों को सटीक रूप से ब्लेंड करके शब्दों की तरह (एक इकाई के रूप में) पढ़ पा रहे हैं? यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इस कौशल को निपुणता से कर पाएं।

सप्ताह 3 दिवस 3

मौखिक भाषा विकास पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 159 160 और चित्र कहानी पोस्टर- 3

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार कर लें।

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।
- अब चारों चित्रों को एक-एक करके दिखाते हुए बात करें और बंद छोर के प्रश्न पूछें। जैसे- भालू किसके पीछे भागा?
- आप बच्चों से चित्र को समग्रता में देखने के लिए कहें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को 4-5 के समूहों में बाँटें और उन्हें निर्देश दें कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर एक नई कहानी बनानी है।
- आप कुछ बच्चों से चित्र पर आधारित 4-5 वाक्यों की कहानी को अपने शब्दों में बनाकर सभी को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को चित्र कहानी पोस्टर पर बात करने को कहें और कुछ शब्दों/2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें। हर समूह को अपने द्वारा लिखे गए शब्दों/वाक्यों को कक्षा में अपने साथियों से साझा करने को कहें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरों (उ, झ, ओ, मात्रा ' ु ') को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को पहले से समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-13 (10-12 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पठन की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-1 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- **वाक्य पठन (7-10 मिनट):** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने को कहें। फिर कुछ नए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-13** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-6 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पठन अभ्यास-6 के शब्दों को पहले से पढ़ लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-6** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें। पठन अभ्यास के शब्दों के अर्थ बच्चों के संदर्भ से जोड़ते हुए उदाहरण सहित समझाएँ। जैसे- धमक।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियां करवाएँ। आप **शब्द-चकरी** का भी उपयोग कर सकते हैं।
- बाकी बच्चों को पठन अभ्यास-6 के स्तर के अन्य शब्दों को बोर्ड/चार्ट से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या बच्चे कार्यपुस्तिका से पढ़ने के दौरान वर्णों/शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ रहे थे? बच्चों से इसकी अपेक्षा रखें और इससे संबंधित निर्देश नियमित रूप से दें।

सप्ताह 3 दिवस 4

मौखिक भाषा विकास पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को अपने शब्दों में बता पाना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 159 160 163 , मौखिक खेल और चित्र कहानी पोस्टर- 3

तैयारी: खेल के अनुसार जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'घर से स्कूल तक का सफर'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 163 से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

शिक्षक द्वारा चित्र कहानी पोस्टर पर चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को एक बार पुनः चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ। कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराएँ एवं बच्चों से सरल प्रश्न पूछते हुए बातचीत करें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को पिछले दिन के समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि उन्हें अपने द्वारा बनाई गई कहानी को आगे बढ़ाना है। बच्चों को पिछले दिन की कहानी को याद करने में आवश्यकतानुसार मदद करें।
- आप प्रत्येक समूह के बच्चों को अपनी-अपनी कहानी सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित चित्र बनाने, कुछ शब्दों/2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें। बच्चों से उनके समूहों द्वारा लिखे शब्दों/वाक्यों को दूसरे समूहों से साझा करने के अवसर दें।

☞ सभी बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरों (ढ, ठ, श, मात्रा 'ि') को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को पहले से समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-14 (10-12 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पठन की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-1 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- **वाक्य पठन (7-10 मिनट):** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने को कहें। फिर कुछ नए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-14** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-6 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-6** पर कार्य करने के दौरान सप्ताह-1 दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

☞ शब्दों के अर्थ पर बच्चों से चर्चा करें। जैसे- उपवास।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/ शब्द स्तर की गतिविधियां करवाएँ। आप **शब्द-चकरी** का भी उपयोग कर सकते हैं।
- बाकी बच्चों को पठन अभ्यास-6 के स्तर के अन्य शब्दों को बोर्ड/चार्ट से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज के दिवस में की गई सभी गतिविधियों पर चिंतन करें कि आज किन गतिविधियों में बच्चों ने सबसे अधिक प्रतिभाग किया? और किस गतिविधि के लिए और बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता है ?

सप्ताह 3 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'मेला'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में स्वयं के **'मेला'** के अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ। जैसे- आपको मेला कैसा लगता है और क्यों? आदि। 'मेला' से जुड़ा कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को 'मेला' के अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 3-4 वाक्य में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछ सकते हैं।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों से 'मेला' से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

सप्ताह में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 172 173

तैयारी: पाठ को पहले से पढ़ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-15 (10-15 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियाँ (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पठन/वाक्यों की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-1 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- इन कौशलों पर कार्य करने के दौरान यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे अभ्यास कार्य में प्रतिभाग करें।
- बच्चों द्वारा की गई गलतियों को सहजता के साथ (उनके आत्मसम्मान एवं विश्वास को बिना ठेस पहुँचाए) सुधारें।

लेखन कार्य और व्यक्तिगत फीडबैक (15-20 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-15** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 178, स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकों का चयन कर लें।

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें, अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों से कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियां करवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'खेल'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में स्वयं के पसंदीदा **'खेल'** से जुड़े अनुभवों को बच्चों के साथ साझा करें। जैसे- आपका सबसे पसंदीदा खेल कौन-सा है? आप यह खेल कब-कब खेलते हैं?

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को 'खेल' के अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 3-4 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछ सकते हैं। सभी बच्चों को चर्चा में प्रतिभाग करने के मौके दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से 'खेल' से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-3 दिवस 1-5 के शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 5 और 6 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें **कार्यपुस्तिका से 'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने वर्ण/अक्षर/शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: • जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे सामूहिक कार्य को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 4 दिवस 1

मौखिक भाषा विकास पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

अभिनय से अभिव्यक्ति।

विषयवस्तु: संदर्शिका 163 165, SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल के अनुसार जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'क्या बदला'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका के 163 से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज आप **'भावनाओं के भी चित्र होते हैं'** की गतिविधि को बच्चों के साथ करवाएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका के 165 से देखकर स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को जोड़ियों में उनके पसंद के खेल से संबंधित कोई चित्र बनाकर उनमें रंग भरने को कहें।
- बच्चों को चित्र से संबंधित कुछ शब्द लिखने को कहें और चित्र को अपने साथी को दिखाते हुए चर्चा करने को कहें।
- अब कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्र पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्णों / अक्षरों (ड़, फ, ज्ञ, ऋ, मात्रा 'ै') को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों / वाक्यांशों / वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को पहले से समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-16 (10-12 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान / ब्लेंडिंग / शब्द पठन की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-1 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- **वाक्य पठन (7-10 मिनट):** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने को कहें। फिर कुछ नए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-16** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-7 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पठन अभ्यास-7 के शब्दों को पहले से पढ़ लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-7** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें। पठन अभ्यास के शब्दों के अर्थ बच्चों के संदर्भ से जोड़ते हुए उदाहरण सहित समझाएँ। जैसे- विज्ञान।
- बच्चों को उनके घर की भाषा में प्रतिक्रिया देने का अवसर दें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण / अक्षर / शब्द स्तर की गतिविधियां करवाएँ। आप **शब्द-खिड़की** का भी उपयोग कर सकते हैं।
- बाकी बच्चों को पठन अभ्यास-7 के स्तर के अन्य शब्दों को बोर्ड / चार्ट से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और मौखिक कहानी

तैयारी: बच्चों के स्तर की स्थानीय कहानी का चयन कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें।
- आप कहानियों के कुछ उदाहरण संदर्शिका 180 से 186 पर देख सकते हैं।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को सुनी या पढ़ी हुई कहानी को अपने शब्दों में आगे सुनाने को कहें। इसके लिए उनका ध्यान क्रम पर दिलाएं। बच्चों को कहानी में क्या क्रम था, यह मौखिक रूप से बताएँ। जैसे- पहले यह हुआ, फिर यह हुआ......

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर उनके द्वारा कहानियों को अपने शब्दों में सुनाने और सबसे मजेदार घटनाक्रम पर बातचीत करने को कहें। जैसे- घटना मजेदार क्यों है? फिर कुछ बच्चों से इस चर्चा को अन्य साथियों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों द्वारा अपने शब्दों में सुनाई गई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरों (ऊ, त्र, औ, मात्रा 'ै') को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/ वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को पहले से समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-17 (10-12 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पठन की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-1 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- **वाक्य पठन (7-10 मिनट):** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने को कहें। फिर कुछ नए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-17** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-7 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-7** पर कार्य करने के दौरान सप्ताह-1 दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

शब्दों के अर्थ पर बच्चों से चर्चा करें। जैसे- झरोखा।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियां करें। आप **शब्द-खिड़की** का भी उपयोग कर सकते हैं।
- बाकी बच्चों को पठन अभ्यास-7 के स्तर के अन्य शब्दों को बोर्ड/चार्ट से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-12** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के सभी बच्चे शब्दों को सटीक रूप से ब्लेंड करके शब्दों की तरह (एक इकाई के रूप में) पढ़ पा रहे हैं? यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इस कौशल को निपुणता से कर पाएं।

सप्ताह 4 दिवस 3

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 159 160 और चित्र कहानी पोस्टर- 4

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार कर लें।

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।
- अब चारों चित्रों को एक-एक करके दिखाते हुए बात करें और बंद छोर के प्रश्न पूछें। जैसे- भालू किसके पीछे भागा?
- आप बच्चों से चित्र को समग्रता में देखने के लिए कहें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को 4-5 के समूहों में बाँटें और उन्हें निर्देश दें कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर उन्हें एक नई कहानी बनानी है।
- आप कुछ बच्चों से चित्र पर आधारित 4-5 वाक्यों की कहानी को अपने शब्दों में बनाकर सभी को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को चित्र कहानी पोस्टर पर बात करने को कहें और कुछ शब्दों/दो वाक्यों में उसके बारे में लिखने को प्रेरित करें। हर समूह को अपने द्वारा लिखे गए शब्दों/वाक्यों को कक्षा में अपने साथी से साझा करने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरों (भ, ढ, छ, मात्रा 'ॅ') को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/ वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को पहले से समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-18 (10-10 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पठन की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-1 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- **वाक्य पठन (7-10 मिनट):** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने को कहें। फिर कुछ नए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य और व्यक्तिगत फीडबैक (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-18** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-8 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पठन अभ्यास-8 के शब्दों को पहले से पढ़ लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-8** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें। पठन अभ्यास के शब्दों के अर्थ बच्चों के संदर्भ से जोड़ते हुए उदाहरण सहित समझाएँ। जैसे- ठंडक।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियां करवाएँ। आप **शब्द-चकरी** का भी उपयोग कर सकते हैं।
- बाकी बच्चों को पठन अभ्यास-8 के स्तर के अन्य शब्दों को बोर्ड/चार्ट से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज के दिवस में की गई सभी गतिविधियों पर चिंतन करें कि आज किन गतिविधियों में बच्चों ने सबसे अधिक प्रतिभाग किया? और किस गतिविधि के लिए और बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता है?

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को अपने शब्दों में बता पाना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 159 160 163 , मौखिक खेल और चित्र कहानी पोस्टर-4

तैयारी: खेल के अनुसार जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'पहचानो मैं कौन हूँ'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 163 से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।
- यह सुनिश्चित करें कि खेल गतिविधि में प्रत्येक बच्चा प्रतिभाग करें।

शिक्षक द्वारा चित्र कहानी पोस्टर पर चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को एक बार पुनः चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ। कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराएँ एवं बच्चों से सरल प्रश्न पूछते हुए बातचीत करें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को पिछले दिन के समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि उन्हें अपने द्वारा बनाई गई कहानी को आगे बढ़ाना है। बच्चों को पिछले दिन की कहानी को याद करने में आवश्यकतानुसार मदद करें।
- आप प्रत्येक समूह के बच्चों को अपनी-अपनी कहानी सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित चित्र बनाने, कुछ शब्दों/2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। बच्चों से उनके समूहों द्वारा लिखे शब्दों/वाक्यों को दूसरे समूहों से साझा करने के अवसर दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्णों/अक्षरों (ष, अं, ण, मात्रा 'ँ') को पहचानना और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/ वाक्यों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 172 173

तैयारी: डिकोडिंग कौशलों के चरणों को पहले से समझ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-19 (10-12 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियां (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पठन की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-1 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- **वाक्य पठन (7-10 मिनट):** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने को कहें। फिर कुछ नए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (10-15 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-19** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और डिजिटल कार्यपुस्तिका पठन अभ्यास-8 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-8** पर कार्य करने के दौरान सप्ताह-1 दिवस-2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- शब्दों के अर्थ पर बच्चों से चर्चा करें। जैसे- सुहावना।
- आप कक्षा में घूम-घूम कर बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियां करवाएँ। आप **शब्द-चकरी** का उपयोग भी कर सकते हैं।
- बाकी बच्चों को पठन अभ्यास-8 के स्तर के अन्य शब्दों को बोर्ड/चार्ट से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या बच्चे कार्यपुस्तिका से पढ़ने के दौरान वर्णों/शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ रहे थे? बच्चों से इसकी अपेक्षा रखें और इससे संबंधित निर्देश नियमित रूप से दें।

सप्ताह 4 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को बताएँ कि आज हम **'बस यात्रा'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 7-8 वाक्यों में स्वयं के **'बस यात्रा'** के अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ। जैसे- आपने किसके साथ बस में पहली बार यात्रा की थी? बस यात्रा कर आपको कैसा लगा? आदि। 'बस यात्रा' से जुड़ा कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को 'बस यात्रा' के अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 4-5 वाक्य में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछ सकते हैं।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से 'बस यात्रा' से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

सप्ताह में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 172 173

तैयारी: पाठ को पहले से पढ़ लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अभ्यास-20 (15-20 मिनट)** में दी गई प्रत्येक दक्षता की गतिविधियों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का अभ्यास बोर्ड की सहायता से बच्चों के साथ करवाएँ।
- वर्ण पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पठन/वाक्यों की गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए सप्ताह-1 दिवस 1-4 की शिक्षण योजना का संदर्भ लें।
- इन कौशलों पर कार्य करने के दौरान यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे अभ्यास कार्य में प्रतिभाग करें।
- बच्चों द्वारा की गई गलतियों को सहजता के साथ (उनके आत्मसम्मान एवं विश्वास को बिना ठेस पहुँचाए) सुधारें।

डिजिटल कार्यपुस्तिका पर कार्य (15-20 मिनट)

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के **अभ्यास-20** पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 178 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकों का चयन

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें, अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों से कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियां करवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'खेत'** के बारे में बात करेंगे।
- सबसे पहले आप 7-8 वाक्यों में स्वयं के **'खेत'** से जुड़े अनुभवों को बच्चों के साथ साझा करें। जैसे- खेतों में फसलें कैसे लगाई जाती हैं? कब और कैसे पता चलता है कि फसलों के कटने का समय हो गया है ?

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'खेत'** के अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 4-5 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछ सकते हैं। सभी बच्चों को चर्चा में प्रतिभाग करने के मौके दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से 'खेत' से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 2-3 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-4 दिवस 1-5 के शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 7 और 8 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें **कार्यपुस्तिका** से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने वर्ण/अक्षर/शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे सामूहिक कार्य को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना

विषयवस्तु: संदर्शिका 166, पाठ-2 **'मुर्गा और लोमड़ी'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप पाठ के चित्रों और शीर्षकों के आधार पर प्रश्न पूछकर पाठ की पाठ्यवस्तु का अनुमान लगवाएँ।
- आप पूरे पाठ का आदर्श वाचन करें। इस दौरान बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए कुछ सरल प्रश्न पूछें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- क्या आपने कभी जंगल के जानवर देखे हैं? क्या आप अपने गाँव से जुड़ी कोई ख़बर या समाचार जानते हैं? यदि हाँ, तो सभी को बताएँ।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ में आए कठिन और अमूर्त शब्दों, जैसे- समाचार, खूँखार, समझौता आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।
- इन शब्दों का उपयोग करते हुए बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर पूरे पाठ का एक बार आदर्श वाचन करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ से चयनित गतिविधि 2 के 13 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'मुर्गा और लोमड़ी' पर समृद्ध समझ एवं लेखन पर कार्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 5 और संदर्शिका 173

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 5 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि 2 और 3 (7-10 मिनट):** इन पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें और शब्दों की सही वर्तनी बोर्ड पर लिखें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** दिए गए शब्दों से बच्चों को मौखिक रूप से विभिन्न तुकांत वाले शब्द बनाने एवं लिखने के लिए कहें।
- **गतिविधि-5 (7-10 मिनट):** शब्दों से बहुत सारे वाक्य मौखिक रूप से बच्चों से बनवाएँ, फिर लिखने को कहें।

बच्चों द्वारा किए गए कार्य का अवलोकन करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और कार्यपुस्तिका 123 पठन अभ्यास-9 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पठन अभ्यास-9 को पहले से पढ़ लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-9** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह रहना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

सप्ताह 5 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 11 से चयनित पाठ्यांश 'लोमड़ी ने...... हमला नहीं करेगा।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167, पाठ-2 **'मुर्गा और लोमड़ी'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 2-3 सरल प्रश्न बच्चों से पूछें। आप एक बार पुनः पूरे पाठ का आदर्श वाचन करें।
- फिर आप चयनित पाठ्यांश का आदर्श वाचन करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- आप पाठ्यांश की समझ पर आधारित कुछ खुले छोर के प्रश्नों को पूछें। जैसे- मुर्गे को नीचे बुलाने के लिए लोमड़ी और क्या बोल सकती थी?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों और समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आप आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से चयनित पाठ्यांश को पढ़कर कक्षा के बाकी बच्चों को सुनाने को कहें। अन्य बच्चे अपनी किताब में पढ़ें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित गतिविधि 5 को 13 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'मुर्गा और लोमड़ी' पर समृद्ध समझ एवं लेखन पर कार्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 6 और संदर्शिका 173

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 6 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** बच्चों से ग्रिड से शब्द खोजने को कहें एवं उस पर चर्चा करें। जैसे- यह जानवर क्या खाते हैं? कहाँ रहते हैं? आदि।
- **गतिविधि 3 और 4 (10-12 मिनट):** बच्चों से प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लें। कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें।
- **गतिविधि-5 (3-5 मिनट):** बच्चों को जोड़ियों में चर्चा करते हुए उत्तर लिखने को कहें।

बच्चों द्वारा किए गए कार्य का अवलोकन करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और कार्यपुस्तिका 123 पठन अभ्यास-9 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-9** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 5 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 12 से चयनित पाठ्यांश 'मुर्गे ने........ आ रहे हैं।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167, पाठ-2 **'मुर्गा और लोमड़ी'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित कुछ खुले एवं बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- फिर आप चयनित पाठ्यांश का आदर्श वाचन करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- आप पाठ्यांश की समझ पर आधारित कुछ खुले छोर के प्रश्नों को पूछें। जैसे- मुर्गे ने गर्दन उठाकर दूर की चीजें देखीं, वैसे ही आपको दूर के समाचार और खबरें किन-किन माध्यमों से पता चलती हैं?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों और समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से चयनित पाठ्यांश को पढ़कर कक्षा के बाकी बच्चों को सुनाने को कहें। अन्य बच्चे अपनी किताब में पढ़ें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित गतिविधि 4 को 13 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें। फिर गतिविधि-7 करने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'मुर्गा और लोमड़ी' पर आधारित कार्य का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 7 और संदर्शिका 174

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 7 पर कार्य करें।
- **गतिविधि 1 और 2 (7-10 मिनट):** बच्चों को प्रश्नों से संबंधित निर्देश दें। उन्हें जोड़ियों में चर्चा करने एवं सही उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** बच्चों को शब्दों को सही क्रम में लगाने के कुछ अन्य उदाहरण दें। फिर प्रतिक्रिया लेते हुए कार्य करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट):** बच्चों को जोड़ियों में पढ़ने को कहें और आप आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। फिर बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि के बाद शब्दों की सही वर्तनी बोर्ड पर लिखकर बच्चों का ध्यान दिलाएं।

- **गतिविधि-5 (7-10 मिनट):** आप निर्देशानुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और कार्यपुस्तिका 124 पठन अभ्यास-10 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पठन अभ्यास-10 को पहले से पढ़ लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-10** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 [12] से चयनित पाठ्यांश 'ऐसी बात......... नहीं सुना।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका [167], पाठ-2 **'मुर्गा और लोमड़ी'**

तैयारी: पाठ को पहले से पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित कुछ खुले एवं बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- फिर आप चयनित पाठ्यांश का आदर्श वाचन करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- आप पूरे पाठ की समझ पर आधारित विस्तृत चर्चा करते हुए पाठ को समेकित करें। जैसे- कहानी की शुरुआत, मध्य और अंत में क्या हुआ था? इस पर बच्चों से बातचीत करें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों और समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आप आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से चयनित पाठ्यांश को पढ़कर कक्षा के बाकी बच्चों को सुनाने को कहें। अन्य बच्चे अपनी किताब में पढ़ें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित गतिविधि 1 और 8 को [13] पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें और उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'मुर्गा और लोमड़ी' पर आधारित कार्य का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका [8] और संदर्शिका [174]

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका [8] पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (10-12 मिनट):** बच्चों से शब्दों को पढ़ने एवं उनसे मौखिक रूप से वाक्य बनाने को कहें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** बच्चों को प्रश्न के निर्देश कुछ अन्य उदाहरण देकर समझाएँ, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट):** पाठ-2 से संबंधित विभिन्न वाक्यों पर बच्चों से चर्चा करें। अब बच्चों से प्रश्न पर प्रतिक्रिया लेते हुए कार्य करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** प्रश्नों में दिए गए शब्दों के अतिरिक्त कुछ अन्य उदाहरणों पर चर्चा करें, फिर बच्चों को लिखने को कहें।

☞ बच्चों द्वारा किए गए कार्य का अवलोकन करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका [175] [178] और कार्यपुस्तिका [124] पठन अभ्यास-10 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-10** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

☞ गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वो ऊबने लगें, तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें उस शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं विस्तृत चर्चा

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और मौखिक कहानी

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें। आप पहले के सप्ताहों में पढ़ाई/सुनाई गई कहानियों का उपयोग भी कर सकते हैं।
- आप कहानियों के कुछ उदाहरण संदर्शिका 180 से 186 पर देख सकते हैं।

कहानी पर बच्चों के साथ समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को सुनी/पढ़ी गई कहानी को आगे बढ़ाने को कहें और उन्हें अलग-अलग उदाहरण दें कि कहानी किस-किस प्रकार से आगे बढ़ाई जा सकती है। जैसे- कहानी में नए पात्र जोड़ना। कहानी का घटनाक्रम बदलना। आज घर जाते हुए रास्ते में अचानक एक .... ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को 4-5 की जोड़ियों में बाँटकर कहानी सुनाने को कहें। फिर कुछ जोड़ियों को अपनी कहानी बाकी बच्चों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में कहानी पर अपने विचार/समझ शब्दों एवं वाक्यों में व्यक्त करने को कहें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा से साझा करने को कहें।

☞ बच्चों की सही वाक्य संरचना करने में सहायता करें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'मुर्गा और लोमड़ी' पर आधारित पुनरावृत्ति कार्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 9 और संदर्शिका 174

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट):** बच्चों को जोड़ियों/स्वतंत्र रूप में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप बच्चों के साथ 'कौन क्या खाता है' पर चर्चा करें। फिर उन्हें शब्दों से वाक्य बनाने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** दिये गए शब्दों से बच्चों को मौखिक रूप से विभिन्न तुकांत वाले शब्द बनाने एवं लिखने के लिए कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट):** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 3-5 शब्दों का 1 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 178 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

☞ गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 5 **दिवस 6**

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'गाँव के समाचार/खबर'** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप 5-7 वाक्यों में अपने गाँव/शहर से जुड़ा कोई समाचार बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय समाचार से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- खबरें और समाचार क्यों जरूरी हैं? इनसे हमें क्या-क्या जानकारी प्राप्त होती है? आदि।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों को उपसमूहों में बाँटकर समाचार/खबर से संबंधित चित्र बनाने एवं चित्र पर अपने विचार/समझ शब्दों एवं 1-2 वाक्यों में व्यक्त करने को कहें।
- इसके बाद बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 9 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-5 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 9 और 10 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 9

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे सामूहिक कार्य को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166, पाठ-3 **'बादल किसके काका'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप पाठ के चित्रों और शीर्षकों के आधार पर प्रश्न पूछकर पाठ की पाठ्यवस्तु का अनुमान लगवाएँ।
- आप पूरे पाठ का आदर्श वाचन करें। इस दौरान बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए आप कुछ सरल प्रश्न पूछें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- बादल कब आते हैं? बारिश के मौसम में क्या-क्या होता है?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ में आए कठिन और अमूर्त शब्दों, जैसे- शैतानी, फोड़, घड़े आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।
- इन शब्दों का उपयोग करते हुए बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर पूरे पाठ का एक बार आदर्श वाचन करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ से चयनित गतिविधि-1 15 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'बादल किसके काका' पर समृद्ध समझ एवं लेखन पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 10 और संदर्शिका 173

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 10 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** बच्चों के साथ रिश्तों पर चर्चा करें। जैसे- चाचा के बेटे को क्या कहते हैं? आदि। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट):** बच्चों के साथ उनके परिवार के सदस्यों के बारे में चर्चा करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** शब्दों से बहुत सारे वाक्य मौखिक रूप से बच्चों से बनवाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और कार्यपुस्तिका 125 पठन अभ्यास-11 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पठन अभ्यास-11 को पहले से पढ़ लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-11** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को पढ़ने के समान अवसर मिलें।

गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 14 से चयनित पाठ्यांश 'अभी......... दरवाजा' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167, पाठ-3 **'बादल किसके काका'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 2-3 सरल प्रश्न बच्चों से पूछें। आप एक बार पुनः पूरे पाठ का आदर्श वाचन करें।
- फिर आप चयनित पाठ्यांश का आदर्श वाचन करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- आप पाठ्यांश की समझ पर आधारित कुछ खुले छोर के प्रश्नों को पूछें। जैसे- सूरज ने अपने घर का दरवाजा क्यों बंद कर लिया होगा?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों और समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से चयनित पाठ्यांश को पढ़कर कक्षा के बाकी बच्चों को सुनाने को कहें। अन्य बच्चे अपनी किताब में पढ़ें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित गतिविधि-2 15 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'बादल किसके काका' पर समृद्ध समझ एवं लेखन पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 11 और संदर्शिका 173

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 11 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** बच्चों के साथ अन्य शब्दों के उदाहरणों पर चर्चा करें। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें और उन्हें मिलान करने को कहें।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट):** इन गतिविधियों पर बच्चों से प्रतिक्रिया लेकर चर्चा करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट):** बच्चों को जोड़ियों में इस प्रश्न पर बातचीत करने को कहें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और कार्यपुस्तिका 125 पठन अभ्यास-11 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-11** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को पढ़ने के समान अवसर मिलें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के सभी बच्चे शब्दों को सटीक रूप से ब्लेंड करके शब्दों की तरह (एक इकाई के रूप में) पढ़ पा रहे हैं? यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इस कौशल को निपुणता से कर पाएं।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 14 से चयनित पाठ्यांश 'उसकी माँ........ सुना माँ का?' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167, पाठ-3 **'बादल किसके काका'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित कुछ खुले एवं बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- अब आप चयनित पाठ्यांश का आदर्श वाचन करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- आप पाठ्यांश की समझ पर आधारित कुछ खुले छोर के प्रश्नों को पूछें। जैसे- आपकी माँ आपको किस काम के लिए डाँटती हैं और क्यों?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों और समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से चयनित पाठ्यांश को पढ़कर कक्षा के बाकी बच्चों को सुनाने को कहें। अन्य बच्चे अपनी किताब में पढ़ें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित गतिविधि-3 15 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'बादल किसके काका' पर आधारित कार्य का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 12 और संदर्शिका 174

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 12 पर कार्य करें।
- **गतिविधि 1 और 2 (10-15 मिनट):** बच्चों को अन्य शब्दों के उदाहरण देकर इन प्रश्नों पर चर्चा करें। कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट):** बच्चों को जोड़ियों में पढ़ने को कहें और आप आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। फिर बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप निर्देशानुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

बच्चों की सही वर्तनी बोर्ड पर लिखकर बच्चों का ध्यान दिलवाएं।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और कार्यपुस्तिका 126 पठन अभ्यास-12 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पठन अभ्यास-12 को पहले से पढ़ लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-12** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को पढ़ने के समान अवसर मिलें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वो ऊबने लगें, तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें उस शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 15 की गतिविधि-5 पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 , पाठ-3 **'बादल किसके काका'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित कुछ खुले एवं बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- फिर आप गतिविधि-5 (इसे भी पढ़ें) का दो बार आदर्श वाचन करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- आप पूरे पाठ की समझ पर आधारित (बारिश से जुड़े विशेषण काले बादल, ठंडी बूँदें आदि) पर विस्तृत चर्चा करते हुए पाठ को समेकित करें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों और समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से चयनित पाठ्यांश को पढ़कर कक्षा के बाकी बच्चों को सुनाने को कहें। अन्य बच्चे अपनी किताब में पढ़ें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित गतिविधि-4 15 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें और उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'बादल किसके काका' पर आधारित कार्य का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 13 और संदर्शिका 174

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 13 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** कुछ अन्य उदाहरणों को बोर्ड पर लिखकर इस गतिविधि की प्रक्रिया सभी बच्चों को समझाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट):** इन प्रश्नों पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें। गतिविधि-4 के अन्य उदाहरणों पर चर्चा करते हुए विलोम शब्दों पर कार्य करें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट):** बच्चों को जोड़ियों में इस प्रश्न पर बातचीत करने को कहें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और कार्यपुस्तिका 126 पठन अभ्यास-12 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-12** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को पढ़ने के समान अवसर मिलें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 6 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे।

विषयवस्तु: संदर्शिका 168 169 और सृजनात्मक गतिविधि।

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'साइकिल बनाओ काम बताओ'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 169 से देखें। गतिविधि से सम्बन्धित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर साइकिल के भागों के कार्यों को लिखने को कहें। फिर उन्हें अपने साथियों को दिखाते हुए चर्चा करने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

बच्चे यदि केवल शब्द लिख पा रहे हों तो उन्हें स्वीकार करते हुए वाक्य लिखने के लिए प्रेरित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'बादल किसके काका' पर आधारित पुनरावृत्ति कार्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 14 और संदर्शिका 174

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका पर कार्य :

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** बच्चों को जोड़ियों/स्वतंत्र रूप में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप बच्चों के साथ पठन के आधार पर सही शब्द चुनकर वाक्य पूरा करें को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** शब्दों से बहुत सारे वाक्य मौखिक रूप से बच्चों से बनवाएँ, फिर लिखने के लिए कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट):** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 3-5 शब्दों का 1 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 178, स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह रहना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

सप्ताह 6 | दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'बारिश'** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप बारिश से जुड़ा कोई अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय बारिश से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- बारिश से पहले आसमान कैसा होता है? आदि।
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभवों को बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को उपसमूहों में बाँटकर बारिश से संबंधित चित्र बनाने एवं चित्र पर अपने विचार/समझ शब्दों एवं 2-3 वाक्यों में व्यक्त करने को कहें।
- इसके बाद बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 14 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-6 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 11 और 12 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 14

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे सामूहिक कार्य को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 7 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166, पाठ-4 **'तालाब में चाँद'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप पाठ के चित्रों और शीर्षकों के आधार पर प्रश्न पूछकर पाठ की पाठ्यवस्तु का अनुमान लगवाएँ।
- आप पूरे पाठ का आदर्श वाचन करें। इस दौरान बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए आप पाठ-संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- चाँद कहाँ और कब निकलता है? क्या किसी प्रकार से चाँद को पकड़ा जा सकता है?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ में आए कठिन और अमूर्त शब्दों जैसे- सूझी, लटकते, मगरमच्छ, योजना आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।
- इन शब्दों का उपयोग करते हुए बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर पूरे पाठ का एक बार आदर्श वाचन करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ से चयनित गतिविधि-2 18 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'तालाब में चाँद' पर समृद्ध समझ एवं लेखन पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 15 और संदर्शिका 173

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 15 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट):** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि 2 और 3 (10-12 मिनट):** आप अन्य शब्दों के उदाहरणों पर चर्चा करें। फिर प्रश्नों पर बच्चों से प्रतिक्रिया लेते हुए उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट):** शब्दों से बहुत सारे वाक्य मौखिक रूप से बच्चों से बनवाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें। अंत में, बच्चों का ध्यान विराम चिह्नों पर दिलवाएं।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट):** कुछ अन्य उदाहरणों द्वारा अनुनासिक (ँ) पर बच्चों से चर्चा करें। फिर बच्चों से प्रतिक्रिया लेते हुए उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और कार्यपुस्तिका 127 पठन अभ्यास-13 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पठन अभ्यास-13 को पहले से पढ़ लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-13** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

☞ सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को पढ़ने के समान अवसर मिलें।

☞ गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए, विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह रहना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 16 से चयनित पाठ्यांश 'बंदरों ने .... नहीं आया।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167, पाठ-4 **'तालाब में चाँद'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 2-3 सरल प्रश्न बच्चों से पूछें। आप एक बार पुनः पूरे पाठ का आदर्श वाचन करें।
- फिर आप चयनित पाठ्यांश का आदर्श वाचन करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- आप पाठ्यांश की समझ पर आधारित कुछ खुले छोर के प्रश्नों को पूछें। जैसे- बंदर ने तालाब में क्या देखा? बंदर चाँद को क्यों पकड़ना चाहता था?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों और समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से चयनित पाठ्यांश को पढ़कर कक्षा के बाकी बच्चों को सुनाने को कहें। अन्य बच्चे अपनी किताब में पढ़ें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित गतिविधि 3 और 4 18 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'तालाब में चाँद' पर समृद्ध समझ एवं लेखन पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 16 और संदर्शिका 173

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 16 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** दिए गए शब्दों से बच्चों को मौखिक रूप से विभिन्न तुकांत वाले शब्द बनाने एवं लिखने के लिए कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट):** आप अन्य शब्दों के उदाहरणों पर चर्चा करें। फिर प्रश्नों पर बच्चों से प्रतिक्रिया लेते हुए उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट):** कुछ अन्य उदाहरणों द्वारा इस गतिविधि को बच्चों को समझाएँ। फिर दिए गए शब्दों पर बच्चों की प्रतिक्रिया लेते हुए उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और कार्यपुस्तिका 127 पठन अभ्यास-13 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-13** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को पढ़ने के समान अवसर मिलें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 16 17 से चयनित पाठ्यांश 'अरे कहाँ......चाँद को।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167, 'पाठ-4 **'तालाब में चाँद'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित कुछ खुले एवं बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- फिर आप चयनित पाठ्यांश का आदर्श वाचन करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- आप पाठ्यांश की समझ पर आधारित कुछ खुले छोर के प्रश्नों को पूछें। जैसे- बंदर ने क्या योजना बनाई? आपको किन-किन चीजों से डर लगता है और क्यों?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों और समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से चयनित पाठ्यांश को पढ़कर, कक्षा के बाकी बच्चों को सुनाने को कहें। अन्य बच्चे अपनी किताब में पढ़ें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित गतिविधि-5 15 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'तालाब में चाँद' पर आधारित कार्य का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 17 और संदर्शिका 174

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 17 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट)** : शब्दों से बहुत सारे वाक्य मौखिक रूप से बच्चों से बनवाएँ, फिर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट)** : इस गतिविधि पर बच्चों से बहुत सारी मौखिक चर्चा करें। फिर बच्चों की प्रतिक्रिया लेते हुए उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट)** : दिए गए शब्दों से बच्चों को मौखिक रूप से विभिन्न तुकांत वाले शब्द बनाने एवं लिखने के लिए कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट)** : बच्चों को जोड़ियों में पढ़ने को कहें और आप उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें। फिर बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट)** : दिए गए निर्देश के अनुसार कार्य करें।

'श्रुतलेख' के बाद शब्दों की सही वर्तनी बोर्ड पर लिखकर बच्चों का ध्यान दिलवाएं।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और कार्यपुस्तिका 128 पठन अभ्यास-14 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पठन अभ्यास-14 को पहले से पढ़ लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- **पठन अभ्यास-14** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को पढ़ने के समान अवसर मिलें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 7 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य
कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 17 की गतिविधि 'अचानक डाल....... मगर, अगर.....।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 , पाठ-4 **'तालाब में चाँद'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित कुछ खुले एवं बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- फिर आप चयनित पाठ्यांश का आदर्श वाचन करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- आप पूरे पाठ की समझ पर आधारित विस्तृत चर्चा करते हुए पाठ को समेकित करें। जैसे- कहानी की शुरुआत, मध्य और अंत में क्या हुआ था? इस पर बच्चों से बातचीत करें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों और समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से चयनित पाठ्यांश को पढ़कर कक्षा के बाकी बच्चों को सुनाने को कहें। अन्य बच्चे अपनी किताब में पढ़ें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- आप पाठ से चयनित गतिविधि 1 18 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें और उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'तालाब में चाँद' पर आधारित कार्य का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 18 और संदर्शिका 174

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 18 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** गतिविधि पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** एक अन्य ग्रिड उदाहरण के तौर पर बोर्ड पर बनाकर उससे शब्दों को खोजने की प्रक्रिया बच्चों के साथ करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** इस पर आप अन्य उदाहरणों के साथ बच्चों से चर्चा करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** दिए गए निर्देश के अनुसार कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 178 और कार्यपुस्तिका 128 पठन अभ्यास-14 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- **पठन अभ्यास-14** पर कार्य सप्ताह-1 दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को पढ़ने के समान अवसर मिलें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वो ऊबने लगें, तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें उस शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

सप्ताह 7 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य
कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं विस्तृत चर्चा

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और मौखिक कहानी

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 166 में दिए गए कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें। आप पहले के सप्ताहों में पढ़ाई/सुनाई गई कहानियों का उपयोग भी कर सकते हैं।
- आप कहानियों के कुछ उदाहरण संदर्शिका 180 से 186 पर देख सकते हैं।

कहानी पर बच्चों के साथ समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)
- आप बच्चों को सुनी/पढ़ी गई कहानी को आगे बढ़ाने को कहें और उन्हें अलग-अलग उदाहरण दें कि कहानी किस-किस प्रकार से आगे बढ़ाई जा सकती है। जैसे- कहानी में नए पात्र जोड़ना। कहानी का घटनाक्रम बदलना। आज घर जाते हुए रास्ते में अचानक एक .... ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)
- बच्चों को 4-5 की जोड़ियों में बाँटकर कहानी सुनाने को कहें। फिर कुछ जोड़ियों को अपनी कहानी बाकी बच्चों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों में कहानी पर अपने विचार/समझ शब्दों एवं वाक्यों में व्यक्त करने को कहें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा से साझा करने को कहें।

बच्चों की सही वाक्य संरचना में सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'तालाब में चाँद' पर आधारित पुनरावृत्ति कार्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 19 और संदर्शिका 174

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका पर कार्य :
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** बच्चों को जोड़ियों/स्वतंत्र रूप में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** शब्दों से बहुत सारे वाक्य मौखिक रूप से बच्चों से बनवाएँ, फिर लिखने के लिए कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** एक अन्य ग्रिड उदाहरण के तौर पर बोर्ड पर बनाकर उससे शब्दों को खोजने की प्रक्रिया बच्चों के साथ करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 3-5 शब्दों का 1 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ। वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें। बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य
कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 178, स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)
- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 7 दिवस 6

पंखुड़ी एवं मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'पालतू जानवर'** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप 'पालतू जानवर' से जुड़ा कोई अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय 'पालतू जानवर' से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे किन-किन जानवरों को पाला जाता है और क्यों?
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभवों को बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को उपसमूहों में बाँटकर, किसी पालतू जानवर का चित्र बनाने एवं चित्र पर अपने विचार/समझ शब्दों एवं 2-3 वाक्यों में व्यक्त करने को कहें।
- इसके बाद बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य के बारे में बच्चों से जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 19 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-7 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 13 और 14 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 19

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे सामूहिक कार्य को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 8 | दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य
कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166, पाठ-5 **'साहसी सीमा'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- बाढ़ आने पर क्या होता है? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)
- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों जैसे- ढाँढस, बचाव कार्य, सुरक्षित आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ की गतिविधि-1 21 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'साहसी सीमा' पर समृद्ध पठन एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 20 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 20 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट):** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** इन पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें एवं चर्चा करें। जैसे- बादल में पानी कहाँ से आता है? फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों से बच्चों को मौखिक रूप से विभिन्न तुकांत शब्द बनाने एवं लिखने के लिए कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** अन्य उदाहरणों के द्वारा चर्चा करते हुए एकवचन में बदलाव की प्रक्रिया को समझाएँ। गतिविधि के शब्दों पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों से बहुत सारे वाक्य मौखिक रूप से बच्चों से बनवाएँ, फिर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-6 (5 मिनट) :** दिए गए निर्देश के अनुसार कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 129 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- बच्चों को एक-एक करके बुलाएँ और व्यक्तिगत रूप से प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र.1 को पढ़ने को कहें। कक्षा की संख्या के अनुसार लगभग 25% बच्चों के साथ अवलोकन की प्रक्रिया करें।
- बच्चों ने एक मिनट में कुल कितने शब्द पढ़े, उसे पत्रक में अंकित कर लें।
- अंत में, आप कक्षा के बच्चों के साथ प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- हाथी केक कहाँ से लेकर आया होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

☞ आकलन ट्रैकर के आधार पर बनाए गए समूहों/स्तरों को ध्यान में रखते हुए रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

सप्ताह 8 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 19 से चयनित पाठ्यांश 'रात का समय था......पानी कमर तक आ गया।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-5 **'साहसी सीमा'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- बाढ़ का पानी कहाँ से आता है?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 6 और 7** 21 22 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'साहसी सीमा' पर समृद्ध पठन एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 21 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 21 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप अपने परिवार के कुछ सदस्यों के नाम एवं उनसे आपके रिश्तों के नाम का उदाहरण देकर समझाएँ। बच्चों से बहुत सारी प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** एक अन्य ग्रिड उदाहरण के तौर पर बोर्ड पर बनाकर उससे शब्दों को खोजने की प्रक्रिया बच्चों के साथ करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** इन पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें एवं चर्चा करें। जैसे- बादल में पानी कहाँ से आता है? फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 129 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- बच्चों को एक-एक करके बुलाएँ और व्यक्तिगत रूप से प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 2 को पढ़ने को कहें। कक्षा की संख्या के अनुसार लगभग 25% बच्चों के साथ अवलोकन की प्रक्रिया करें।
- बच्चों ने एक मिनट में कुल कितने शब्द पढ़े, उसे पत्रक में अंकित कर लें।
- अंत में, आप कक्षा के बच्चों के साथ प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- रीमा ने बाजार से कौन-कौन सी मिठाइयां खरीदी होंगी?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 19 20 से चयनित पाठ्यांश 'सीमा बरामदे......ध्यान किसे आता!' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-5 **'साहसी सीमा'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- अगर सीमा भाई को ढाँढस ना बँधाती तो क्या होता?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 2** 21 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'साहसी सीमा' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 22 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 22 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुनः एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 129 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- बच्चों को एक-एक करके बुलाएँ और व्यक्तिगत रूप से प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 3 को पढ़ने को कहें। कक्षा की संख्या के अनुसार लगभग 25% बच्चों के साथ अवलोकन की प्रक्रिया करें।
- बच्चों ने एक मिनट में कुल कितने शब्द पढ़े, उसे पत्रक में अंकित कर लें।
- अंत में, आप कक्षा के बच्चों के साथ प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- मैना ने चूजे से क्यों कहा कि पहले तुम बड़े हो जाओ, तब तुम्हें घुमाने ले जाऊँगी?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 8 | दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 20 से चयनित पाठ्यांश 'सुबह हुई.....खुश हुए।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-5 **'साहसी सीमा'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पूरे पाठ को समेकित करते हुए पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें।9 जैसे- सीमा और उसके भाई को छत पर बैठे हुए क्या-क्या दिखा होगा?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 5 और 10** 22 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें। उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'साहसी सीमा' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 23 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 23 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5-7 मिनट) :

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट) :

- बच्चों को जोड़ियों में पिछले दिन के स्तरित पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- **गतिविधि 1, 2 और 3 (7-10 मिनट) :** इन पर बच्चों से प्रतिक्रिया लेते हुए पूर्व की तरह कार्य करें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए बच्चों से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 129 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 4 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- बच्चों को एक-एक करके बुलाएँ और व्यक्तिगत रूप से प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 4 को पढ़ने को कहें। कक्षा की संख्या के अनुसार लगभग 25% बच्चों के साथ अवलोकन की प्रक्रिया करें।
- बच्चों ने एक मिनट में कुल कितने शब्द पढ़े, उसे पत्रक में अंकित कर लें।
- अंत में, आप कक्षा के बच्चों के साथ प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-15 क्र. 4 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- मोना ताजे फल ही क्यों खरीदना चाहती थी?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे।

विषयवस्तु: संदर्शिका 168 169 और सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'कक्षा का मानचित्र'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 169 से देखें। गतिविधि से सम्बन्धित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर पंखे के बारे में लिखने को कहें। फिर उन्हें अपने साथियों को दिखाते हुए चर्चा करने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

☞ बच्चे यदि केवल शब्द लिख पा रहे हों तो उन्हें स्वीकार करते हुए वाक्य लिखने को प्रेरित करें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'साहसी सीमा' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 24 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि 2 और 3 (5-7 मिनट)** : बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक / कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट)** : बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 4-6 शब्दों का 1 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय / रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

☞ गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएं, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'किसी आपदा (कोरोना काल)' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **आपदा** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप अपना **आपदा** से जुड़ा अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय, आपदा से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- कोरोना के दौरान किन-किन परेशानियों का सामना करना पड़ा था?
- एक-एक कर सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को उपसमूहों में बाँटकर, किसी एक आपदा से संबंधित चित्र बनाने को कहें एवं चित्र पर अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों (5-6) में व्यक्त करने को कहें।
- इसके बाद बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 24 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-8 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 15 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 24

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 9 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और पाठ-6 **'सबसे पहले'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- डैने फड़काकर कौन उड़ता है? आपने बादल कितने रंग के देखे हैं ?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों जैसे- डैने, फड़काकर, चुनूँगा, सुनहले आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ की गतिविधि-1 26 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'सबसे पहले' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 25 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 25 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि 2 और 3 (10-15 मिनट) :** गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए बच्चों से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में इस गतिविधि पर बातचीत करने को कहें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 130 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- भालू के भाई की शादी में और कौन-कौन आया होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ गतिविधि में कम प्रतिभाग कर रहे बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएं, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 25 से चयनित पाठ्यांश 'आज...... सबसे पहले।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-6 **'सबसे पहले'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आप सुबह-सुबह उठकर अपने घर में क्या-क्या देखते हैं?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 2 और 3** 26 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'सबसे पहले' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 26 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 26 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (10-15 मिनट) :** इस गतिविधि को कुछ अन्य उदाहरणों द्वारा बच्चों को समझाएँ। प्रश्नवाचक वाक्यों की संरचना पर बच्चों का ध्यान दिलाएं एवं चर्चा करें। कुछ प्रतिक्रिया लें, फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** बच्चों की प्रतिक्रिया लेते हुए पूर्व की तरह इन गतिविधियों पर कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 130 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आपको किस रंग के कपड़े पहनने पसंद हैं? और आपके कपड़े कौन सिलता है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

गतिविधि में कम प्रतिभाग कर रहे बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 9 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 25 से चयनित पाठ्यांश 'सबसे पहले......सबसे पहले।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-6 **'सबसे पहले'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आप किस-किस रंग के बादल देखना चाहते हो और क्यों?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- आप पाठ की **गतिविधि 4 और 5** 26 27 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'सबसे पहले' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 27 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 27 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :
- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :
- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुनः एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :
- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

खुले छोर के प्रश्नों के उत्तर बच्चों को अपनी समझ/इच्छा से लिखने दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 130 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- मोटा घोड़ा पीछे क्यों चल रहा था?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वो ऊबने लगें, तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें उस शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 25 से चयनित पाठ्यांश 'सबसे कहता......सबसे पहले।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-6 **'सबसे पहले'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पहले से पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पूरे पाठ को समेकित करते हुए पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- स्कूल आकर आप अपने साथियों से क्या बातचीत करना पसंद करोगे?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 6 और 9** 26 27 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'सबसे पहले' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 28 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 28 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट) :

- बच्चों को जोड़ियों में पिछले दिन के स्तरित पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** इन पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, उन्हें पढ़ने को कहें। बच्चों की प्रतिक्रिया लेते हुए पूर्व की तरह कार्य करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए बच्चों से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप निर्देशानुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 130 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 4 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 4 पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-16 क्र. 4 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आप होली में कौन-कौन से रंग लगाते हो?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 9 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं विस्तृत चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 , कहानी की शुरुआत, मध्य और अंत पर चर्चा।

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें। आप पहले के सप्ताहों में पढ़ाई/सुनाई गई कहानियों का उपयोग भी कर सकते हैं।

कहानी पर बच्चों के साथ समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों की कहानी के शुरुआत, मध्य और अंत के बिंदुओं को पहचानने और समझने में सहायता करें। इसके लिए पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 11 से उदाहरण देकर बच्चों को समझाएँ। जैसे- इस कहनी की शुरुआत में पशु-पक्षियों के बीच हुए समझौते के बारे में बताते हुए लोमड़ी द्वारा मुर्गे को पेड़ से उतारने के लिए मनाया जा रहा है और कहानी के मध्य में मुर्गा उसे अलग-अलग तर्क देकर मना कर रहा है। कहानी के अंत में लोमड़ी डर से भागती हुई दिखती है।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, किसी सुनी/पढ़ी गई कहानी की शुरुआत, मध्य और अंत के बारे में आपस में चर्चा करने को कहें। फिर कुछ जोड़ियों को अपनी चर्चा बाकी बच्चों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों में व्यक्त करते हुए लिखने को कहें। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'सबसे पहले' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 29 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 4-6 शब्दों का 1 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ। वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें। बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

☞ गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

सप्ताह 9 दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'सुबह सवेरे' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **सुबह सवेरे** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप सुबह से जुड़ा कोई अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय सुबह के कार्यों से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- सुबह आप क्या-क्या करते हो?
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को उपसमूहों में बाँटकर, सुबह से संबंधित चित्र बनाने को कहें एवं चित्र पर अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों (5-6) में व्यक्त करने को कहें।
- इसके बाद बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 29 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-9 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 16 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 29

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और पाठ-7 **'इसमें क्या शक है'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- तोते में क्या खूबी थी ? तोता एक ही वाक्य क्यों बोलता था ?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों जैसे- होशियार, महाराज, प्रेम, प्रजा आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ की गतिविधि-1 30 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 'इसमें क्या शक है' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 30 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 30 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि को कुछ अन्य उदाहरणों द्वारा बच्चों को समझाएँ। प्रश्नवाचक वाक्यों की संरचना पर बच्चों का ध्यान दिलाएं एवं चर्चा करें। कुछ प्रतिक्रिया लें, फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए बच्चों से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप निर्देशानुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 131 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- रमन अपने कुत्ते के साथ क्या-क्या खेलता होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ प्रयास करें कि आज की गतिविधि में प्रतिभाग कर रहे सभी बच्चों को एक मिनट का समय मिले।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

सप्ताह 10 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 28 से चयनित पाठ्यांश 'राजा के..... में ले आया।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-7 **'इसमें क्या शक है'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- अगर आपको बातूनी तोता मिले तो आप उससे क्या-क्या बात करेंगे?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से **गतिविधि 3** 30 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 'इसमें क्या शक है' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 31 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 31 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इस गतिविधि पर प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए बच्चों से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 4 और 5 (5-7 मिनट) :** इन पर बच्चों से प्रतिक्रिया लेते हुए पूर्व की तरह कार्य करें।
- **गतिविधि-6 (5 मिनट) :** आप निर्देशानुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

☞ गतिविधियों से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 131 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आपके आस-पास कौन-कौन से पेड़ हैं?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ गतिविधि की शुरुआत करने से पहले सभी बच्चों को स्पष्ट निर्देश दें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

सप्ताह 10 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 28 29 से चयनित पाठ्यांश 'एक दिन.......शक है?' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-7 **'इसमें क्या शक है'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- अगर आपको तोते को कोई एक शब्द सिखाना हो तो वो कौन-सा शब्द होगा और क्यों?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 2** 30 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 'इसमें क्या शक है' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 32 33 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 32 33 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुनः एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक प्रश्नों पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।
- इसके साथ ही, 'मिलाकर वाक्य पूरा करें' की गतिविधि बच्चों के साथ करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 131 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- बरसात होने पर आपके आस-पास क्या-क्या बदलाव दिखता है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

कक्षा के बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 10 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य
कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 [29] से चयनित पाठ्यांश 'राजाः उसका नाम....... क्या शक है?' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तुः संदर्शिका [167] और पाठ-7 **'इसमें क्या शक है'**

तैयारीः चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के [167] पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पूरे पाठ को समेकित करते हुए पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आपको क्या लगता है कि तोते को 'इसमें क्या शक है?' किसने रटवाया होगा और क्यों?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के [167] पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- आप पाठ की **गतिविधि 4 और 5** [30] पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 'इसमें क्या शक है' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तुः कार्यपुस्तिका [34] और संदर्शिका [174]

तैयारीः कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका [34] पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :
- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 2-3 सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट) :
- बच्चों को जोड़ियों में पिछले दिन के स्तरित पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- **गतिविधि 1 और 2 (7-10 मिनट)** : इन पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, उन्हें पढ़ने को कहें। बच्चों की प्रतिक्रिया लेते हुए पूर्व की तरह कार्य करें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट)** : गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए जैसे- ऊँट सवारी के काम आता है। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट)** : गतिविधि से संबंधित कुछ उदाहरण देते हुए बच्चों से मौखिक रूप से बहुत सारी चर्चा करें एवं उनकी प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तुः संदर्शिका [175] [176] [179] और कार्यपुस्तिका [131] प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारीः प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 4 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 4 पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-17 क्र. 4 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आपको कौन-कौन सी सब्जियां खानी पसंद हैं और उनको कौन बनाता है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण / अक्षर / शब्द / वाक्यांश / वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षाः बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 10 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे।

विषयवस्तु: संदर्शिका 168 169 और सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'किताब से शब्द छाँटो'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 169 से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, इस गतिविधि में छाँटे गए क्रिया शब्दों को कॉपी में लिखने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा लिखे गए शब्दों को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 'इसमें क्या शक है' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 35 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ पर आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक / कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 4-6 शब्दों का 1 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय / रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएं, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

सप्ताह 10 दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'विभिन्न पक्षियों की आवाज' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **पक्षियों** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप पक्षियों की आवाज से जुड़ा अपना कोई अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय, पक्षियों की आवाज से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- आपने कौन-कौन से पक्षी देखे हैं? कौन-सा पक्षी आपको पसंद है? आदि।
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभवों को बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को उपसमूहों में बाँटकर, उन्हें किस-किस पक्षी की आवाज पसंद है, इसकी सूची बनाने को कहें। अब कुछ बच्चों को अपनी पसंद/अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों (5-6) में व्यक्त करने को कहें।
- कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन — कालांश 2 — 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 35 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-10 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 17 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन — कालांश 3 — 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 35

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 11 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और पाठ-8 **'अगर पेड़ भी चलते होते'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- कुछ फलदार पेड़ों के नाम बताओ? पेड़ों के अलावा किसे चलते देखना चाहते हो और क्यों?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों जैसे- मजे, सताती, मधुर, कीचड़ आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ से चयनित गतिविधि-1 33 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'अगर पेड़ भी चलते होते' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 36 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 36 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों को मौखिक रूप से इस कहानी को पूरा करके बताएँ। कुछ बच्चों को अपने द्वारा बनाई गई मौखिक कहानी सुनाने को कहें। कहानी से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। अब बच्चों को स्वतंत्र रूप से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** बच्चों से इस गतिविधि पर प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए बच्चों से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप निर्देशानुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 132 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- बिल्ली और चूहा, कुत्ते से डरकर कहाँ भागे होंगे?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

गतिविधि में कम प्रतिभाग कर रहे बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वो ऊबने लगें, तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें उस शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

सप्ताह 11 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 32 से चयनित पाठ्यांश 'अगर......छिप जाते।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 , पाठ-8 **'अगर पेड़ भी चलते होते'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- अगर आपको रस्सी से बांधकर कोई कहीं ले जाए तो आपको कैसा लगेगा और क्यों?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 5** 33 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'अगर पेड़ भी चलते होते' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 37 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 37 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों की सहायता से बच्चों को एक मौखिक कहानी सुनाएँ। कुछ बच्चों को भी इन शब्दों का उपयोग करके नई कहानी बनाने को कहें। अब बच्चों को स्वतंत्र रूप से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** इन गतिविधियों पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें एवं उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट):** आप पूर्व की तरह इस गतिविधि पर कार्य करें।

बच्चों का ध्यान वाक्य संरचना एवं विराम चिह्नों पर दिलवाएं।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 132 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आप रात में आसमान में क्या-क्या देख पाते हैं?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

सप्ताह 11 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 [32] से चयनित पाठ्यांश 'भूख सताती...... चढ़ जाते।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका [167], पाठ-8 **'अगर पेड़ भी चलते होते'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के [167] पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- अगर आपको भूख लगे, तो आप क्या-क्या करोगे?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के [167] पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 4** [33] पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'अगर पेड़ भी चलते होते' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका [38] [39] और संदर्शिका [174]

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका [38] [39] पर कार्य करें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुनः एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक गतिविधि पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए गतिविधियों के उत्तर लिखने को कहें।

☞ खुले छोर के प्रश्नों के उत्तर बच्चों को अपनी समझ/इच्छा से देने दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका [175] [176] [179] और कार्यपुस्तिका [132] प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आप बारिश से बचने के लिए क्या-क्या करते हैं?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 32 की कविता 'अगर पेड़......चढ़ जाते।।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167, पाठ-8 **'अगर पेड़ भी चलते होते'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए बच्चों से खुले एवं बंद छोर के प्रश्न पूछें। फिर आप कविता का आदर्श वाचन करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- अंत में, पाठ की समझ आधारित चर्चा समेकित करते हुए कुछ अन्य प्रश्न पूछें। जैसे- इस कविता का और क्या नाम हो सकता है? पेड़ अगर चलने लगें तो आप उनसे क्या-क्या कराओगे?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर कविता को पढ़ने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से कविता को पढ़कर बाकी बच्चों को सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित **गतिविधि 2 और 3** 30 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'अगर पेड़ भी चलते होते' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 40 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 40 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट) :

- बच्चों को जोड़ियों में पिछले दिन के स्तरित पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- **गतिविधि 1 और 2 (7-10 मिनट)** : इन पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, उन्हें पढ़ने को कहें। बच्चों की प्रतिक्रिया लेते हुए पूर्व की तरह कार्य करें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट)** : गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए जैसे- आपको कौन-कौन सी सब्जियां खानी पसंद है? आदि पर मौखिक रूप से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट)** : बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर गतिविधि से संबंधित उदाहरणों पर चर्चा करें। उनकी प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 132 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 4 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 4 पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-18 क्र. 4 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आप केक या मिठाइयां कब-कब खाते हो?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 11 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य
कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं विस्तृत चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166, कहानी की शुरुआत, मध्य और अंत पर चर्चा।

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें। आप पहले के सप्ताहों में पढ़ाई/सुनाई गई कहानियों का उपयोग भी कर सकते हैं।
- आप कहानियों के कुछ उदाहरण संदर्शिका 180 से 186 पर देख सकते हैं।

कहानी पर बच्चों के साथ समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को कहानी की शुरुआत, मध्य और अंत के बिंदुओं को पहचानने और समझने में सहायता करें। इसके लिए पाठ्यपुस्तक के किसी पाठ का उदाहरण देकर बच्चों को समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, किसी सुनी/पढ़ी गई कहानी की शुरुआत, मध्य और अंत के बारे में आपस में चर्चा करने को कहें। फिर कुछ जोड़ियों को अपनी चर्चा बाकी बच्चों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में अपने विचार/समझ वाक्यों में व्यक्त करते हुए लिखने को कहें। फिर कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'अगर पेड़ भी चलते होते' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 41 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 4-6 शब्दों का 1 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य
कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179, स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 11 दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'चलने' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **चलने के बारे में** बात करेंगे। इसके बाद आप आस-पास की चलने वाली वस्तुओं से जुड़ा अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय, अपने आस-पास चलने वाली वस्तुओं से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- आपने अपने आस-पास क्या-क्या चलते हुए देखा है?
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, आस-पास चलने वाली वस्तुओं की सूची बनाने को कहें एवं उसके बारे में आपस में चर्चा करने को कहें।
- कुछ जोड़ियों को अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों (5-6) में व्यक्त करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 41 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-11 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 18 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 41

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 12 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 , पाठ-9 **'वाराणसी की यात्रा'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- गर्मी की छुट्टियों में आप क्या-क्या करते हैं? क्या आप कभी वाराणसी गए हो? अगर हाँ तो वहाँ आपने क्या-क्या देखा था?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों जैसे- विश्वप्रसिद्ध, विश्वविद्यालय, संग्रहालय आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ की गतिविधि-2 36 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 'वाराणसी की यात्रा' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 42 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 42 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों से चर्चा करें। बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि की प्रक्रिया पर कुछ अन्य उदाहरणों द्वारा बच्चों से चर्चा करें। बच्चों से प्रतिक्रिया लेकर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** इस गतिविधि पर पूर्व की तरह कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 133 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- तोता हरे पत्तों के बीच में क्यों छिप जाता होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

प्रयास करें कि आज की गतिविधि में प्रतिभाग कर रहे सभी बच्चों को एक मिनट का समय मिले।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएं, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 34 से चयनित पाठ्यांश 'गर्मियों की ....पूछते रहे।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास

विषयवस्तु: संदर्शिका 167, पाठ-9 'वाराणसी की यात्रा'

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आप अपनी बुआ के घर कैसे जाते हो?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 1** 36 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 'वाराणसी की यात्रा' पर पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 43 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 43 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट)** : शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट)** : आप बच्चों को मौखिक रूप से इस कहानी को पूरा करके बताएँ। कुछ बच्चों को अपने द्वारा बनाई गई मौखिक कहानी सुनाने को कहें। कहानी से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। अब बच्चों को स्वतंत्र रूप से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि 3 और 4 (10-12 मिनट)** : बच्चों से इस गतिविधि पर प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट)** : गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए बच्चों से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 133 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- सोहन के सारे पैसे क्यों खर्च हो गए होंगे और कहाँ?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

गतिविधि की शुरुआत करने से पहले सभी बच्चों को स्पष्ट निर्देश दें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 12 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 34 35 से चयनित पाठ्यांश 'बुआ ने हमें...... दीदी बोलीं।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167, पाठ-9 **'वाराणसी की यात्रा'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आपने शहनाई के अलावा क्या-क्या बजते सुना है?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 3** 36 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 'वाराणसी की यात्रा' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 44 45 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 44 45 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुनः एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक गतिविधि पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए गतिविधियों के उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 133 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आपके स्कूल में खाने में और क्या-क्या बनता है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

कक्षा के बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 35 से चयनित पाठ्यांश 'इसके बाद.....संकटमोचन मंदिर भी गए।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 , पाठ-9 **'वाराणसी की यात्रा'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पूरे पाठ को समेकित करते हुए पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- मंदिर के अलावा आपने कहाँ-कहाँ सीढ़ियां देखी हैं?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 4** 36 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 'वाराणसी की यात्रा' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 46 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 46 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट) :

- बच्चों को जोड़ियों में पिछले दिन के स्तरित पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- **गतिविधि 1 और 2 (7-10 मिनट)** : इन पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, उन्हें पढ़ने को कहें। बच्चों की प्रतिक्रिया लेते हुए पूर्व की तरह कार्य करें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट)** : गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए (जैसे- समझदार) पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट)** : गतिविधि से संबंधित कुछ उदाहरण देते हुए बच्चों से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 133 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 4 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 4 पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-19 क्र. 4 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- बंदर हमेशा अपनी कक्षा में पीछे क्यों बैठता होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे।

विषयवस्तु: संदर्शिका 168 169 और सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'सूची बनाओ'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 169 से देखें। गतिविधि से सम्बन्धित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, इस गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 'वाराणसी की यात्रा' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 47 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 4-6 शब्दों का 1 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'यात्रा' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **यात्रा** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप किसी यात्रा से जुड़ा अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय यात्रा से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- आपने कहाँ-कहाँ की यात्रा की है? यात्रा का अनुभव कैसा था? आदि।
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, उनकी पसंदीदा यात्रा के बारे में चर्चा करने को कहें। कुछ जोड़ियों को अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों (5-6) में व्यक्त करने को कहें।
- बच्चे अगर बोलने में झिझक रहे हों तो उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 47 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-12 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 19 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकल

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 47

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 13

सावधिक पुनरावृत्ति

व्यवस्थित कक्षा-कक्षीय शिक्षण प्रक्रिया में सिखाई गई दक्षताओं की सतत पुनरावृत्ति करते रहना एक आवश्यक रणनीति है। सतत पुनरावृत्ति से बच्चों में भाषा की अलग-अलग दक्षताओं की समझ और मजबूत होती है, साथ ही जो बच्चे इस शिक्षण प्रक्रिया में पीछे छूट रहे होते हैं, उन्हें भी कक्षा स्तर तक पहुँचने में मदद मिलती है। इसको ध्यान में रखते हुए, भाषा शिक्षण में दो तरह की पुनरावृत्ति पर कार्य किए जाने की रणनीति दी गई है।

1. **साप्ताहिक पुनरावृत्ति :** हर सप्ताह के दिवस 5 में शुरूआती चार दिन में सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।
2. **सावधिक पुनरावृति :** सप्ताह 13 में सप्ताह 1-12 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर और सप्ताह 20 में सप्ताह 1-19 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।

इस वर्ष सावधिक आकलन शिक्षा विभाग द्वारा NAT के माध्यम से कराए जाने की योजना है। वर्ष में न्यूनतम 2 बार NAT सप्ताह 12 तथा सप्ताह 19 में होना प्रस्तावित है। संभव है कि NAT अपने प्रस्तावित समय आगे या पीछे आयोजित किया जाए। इस प्रकार सप्ताह-13 की सावधिक पुनरावृत्ति में निम्न रणनीतियों का उपयोग किया जाएगा-

- NAT अथवा सप्ताह 12 दिवस 6 के आकलन 'मैंने सीख लिया' में बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर उन्हें 2 समूहों में बाँटकर पुनरावृत्ति/पुनर्बलन पर कुछ दिनों तक कार्य कराएँ।
- समूह-A में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं।
- समूह-B में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं।
- जिन बच्चों ने समझ के पढ़ने के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं, उनको आप व्यक्तिगत सहायता दें और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। अगर बच्चों के डिकोडिंग कौशल पर कार्य करने की आवश्यकता होती है, तो बेझिझक करें। जो बच्चे समझ के पढ़ने के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें स्वतंत्र रूप से कार्य दें और बीच-बीच में उनके द्वारा किए गए कार्य का अवलोकन भी करें।
- जो बच्चे मौखिक भाषा विकास से संबंधित प्रश्नों में कम अंक लाते हैं, उन्हें दैनिक शिक्षण प्रक्रिया में अधिक से अधिक प्रतिभाग लेने के मौके दें और उनका नियमित रूप से प्रोत्साहन करते रहें।

समूह-A के साथ सावधिक पुनरावृत्ति कार्ययोजना बनाने के लिए आप इस संदर्शिका के अंतिम पृष्ठों में दिए गए **'दैनिक रिमीडियल कार्य योजना'** का संदर्भ ले सकते हैं।

सावधिक पुनरावृत्ति पर कार्य कराने के लिए आपको कार्यपुस्तिका में 5 पत्रक उदाहरण स्वरूप दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त पत्रकों/गतिविधियों/प्रश्नों का निर्माण एवं क्रियान्वयन की योजना आपको स्वयं तैयार करनी है और उसके आधार पर बोर्ड और बच्चों की नोटबुक पर कार्य कराना है।

समूह-A अथवा समूह-B के लिए आपको दो अलग-अलग प्रकार के कार्य करने होंगे -

प्रकार 1 (समूह-**A के लिए) -** इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 12 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं। इनके पत्रकों/गतिविधियों में मुख्य रूप से वर्ण अक्षर स्तर के कार्य और शब्द स्तर के कार्य आधारित पत्रक होंगे। इसके अतिरिक्त सप्ताह-13 में दिए गए कार्यपुस्तिका के पत्रक पर कार्य करवाएँ।

प्रकार 2 (समूह-B के लिए) - इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 12 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इन बच्चों को बीते सप्ताह के स्तरित पाठ, कार्यपुस्तिका भाग-2 से पठन अभ्यास पत्रक तथा पुस्तकालय की पुस्तकों से पठन अभ्यास कार्य करवाएँ। इसके अतिरिक्त सप्ताह-13 में दिए गए कार्यपुस्तिका के पत्रक पर कार्य करवाएँ।

सावधिक पुनरावृत्ति पत्रकों/गतिविधियों पर प्रतिदिन प्रत्येक बच्चे के साथ कराया जाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि सभी बच्चे सीखी गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति बेहतर तरीके से कर सकें।

सप्ताह 14 दिवस 1

पंखुड़ी एवं मौखिक भाषा विकास पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना

विषयवस्तु: संदर्शिका 166, पाठ-10 'बन्दर बाँट'

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (10-12 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- क्या आपका अपने दोस्त से कभी किसी बात पर झगड़ा हुआ है और क्यों?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों जैसे- पक्ष, गवाह, फैसला, धरम काँटा आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ से चयनित गतिविधि-1 41 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'बन्दर बाँट' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 53 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 53 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि की प्रक्रिया पर बच्चों से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें। कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** इन गतिविधियों पर बच्चों से चर्चा करें। बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** इस गतिविधि पर पूर्व की तरह कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 134 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- माँ ने ताला कैसे खोला होगा? आपके घर में ताला कौन खोलता है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वो ऊबने लगें, तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें उस शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पंखुड़ी एवं मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 37 38 से चयनित पाठ्यांश 'बिल्ली बहन ....नहीं दूँगी।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 , पाठ-10 **'बन्दर बाँट'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- बिल्ली रोटी के अलावा और क्या-क्या खाती है?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित **गतिविधि 3** 41 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'बन्दर बाँट' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 54 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 54 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि पर पूर्व की तरह बच्चों के साथ कार्य करें। उन्हें वाक्यों में सही जगह विराम चिह्न लगाने को कहें।
- **गतिविधि-3 (10-12 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों के साथ प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करें। जैसे- और कौन-कौन से जानवर दूध पीते हैं? बच्चों की प्रतिक्रिया लेते हुए फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 134 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- तोते की रोटी नीचे क्यों गिर गई होगी?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

पंखुड़ी एवं मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 38 39 से चयनित पाठ्यांश 'तुम दोनों..........काँटा भी हैं।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 , पाठ-10 **'बन्दर बाँट'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- अगर आपका किसी से झगड़ा होता है, तो उसे कौन सुलझाता है और क्यों?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित **गतिविधि 4** 41 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'बन्दर बाँट' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 55 56 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 55 56 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुन: एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक गतिविधि पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए गतिविधियों के उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 134 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आपने किस-किस रंग की घड़ियां देखी हैं?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पंखुड़ी एवं मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 39 40 से 'बन्दर बाँट' पाठ्यांश 'यह टुकड़ा....... मिलजुल कर करेंगे।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास

विषयवस्तु: संदर्शिका 167, पाठ-10 **'बन्दर बाँट'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पूरे पाठ को समेकित करते हुए पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- तराजू में कौन-सा सामान भारी है और कौन-सा हल्का? यह आप कैसे पता करोगे?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- आप पाठ से चयनित **गतिविधि 5** 41 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'बन्दर बाँट' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित, पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 57 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 57 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :
- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट) :
- बच्चों को जोड़ियों में पिछले दिन के स्तरित पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** इस गतिविधि पर पूर्व की तरह कार्य करें।
- **गतिविधि 2 और 3 (7-10 मिनट) :** इन गतिविधियों पर बच्चों से चर्चा करें। बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** इस गतिविधि पर पूर्व की तरह कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 134 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 4 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 4 पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-20 क्र. 4 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- गर्मी में आप शरबत के अलावा और क्या-क्या खाते-पीते हो?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएं, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

सप्ताह 14 दिवस 5

पंखुड़ी एवं मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं विस्तृत चर्चा करना

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और कहानी के पात्र बदलना

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें। आप पहले के सप्ताहों में पढ़ाई/सुनाई गई कहानियों का उपयोग भी कर सकते हैं।
- आप कहानियों के कुछ उदाहरण संदर्शिका 180 से 186 पर देख सकते हैं।

कहानी पर बच्चों के साथ समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को कहानी के पात्र को बदलकर कहानी सुनाएँ। उदाहरण के तौर पर, पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 16 की कहानी लें। अगर मगरमच्छ की जगह हाथी होता तो बंदर क्या करता?

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को समूहों में बाँटकर, उनके द्वारा बदले गए पात्र वाली कहानी पर चर्चा करने को कहें। फिर कुछ बच्चों को उनके द्वारा बनाई गई कहानी बाकी बच्चों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में अपने विचार/समझ वाक्यों में व्यक्त करते हुए लिखने को कहें। फिर कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'बन्दर बाँट' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 58 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ पर आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 4-6 शब्दों के 2 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179, स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

☞ गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

पंखुड़ी एवं मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'बन्दर बाँट/झगड़ा' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **झगड़ा/बंदरबाँट** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप अपने किसी झगड़े/बंदरबाँट से जुड़ा अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय झगड़े/बंदरबाँट से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- आपका लोगों से किस बात पर झगड़ा होता है? आप झगड़ा सुलझाने के लिए क्या करते हैं?
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभवों को बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, किसी झगड़े को सुलझाने की क्या-क्या योजनाएँ हो सकती है, इसके विषय में चर्चा करने को कहें। कुछ जोड़ियों को अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों (5-6) में व्यक्त करने को कहें।
- बच्चे अगर बोलने में झिझक रहे हों तो उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 58 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-14 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 20 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 58

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 15 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और पाठ-11 **'पहेलियां'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- क्या आपने कोई पहेली पहले सुनी है? अगर हाँ, तो कोई एक पहेली सुनाओ और कक्षा के बाकी बच्चों से उसका उत्तर पूछें ?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों, जैसे- दर्जी, जंजीर, पगडंडी आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में कुछ सरल पहेलियां मौखिक रूप से बनाने को कहें। फिर उनके उत्तर के चित्र बनाकर आपस में चर्चा करें। आप पाठ आधारित गतिविधि-5 पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उसका चित्र बनाने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 'पहेलियां' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 59 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 59 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट)** : शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट)** : इस गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट)** : एक अन्य ग्रिड उदाहरण के तौर पर बोर्ड पर बनाएँ। अब ग्रिड से शब्दों को खोजने की प्रक्रिया बच्चों के साथ करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट)** : दिए गए शब्दों की सहायता से बच्चों को एक मौखिक कहानी सुनाएँ। कुछ बच्चों को भी इन शब्दों का उपयोग करके नई कहानी बनाने को कहें। अब बच्चों को स्वतंत्र रूप से गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 135 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- नीम के पत्तों के रस के अलावा, गिलहरी की खुजली और कैसे ठीक हो सकती थी?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

प्रयास करें कि आज की गतिविधि में प्रतिभाग कर रहे सभी बच्चों को एक मिनट का समय मिले।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 15 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 · 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 43 से पहेलियां के चयनित पाठ्यांश "आँखें दो ....नाम बताएँ।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-11 **'पहेलियां'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आप 'बटन' की कोई अन्य पहेली बच्चों से पूछें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 3** 45 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 · 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 'पहेलियां' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 60 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 60 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि 2 और 3 (10-15 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों से चर्चा करें। बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 4 और 5 (10-15 मिनट) :** इन गतिविधियों पर पूर्व की तरह कार्य करें। बच्चों का ध्यान वाक्य संरचना एवं विराम चिह्नों पर दिलवाएं। बच्चों द्वारा वाक्य संरचना में हो रही गलतियों को बोर्ड पर लिखकर सुधारें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 · 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 135 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- नाक में मच्छर घुसने पर शालू को छींक क्यों आई होगी? आपके साथ कभी ऐसा हुआ है क्या?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

गतिविधि की शुरुआत करने से पहले सभी बच्चों को स्पष्ट निर्देश दें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 43 से पहेलियां के चयनित पाठ्यांश 'नीचे पटको ....क्या है नाम।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-11 **'पहेलियां'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आप 'गेंद' से संबंधित कोई अन्य पहेली बच्चों से पूछें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 4** 45 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 'पहेलियां' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 61 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 61 पर कार्य करें।
- **गतिविधि 1 और 2 (10-15 मिनट) :** इन पहेलियों का आदर्श वाचन करें। अब बच्चों को पहेलियां जोड़ियों में पढ़ने को कहें और उनके उत्तर सोचकर बताने को कहें। फिर बच्चों को अपने उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (10-12 मिनट) :** गतिविधि में दी गई पहेलियों पर बच्चों से बहुत सारी मौखिक चर्चा करें। बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में इस गतिविधि को करने को कहें। फिर कुछ जोड़ियों से प्रतिक्रिया लें और उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 135 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आप घूमने कहाँ-कहाँ जाते हो और किसके साथ?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

कक्षा के बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

सप्ताह 15 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 44 से 'पहेलियां' पाठ्यांश 'लाल पूँछ ....मीठा पानी।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-11 **'पहेलियां'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पूरे पाठ की पहेलियों पर दोबारा चर्चा करते हुए कुछ अन्य पहेलियां बच्चों से पूछें। जैसे- पंख नहीं पर उड़ती हूँ, हाथ नहीं पर लड़ती हूँ। (पतंग)

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 1 और 2** 44 45 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 'पहेलियां' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित, पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 62 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 62 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

मार्गदर्शन में पठन (5-7 मिनट) :

- बच्चों को जोड़ियों में पिछले दिन के स्तरित पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से विलोम शब्द पर चर्चा करें। फिर बच्चों की प्रतिक्रिया लेकर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** इन गतिविधियों की प्रक्रिया पर अन्य उदाहरणों द्वारा बच्चों से चर्चा करें। फिर बच्चों की प्रतिक्रिया लेकर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों के साथ प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करें। जैसे- खरगोश समूह से क्यों अलग है? आदि। फिर बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 135 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 4 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 4 पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-21 क्र. 4 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आपके घर के आस-पास कौन-कौन से जानवर हैं? क्या आपकी किसी जानवर से दोस्ती है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

सप्ताह 15 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे

विषयवस्तु: संदर्शिका 168 170 और सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'सुनो और पता लगाओ'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 170 से देखें। गतिविधि से सम्बन्धित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, इस गतिविधि की पर्चियों से संबंधित कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 'पहेलियां' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 63 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से पढ़ी गयी पहेली में से तुकांत शब्द लिखने को कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 4-6 शब्दों के 2 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्ंदर्शिका 176 179 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

☞ गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वो ऊबने लगें, तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें उस शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'पहेलियां' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **पहेलियों** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप विषय से संबंधित अपने अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय पहेलियों से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- आपसे पहेलियां कौन पूछता है?
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, कक्षा में पूछी गई पहेलियों से संबंधित चित्र बनाने को कहें एवं चित्र पर अपने विचार / समझ कुछ वाक्यों (5-6) में व्यक्त करने को कहें।
- इसके बाद बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 63 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-15 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 21 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 63

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 16 | दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और पाठ-12 **'चाँद का कुर्ता'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 171 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- सर्दी में आप किस प्रकार के कपड़े पहनते हों? क्या चाँद के लिए कुर्ता खरीदा जा सकता हैं, हाँ या ना और क्यों?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों, जैसे- झिंगोला, ठिठुर-ठिठुर, भाड़ा, सलोने, जादू-टोना आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ से चयनित गतिविधि-1 48 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'चाँद का कुर्ता' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 64 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 64 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से बहुत सारी चर्चा करें। बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 3 और 4 (10-15 मिनट) :** इन गतिविधियों पर बच्चों से चर्चा करें। उनकी प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 136 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- बिल्ली दूध के बर्तन के पास क्या करने जा रही थी?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएं, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

सप्ताह 16 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य
कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'चाँद का कुर्ता' 47 से चयनित पाठ्यांश 'हठ ...... भाड़े का।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-12 **'चाँद का कुर्ता'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- चाँद के कुर्ते की तरह आप क्या-क्या लेना चाहोगे और क्यों?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- आप पाठ की **गतिविधि 4** 48 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'चाँद का कुर्ता' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 65 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 65 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि पर कुछ अन्य उदाहरणों जैसे- साबुन लगाने से घटता है, आदि पर बच्चों से चर्चा करें। उनकी प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि की प्रक्रिया पर कुछ अन्य उदाहरणों द्वारा बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर बच्चों की प्रतिक्रिया लेते हुए उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप पूर्व की तरह ही इस गतिविधि पर कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 136 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आपने किस-किस रंग के फूल देखे हैं और कहाँ?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वो ऊबने लगें, तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें उस शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'चाँद का कुर्ता' 47 48 से चयनित पाठ्यांश 'बच्चे की.......दिन छोटा।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-12 **'चाँद का कुर्ता'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आप मापने के लिए किन-किन चीजों का उपयोग करते हैं?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 3** 48 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के, पाठ-12 'चाँद का कुर्ता' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 66 67 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 66 67 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुनः एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक गतिविधि के प्रश्नों पर बच्चों से बातचीत करें।
- बच्चों द्वारा दी जा रही प्रतिक्रिया में आ रहे कठिन/अपरिचित शब्दों को बोर्ड पर लिखें।
- बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 136 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- बंदर और लोमड़ी ने कौन-कौन सा खेल खेला होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षरशब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

☞ गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 16 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 48 से 'चाँद का कुर्ता' पाठ्यांश 'घटता-बढ़ता ....बदन में आए।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-12 **'चाँद का कुर्ता'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पूरे पाठ को समेकित करते हुए पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- चाँद दिन में क्यों नहीं दिखता है?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)
- आप पाठ से चयनित **गतिविधि 2 और 5** 48 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'चाँद का कुर्ता' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित, पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 68 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 68 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :
- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट) :
- बच्चों को जोड़ियों में पिछले दिन के स्तरित पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** इस गतिविधि के कुछ अन्य उदाहरणों जैसे: फूल का समानार्थी- पुष्प, कुसुम आदि होता है, इस पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। उनकी प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** इन गतिविधियों पर पूर्व की तरह बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करते हुए उनकी प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** इन गतिविधियों की प्रक्रिया पर अन्य उदाहरणों द्वारा बच्चों से चर्चा करें। फिर बच्चों की प्रतिक्रिया लेते हुए उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** गतिविधि पर पूर्व की तरह कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 136 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 4 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 4 पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-22 क्र. 4 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- मिताली ने अनु को कौन-कौन से खिलौने दिए होंगे?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

कक्षा के बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के पाठ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 16 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं विस्तृत चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और कहानी के पात्र बदलना।

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें। आप पहले के सप्ताहों में पढ़ाई/सुनाई गई कहानियों का उपयोग भी कर सकते हैं।
- आप कहानियों के कुछ उदाहरण संदर्शिका 180 से 186 पर देख सकते हैं।

कहानी पर बच्चों के साथ समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को कहानी के पात्र को बदलकर कहानी सुनाएँ। उदाहरण के तौर पर, पाठ्यपुस्तक के किसी भी पाठ का उपयोग करें।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को समूहों में बाँटकर, उनके द्वारा बदले गए पात्र वाली कहानी पर चर्चा करने को कहें। फिर कुछ बच्चों को उनके द्वारा बनाई गई कहानी बाकी बच्चों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में अपने विचार/समझ वाक्यों में व्यक्त करते हुए लिखने को कहें। फिर कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'चाँद का कुर्ता' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 69 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ पर आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 4-6 शब्दों के 2 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

सप्ताह 16 दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'सर्दी का मौसम' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **सर्दी के मौसम** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप अपना सर्दी के मौसम से जुड़ा अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय सर्दी के मौसम से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- सर्दी के मौसम में आपको क्या खाना पसंद है?
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, सर्दी के मौसम से संबंधित उनके अनुभवों के बारे में चर्चा करने को कहें। कुछ जोड़ियों को सर्दी के मौसम से संबंधित अनुभवों को कुछ वाक्यों (7-8) में पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 69 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-16 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 22 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 69

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 17 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और पाठ-13 'सीख'

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- दो अक्टूबर को वैभव के स्कूल में गाँधी जी और शास्त्री जी का जन्मदिन कैसे मनाया गया होगा?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों, जैसे- कम्प्यूटर, उपदेश, बहुतेरे, कुशल, शीघ्र आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ से चयनित गतिविधि-1 51 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 'सीख' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 70 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 70 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। बच्चों की प्रतिक्रिया लेकर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने का अवसर दें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। बच्चों की प्रतिक्रिया लेकर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में इस गतिविधि पर चर्चा करने को कहें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 137 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- अगर आपको भी मुनमुन और नेहा की तरह आम तोड़ने हो तो आप क्या करोगे?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 'सीख' 49 से चयनित पाठ्यांश 'वैभव स्कूल ....माँ ने कहा।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-13 'सीख'

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पहले से पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- स्कूल से घर जाने के बाद स्कूल के बारे में आप किससे बात करते हैं?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 2** 51 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 'सीख' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 71 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 71 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि 2 और 3 (15-20 मिनट) :** इस गतिविधि की प्रक्रिया को समझाते हुए बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। पिछले सप्ताह में सुनाई गई कहानियों के कुछ उदाहरण द्वारा गतिविधि-2 की प्रक्रिया पर थोड़ी और चर्चा करें। फिर बच्चों की प्रतिक्रिया लेकर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 4 और 5 (7-10 मिनट) :** इन गतिविधियों से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए बच्चों से चर्चा करें। गतिविधियों पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 137 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- कुछ बच्चे किनारे बैठकर खेल को देख क्यों रहे थे? वे साथ में खेल क्यों नहीं रहे थे?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएं, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 'सीख' 49 50 से चयनित पाठ्यांश 'वैभव कहानी...... छोड़ पाएंगे।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-13 **'सीख'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- बीमार होने पर आपका ख्याल कौन रखता है और कैसे?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 3** 51 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के, पाठ-13 'सीख' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 72 73 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 72 73 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुनः एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक गतिविधि पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 137 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- चिड़िया अपने घोंसले के लिए तिनका कहाँ-कहाँ से लाती होगी?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण / अक्षर / शब्द / वाक्यांश / वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

कक्षा के बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के पाठ पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

सप्ताह 17 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 'सीख' 50 से पाठ्यांश 'गाँधी जी ....याद करता है।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-13 **'सीख'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पूरे पाठ को समेकित करते हुए पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आप अपने भाई-बहनों को घर में क्या-क्या काम करने को कहते हो?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 4 और 5** 51 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 'सीख' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित, पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 74 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 74 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट) :

- बच्चों को जोड़ियों में पिछले दिन के स्तरित पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि 2 और 3 (7-10 मिनट) :** इन गतिविधियों से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए बच्चों से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** पूर्व की तरह इस गतिविधि पर कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 137 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 4 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 4 पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-23 क्र. 4 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- रानी को कोई तारा दूर तो कोई तारा पास क्यों लगता होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ प्रयास करें कि आज की गतिविधि में प्रतिभाग करने वाले सभी बच्चों को एक मिनट का समय मिले।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 17 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे।

विषयवस्तु: संदर्शिका 168 170 और सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'मनमोहक वाक्य और चित्र के साथ विज्ञापन बनाना'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 170 से देखें। गतिविधि से सम्बन्धित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, इस गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 'सीख' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 75 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ पर आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 6-8 शब्दों के 2 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179, स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 17 दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'परिवार' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **परिवार के सदस्यों** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप अपने परिवार के सदस्यों से जुड़ा अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय परिवार के सदस्यों से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- आपके परिवार में कौन-कौन है?
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, उन्हें अपने परिवार के किसी सदस्य का चित्र बनाने को कहें एवं चित्र पर अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों (7-8) में व्यक्त करने को कहें।
- इसके बाद बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 75 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-17 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 23 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 75

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

☞ बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 18 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य
कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और पाठ-14 **'माथापच्ची'**।

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ पर कार्य (10-15 मिनट)

- पाठ की चयनित गतिविधि-1 54 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ एवं उन्हें 53 की वर्ग पहेली में से उत्तर खोजकर गोला लगाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (15-20 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य गतिविधियों पर बच्चों के साथ कार्य करें। इन गतिविधियों पर सबसे पहले मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें लिखने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 'माथापच्ची' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 76 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 76 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (10-15 मिनट) :** एक अन्य ग्रिड उदाहरण के तौर पर बोर्ड पर बनाएँ। अब ग्रिड से शब्दों को खोजने की प्रक्रिया बच्चों के साथ करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (10-15 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर चित्र पर मौखिक रूप से चर्चा करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी चर्चा बाकी बच्चों को सुनाने को कहें। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 138 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आपके घर में दीवाली के त्योहार पर घर को सजाने में आपकी मदद कौन-कौन करता है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएं, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166, पाठ-15 **'जड़ और फूल'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- गुलमोहर के पेड़ पर किस रंग के फूल लगते हैं? पेड़-पौधों को बढ़ने के लिए किन-किन चीजों की आवश्यकता होती है?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों, जैसे- गुलमोहर, गुलदस्ता, गुच्छे, सूझी, शैतानी, बदसूरत, ठूँठ-सा आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ से चयनित गतिविधि-1 57 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 'जड़ और फूल' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 77 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 77 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट)** : शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट)** : इस गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट)** : इस गतिविधि की प्रक्रिया को समझाते हुए बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। पिछले सप्ताह में सुनाई गई कुछ कहानियों के उदाहरण द्वारा गतिविधि की प्रक्रिया पर थोड़ी और चर्चा करें, फिर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट)** : आप पूर्व की तरह बच्चों से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 138 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आप सुबह उठकर क्या-क्या करते होंगे?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

सप्ताह 18 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य — **कालांश** 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 'जड़ और फूल' 55 से चयनित पाठ्यांश 'गुलमोहर..... ठूँठ-सा गया।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-15 'जड़ और फूल'

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- फूलों ने जड़ की हँसी क्यों उड़ाई होगी?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 2** 57 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — **कालांश** 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 'जड़ और फूल' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 78 79 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 78 79 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुनः एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक गतिविधि पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — **कालांश** 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 138 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आपको कागज से क्या-क्या बनाना आता है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

सप्ताह 18 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य
कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 'जड़ और फूल' 56 से चयनित पाठ्यांश 'बरसात बीती.. तुम कैसे हो?' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-15 **'जड़ और फूल'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पूरे पाठ को समेकित करते हुए पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- वसंत में पेड़ हरे-भरे हो जाते हैं। इसके अलावा वसंत में और क्या होता है?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- आप पाठ से चयनित **गतिविधि 3** 57 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

☞ कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 'जड़ और फूल' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित, पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 80 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 80 पर कार्य करें।

स्वरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :
- सप्ताह-17 दिवस-4 के अनुसार इस पर कार्य करें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट) :
- सप्ताह-17 दिवस-4 के अनुसार इस पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों से चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि पर कुछ अन्य उदाहरणों के माध्यम से मौखिक रूप से चर्चा करें। कुछ बच्चों को इस गतिविधि में दिए गए शब्दों का उपयोग करते हुए मौखिक कहानी बनाने को कहें। कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ उदाहरण देकर गतिविधि समझाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप पूर्व की तरह इस गतिविधि पर कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 138 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 1-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 1-3 से चयनित क्रम को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 1-3 में से किसी एक पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-24 क्र. 1-3 से चयनित क्रम से संबंधित कुछ अन्य सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं विस्तृत चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और कहानी के पात्र का चरित्र चित्रण

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें। आप पहले के सप्ताहों में पढ़ाई/सुनाई गई कहानियों का उपयोग भी कर सकते हैं।
- आप कहानियों के कुछ उदाहरण संदर्शिका 180 से 186 पर देख सकते हैं।

कहानी पर बच्चों के साथ समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कहानी पर अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछें। बच्चों के साथ पात्रों के चरित्र चित्रण (कैसे थे, क्या करते थे?) आदि पर बातचीत करें।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को समूहों में बाँटकर, उनके पसंदीदा पात्र के बारे में जैसे- वे कैसे थे? उन्हें क्यों अच्छे लगे? आदि पर चर्चा करने को कहें। फिर समूह से कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के सामने कहने का अवसर दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में अपने विचार/समझ वाक्यों में व्यक्त करते हुए लिखने को कहें। फिर कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 'जड़ और फूल' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 81 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 6-8 शब्दों के 2 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 18 दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'मौसम' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **मौसम** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप पाठ से जुड़ते हुए विषय से संबंधित अपने अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय मौसम से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- आपको कौन-सा मौसम पसंद है?
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, उन्हें मौसम से संबंधित चित्र बनाने को कहें एवं चित्र पर अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों (7-8) में व्यक्त करने को कहें।
- इसके बाद बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 81 और संदर्शिका 169 170

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-18 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 24 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 81

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 19 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य
कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 , पाठ-16 **'घुमक्कड़ तारक'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- तारक किसका नाम था ? अगर आप तारक की जगह होते तो क्या करते ?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)
- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों, जैसे- चकित, डॉलफिन, अद्भुत, मूँगे, चट्टान, ऑक्टोपस आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ से चयनित गतिविधि-1 60 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 'घुमक्कड़ तारक' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 82 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 82 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। बच्चों की प्रतिक्रिया लेकर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, इन गतिविधियों पर आपस में बातचीत करने को कहें। कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें। कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। जीव-जंतुओं से संबंधित कुछ प्रश्न पूछें। जैसे- मछली पानी में कैसे जिंदा रहती है? कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 139 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आप मेले में जाते हो तो क्या-क्या देखते हो?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर, बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएं, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

सप्ताह 19 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 'घुमक्कड़ तारक' 58 से चयनित पाठ्यांश 'एक तालाब...... जा गिरा।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास

विषयवस्तु: संदर्शिका 167, पाठ-16 **'घुमक्कड़ तारक'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- हंस दूर-दूर तक उड़कर क्या-क्या देखते होंगे?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ्यांश आधारित बच्चों से मौखिक चर्चा करें और बच्चों से चर्चा से संबंधित 2-3 वाक्य लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 'घुमक्कड़ तारक' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 83 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 83 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। बच्चों की प्रतिक्रिया लेकर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** इन गतिविधियों पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें। **गतिविधि-3** में दिए गए जीव-जंतुओं से संबंधित कुछ प्रश्न पूछें। जैसे- ह्वेल मछली कहाँ पाई जाती है? बच्चों की प्रतिक्रिया लें। **गतिविधि-4** में सभी बच्चों को सोचकर उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि की प्रक्रिया से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए बच्चों से चर्चा करें। उनकी प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 139 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- अगर आप राजू की जगह होते तो कुत्ते के लिए क्या-क्या करते?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

कक्षा के बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वो ऊबने लगें, तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें उस शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

सप्ताह 19 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 'घुमक्कड़ तारक' 58 59 से चयनित पाठ्यांश 'तारक चकित... हीरक ने बताया?' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-16 **'घुमक्कड़ तारक'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- तारक समुद्र में आकर चकित क्यों रह गया था?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 3** 60 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के, पाठ-16 'घुमक्कड़ तारक' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 84 85 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 84 85 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुनः एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक गतिविधि पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 139 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- खरगोश के पिता ने शेर से अपनी जान कैसे बचाई होगी?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

प्रयास करें कि आज की गतिविधि में प्रतिभाग करने वाले सभी बच्चों को एक मिनट का समय मिले।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

सप्ताह 19 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य
कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 'घुमक्कड़ तारक' 59 60 से पाठ्यांश 'अचानक..... रहने लगा।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास

विषयवस्तु: संदर्शिका 167, पाठ-16 **'घुमक्कड़ तारक'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पूरे पाठ को समेकित करते हुए पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- तारक अपने नए घर में क्या-क्या खाता होगा?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- आप पाठ आधारित **गतिविधि 2** 60 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक पाठ-16 'घुमक्कड़ तारक' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित, पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 86 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 86 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :
- सप्ताह-17 दिवस-4 के अनुसार इस पर कार्य करें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट) :
- सप्ताह-17 दिवस-4 के अनुसार इस पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों से चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** इन गतिविधियों से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए बच्चों से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें और सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर चित्र पर मौखिक रूप से चर्चा करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी चर्चा बाकी बच्चों को सुनाने को कहें। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 139 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 1-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 1-3 से चयनित क्रम को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 1-3 में से किसी एक पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 1-3 से चयनित क्रम से संबंधित कुछ अन्य सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण / अक्षर / शब्द / वाक्यांश / वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ कक्षा के बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के पाठ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे।

विषयवस्तु: संदर्शिका 168 170 और सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'स्कूल के अंदर (सर्वेक्षण)'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 170 से देखें। गतिविधि से सम्बन्धित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, इस गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 'घुमक्कड़ तारक' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 87 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ पर आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 6-8 शब्दों के 2 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 19 दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'जलीय जीव-जंतु' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **जलीय जीव-जंतु** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप पाठ से जुड़ते हुए विषय से संबंधित अपने अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय जलीय जीव-जंतु से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- जलीय जीव-जंतु कौन-कौन से हैं?
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभवों को बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, उन्हें किसी जलीय जीव-जंतु का चित्र बनाने को कहें एवं चित्र पर अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों (7-8) में व्यक्त करने को कहें।
- इसके बाद बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 87 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-19 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 25 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 87

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 20

सावधिक पुनरावृत्ति

व्यवस्थित कक्षा-कक्षीय शिक्षण प्रक्रिया में सिखाई गई दक्षताओं की सतत पुनरावृत्ति करते रहना एक आवश्यक रणनीति है। सतत पुनरावृत्ति से बच्चों में भाषा की अलग-अलग दक्षताओं की समझ और मजबूत होती है, साथ ही जो बच्चे इस शिक्षण प्रक्रिया में पीछे छूट रहे होते हैं, उन्हें भी कक्षा स्तर तक पहुँचने में मदद मिलती है। इसको ध्यान में रखते हुए, भाषा शिक्षण में दो तरह की पुनरावृत्ति पर कार्य किए जाने की रणनीति दी गई है।

1. **साप्ताहिक पुनरावृत्ति :** हर सप्ताह के दिवस 5 में शुरूआती चार दिन में सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।
2. **सावधिक पुनरावृति :** सप्ताह 13 में सप्ताह 1-12 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर और सप्ताह 20 में सप्ताह 1-19 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।

इस वर्ष सावधिक आकलन शिक्षा विभाग द्वारा NAT के माध्यम से कराए जाने की योजना है। वर्ष में न्यूनतम 2 बार NAT सप्ताह 12 तथा सप्ताह 19 में होना प्रस्तावित है। संभव है कि NAT अपने प्रस्तावित समय आगे या पीछे आयोजित किया जाए। इस प्रकार सप्ताह-20 की सावधिक पुनरावृत्ति में निम्न रणनीतियों का उपयोग किया जाएगा-

- NAT अथवा सप्ताह 19 दिवस 6 के आकलन 'मैंने सीख लिया' में बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर उन्हें 2 समूहों में बाँटकर पुनरावृत्ति/पुनर्बलन पर कुछ दिनों तक कार्य कराएँ।
- समूह-A में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं।
- समूह-B में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं।
- जिन बच्चों ने समझ के पढ़ने के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं, उनको आप व्यक्तिगत सहायता दें और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। अगर बच्चों के डिकोडिंग कौशल पर कार्य करने की आवश्यकता होती है, तो बेझिझक करें। जो बच्चे समझ के पढ़ने के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें स्वतंत्र रूप से कार्य दें और बीच-बीच में उनके द्वारा किए गए कार्य का अवलोकन भी करें।
- जो बच्चे मौखिक भाषा विकास से संबंधित प्रश्नों में कम अंक लाते हैं, उन्हें दैनिक शिक्षण प्रक्रिया में अधिक से अधिक प्रतिभाग लेने के मौके दें और उनका नियमित रूप से प्रोत्साहन करते रहें।

समूह-A के साथ सावधिक पुनरावृत्ति कार्ययोजना बनाने के लिए आप इस संदर्शिका के अंतिम पृष्ठों में दिए गए **'दैनिक रिमीडियल कार्य योजना'** का संदर्भ ले सकते हैं।

सावधिक पुनरावृत्ति पर कार्य कराने के लिए आपको कार्यपुस्तिका में 5 पत्रक उदाहरण स्वरूप दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त पत्रकों/गतिविधियों/प्रश्नों का निर्माण एवं क्रियान्वयन की योजना आपको स्वयं तैयार करनी है और उसके आधार पर बोर्ड और बच्चों की नोटबुक पर कार्य कराना है।

समूह-A अथवा समूह-B के लिए आपको दो अलग-अलग प्रकार के कार्य करने होंगे -

प्रकार 1 (समूह-**A के लिए) -** इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 19 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं। इनके पत्रकों/गतिविधियों में मुख्य रूप से वर्ण अक्षर स्तर के कार्य और शब्द स्तर के कार्य आधारित पत्रक होंगे। इसके अतिरिक्त सप्ताह-20 में दिए गए कार्यपुस्तिका के पत्रक पर कार्य करवाएँ।

प्रकार 2 (समूह-B के लिए) - इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 19 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इन बच्चों को बीते सप्ताह के स्तरित पाठ, कार्यपुस्तिका भाग-2 से पठन अभ्यास पत्रक तथा पुस्तकालय की पुस्तकों से पठन अभ्यास कार्य करवाएँ। इसके अतिरिक्त सप्ताह-20 में दिए गए कार्यपुस्तिका के पत्रक पर कार्य करवाएँ।

सावधिक पुनरावृत्ति पत्रकों/गतिविधियों पर प्रतिदिन प्रत्येक बच्चे के साथ कराया जाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि सभी बच्चे सीखी गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति बेहतर तरीके से कर सकें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और पाठ-17 **'लोकगीत'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- लोकगीत किसे कहते हैं? आप अपनी भाषा में लोकगीत/ अन्य गीत सुनाएँ ?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार पाठ में आए शब्दों, जैसे- बरजोरी, मृदंग, बटोहिया, कोतवलवा, निमिया, बलइया, तड़कत आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ की गतिविधि-1 63 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 'लोकगीत' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 93 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 93 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों से बातचीत करें। कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि में आए शब्दों को बच्चे अपने घर की भाषा में क्या कहते हैं, इस पर चर्चा करें। कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए बच्चों को इसकी प्रक्रिया समझाएँ। बच्चों से इस पर प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 140 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आप सुबह उठकर किस-किसकी मदद करते हैं और कैसे?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 21 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 'लोकगीत' 62 से चयनित पाठ्यांश 'आज बिरज..... रे रसिया।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास

विषयवस्तु: संदर्शिका 167, पाठ-17 'लोकगीत'

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आपके गाँव में किसी शुभ अवसर पर कौन-कौन से लोकगीत गाए जाते हैं?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ्यांश आधारित बच्चों से मौखिक चर्चा करें और चर्चा से सम्बंधित 2-3 वाक्य लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 'लोकगीत' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 94 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 94 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि 2 और 3 (7-10 मिनट) :** इन गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। बच्चों की प्रतिक्रिया लेते हुए उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (10-15 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में इस गतिविधि पर चर्चा करने को कहें। कुछ बच्चों से उनकी प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** इस गतिविधि पर पूर्व की तरह कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 140 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- जब स्कूल बंद होता है तो आप अपने दोस्तों के साथ क्या-क्या करते हो?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वो ऊबने लगें, तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें उस शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 'लोकगीत' 62 63 से चयनित पाठ्यांश 'तारक सुन्दर...... बटोहिया (भोजपुरी), बाबा निमिया..... मोरे बाबा (अवधी)।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास

विषयवस्तु: संदर्शिका 167, पाठ-17 **'लोकगीत'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आपके यहाँ बरसात के मौसम में कौन-से लोकगीत गाए जाते हैं?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ से संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, लोकगीत से संबंधित 3-4 वाक्य लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के, पाठ-17 'लोकगीत' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 95 96 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 95 96 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुनः एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक गतिविधि पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 140 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- अगर आपके किसी दोस्त को बुखार हो तो आप उसकी सहायता कैसे करोगे?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

सप्ताह 21 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य
कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 'लोकगीत' 63 से पाठ्यांश 'देखो सखी..... देत दिखाई।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-17 **'लोकगीत'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पूरे पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आपके यहाँ का सबसे प्रिय लोकगीत कौन-सा है?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ से संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ से संबंधित लगभग 10 कठिन शब्दों के श्रुतलेख पर कार्य करें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक पाठ-17 'लोकगीत' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित, पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 97 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 97 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :
- सप्ताह-17 दिवस-4 के अनुसार इस पर कार्य करें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट) :
- सप्ताह-17 दिवस-4 के अनुसार इस पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों से चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि 2 और 3 (7-10 मिनट) :** इन गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि पर कार्य करने के लिए बच्चों को जोड़ियों में अपने पसंद का कोई गीत गाकर सुनाने को कहें। फिर कुछ बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें। फिर सभी को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 140 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 1-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 1-3 से चयनित क्रम को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 1-3 में से किसी एक पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 1-3 से चयनित क्रम से संबंधित कुछ अन्य सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

कक्षा के बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के पाठ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं विस्तृत चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और कहानी के पात्र का चरित्र चित्रण।

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें। आप पहले के सप्ताहों में पढ़ाई/सुनाई गई कहानियों का उपयोग भी कर सकते हैं।
- आप कहानियों के कुछ उदाहरण संदर्शिका 180 से 186 पर देख सकते हैं।

कहानी पर बच्चों के साथ समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कहानी पर अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछें। बच्चों के साथ पात्रों के चरित्र चित्रण (कैसे थे, क्या करते थे?) आदि पर बातचीत करें।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को समूहों में बाँटकर, उनके पसंदीदा पात्र के बारे में जैसे- वे कैसे थे? उन्हें क्यों अच्छे लगे? आदि पर चर्चा करने को कहें। फिर समूह से कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के सामने कहने के अवसर दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में अपने विचार/समझ वाक्यों में व्यक्त करते हुए लिखने को कहें। फिर कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 'लोकगीत' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 98 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 6-8 शब्दों के 3 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'लोकगीत/परिवेशीय गीत' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **लोकगीत** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप पाठ से जुड़ते हुए विषय से संबंधित अपने अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय, लोकगीत से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- कौन से अवसरों पर लोकगीत गाए जाते हैं? आदि।
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, लोकगीत से संबंधित कोई चित्र बनाने को कहें एवं चित्र पर अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों (7-8) में व्यक्त करने को कहें।
- इसके बाद बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 98 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-21 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 26 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 98

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 22 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और पाठ-18 'पत्र'

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- अपने प्रदेश की कुछ खान-पान की चीजों के नाम बताओ?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों जैसे- लुंगी, वेणी, आनंद, अजूबा, साँपघर आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ से चयनित गतिविधि-1 65 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 'पत्र' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 99 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 99 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (10-15 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों को कुछ उदाहरण देते हुए गतिविधि को करने की प्रक्रिया समझाएँ। फिर बच्चों को जोड़ियों में इन पर बातचीत करने को कहें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लेते हुए सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** इन गतिविधियों पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 141 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आपकी नानी का घर कहाँ है और आप वहाँ कैसे जाते हो?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएं, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

सप्ताह 22 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 'पत्र' 64 से चयनित पाठ्यांश 'प्रिय वहीदा.... लगाती हैं।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-18 'पत्र'

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आपको क्या लगता है कि जब लोग आपस में बातचीत करते थे तो सरोज को क्यों समझ नहीं आता था?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 3 और 4** 65 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 'पत्र' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 100 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 100 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि 2 और 3 (10-15 मिनट) :** इन गतिविधियों पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 4 और 5 (10-15 मिनट) :** इन गतिविधियों पर कुछ उदाहरण देते हुए गतिविधि की प्रक्रिया समझाएँ। फिर बच्चों को जोड़ियों में बातचीत करने को कहें। कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 141 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- चीकू कैसे खुश हुआ?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 'पत्र' 64 से चयनित पाठ्यांश 'समुद्र देखकर.... सरोज।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-18 'पत्र'

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आप क्या-क्या चीज देखकर दंग रह जाते हो और क्यों?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित **गतिविधि 2** 65 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 'पत्र' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 101 102 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 101 102 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुन: एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक गतिविधि पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 141 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- गड़ेरिया अपनी भेड़ों को देखकर, क्यों खुश होता होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों के अर्थ बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 22 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 'पत्र' 64 पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-18 'पत्र'

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित बच्चों से कुछ खुले एवं बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- फिर आप पाठ का दो बार आदर्श वाचन करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- अंत में, आप पूरे पाठ की समझ पर आधारित (पत्र क्यों लिखे जाते हैं, आदि) विस्तृत चर्चा करते हुए पाठ को समेकित करें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों और समूहों में बाँटकर पाठ को पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से इसे पढ़कर कक्षा के बाकी बच्चों को सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ आधारित **गतिविधि 5 और 7** 65 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 'पत्र' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित, पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 103 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 103 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :

- सप्ताह-17 दिवस-4 के अनुसार इस पर कार्य करें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट) :

- सप्ताह-17 दिवस-4 के अनुसार इस पर कार्य करें।
- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट)** : आप पूर्व की तरह इन गतिविधियों पर कार्य करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट)** : आप निर्देशानुसार गतिविधि पर कार्य करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट)** : इन गतिविधियों पर कार्य करने के लिए बच्चों को जोड़ियों में बातचीत करने को कहें। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 141 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 1-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 1-3 से चयनित क्रम को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 1-3 में से किसी एक पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 1-3 से चयनित क्रम से संबंधित कुछ अन्य सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

सप्ताह 22 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे।

विषयवस्तु: संदर्शिका 168 171 और सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'यात्रा (सर्वेक्षण)'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 171 से देखें। गतिविधि से सम्बन्धित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, यात्रा से संबंधित कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 'पत्र' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 104 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- आप कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए, उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 6-8 शब्दों के 3 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'खान-पान' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **खान-पान** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप पाठ से जुड़ते हुए विषय से संबंधित अपने अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय खान-पान से संबंधित विस्तृत विवरण दें। जैसे- अपने राज्य के प्रसिद्ध व्यंजनों के बारे में बताएँ?
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, अपनी पसंद के भोजन से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें एवं चित्र पर अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों (7-8) में व्यक्त करने को कहें।
- इसके बाद बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 — 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 104 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-22 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 27 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 — 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 104

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 23 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और पाठ-19 **'सुभाषचंद्र बोस'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- भारत के कुछ अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के नाम बताओ?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों जैसे- अधीन, शासन, विरोध आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ से चयनित गतिविधि-4 68 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 'सुभाषचंद बोस' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 105 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 105 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि को करवाने में बच्चों की सहायता करें। उनके साथ पाठ के घटनाक्रम पर चर्चा करें और उन्हें उत्तर सही क्रम में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** इस गतिविधि को करवाने के लिए, सुभाषचन्द्र बोस के नारे को बताएँ। फिर बच्चों को कार्य करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि को करने के लिए बच्चों को कुछ प्रसिद्ध नारे बताएँ। जैसे- जय जवान जय किसान आदि। फिर बच्चों को जोड़ियों में गतिविधि के अनुसार, कुछ नारे मौखिक रूप से बनाने को कहें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। नारे की शैली को ध्यान में रखते हुए बच्चों द्वारा बनाए गए नारों में सुधार करें। फिर सभी बच्चों को लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप पूर्व की तरह इस पर कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 142 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आपको अपनी दादी या नानी से कैसी-कैसी कहानियाँ सुनने को मिलती हैं?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वो ऊबने लगें, तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें उस शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ्यांश 66 से 'कुछ वर्ष....... आते थे' पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-19 **'सुभाषचंद्र बोस'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य शब्द बच्चों से पूछें। जैसे- सुभाषचंद्र बोस का जन्म कहाँ हुआ था?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ से चयनित गतिविधि-6 'ख' 69 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 'सुभाषचंद बोस' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 106 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 106 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि को करने में बच्चों की सहायता करें। उन्हें सही शब्द बताएँ और लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि को पूर्व की तरह करें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** सुभाषचन्द्र बोस के बारे में बच्चों को जोड़ियों में चर्चा करने को कहें। फिर कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें। कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 142 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- अगर शाहीन को साइकिल चलानी नहीं आती तो उसे क्या-क्या परेशानियां होतीं?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों के अर्थ बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएं, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

सप्ताह 23 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य
कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 66 से चयनित पाठ्यांश 'बी.ए. उत्तीर्ण...... स्थापना की।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तुः संदर्शिका 167 और पाठ-19 **'सुभाषचंद्र बोस'**

तैयारीः चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 6 (ग, घ)** 68 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 'सुभाषचंद बोस' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तुः कार्यपुस्तिका 107 108 और संदर्शिका 174

तैयारीः कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 107 108 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुनः एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक गतिविधि पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तुः संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 142 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारीः प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आप छुट्टियों में किसके यहाँ जाते हो और वहाँ क्या-क्या करते हो?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

कक्षा के बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के पाठ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षाः बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

सप्ताह 23 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 66 से चयनित पाठ्यांश 'सन् 1939........ पुकारते हैं' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-19 **'सुभाषचंद्र बोस'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- सुभाषचंद्र बोस ने कौन-सा नारा दिया?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ आधारित **गतिविधि 3** 68 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 'सुभाषचंद बोस' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित, पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 109 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 109 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :

- सप्ताह-17 दिवस-4 के अनुसार इस पर कार्य करें।

मार्गदर्शन में पठन (5-7 मिनट) :

- सप्ताह-17 दिवस-4 के अनुसार इस पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें। बच्चों को उत्तर बताएँ, फिर सभी बच्चों को उत्तर सुनकर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि में दिए गए राज्यों की राजधानी से मिलान करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप पूर्व की तरह इस गतिविधि पर कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 142 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 1-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 1-3 से चयनित क्रम को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 1-3 में से किसी एक पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 1-3 से चयनित क्रम से संबंधित कुछ अन्य सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

प्रयास करें कि आज की गतिविधि में प्रतिभाग करने वाले सभी बच्चों को एक मिनट का समय मिले।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

सप्ताह 23 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं विस्तृत चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और कहानी को नाटक संवाद के माध्यम से आगे बढ़ाना।

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें। आप पहले के सप्ताहों में पढ़ाई/सुनाई गई कहानियों का उपयोग भी कर सकते हैं।
- आप कहानियों के कुछ उदाहरण संदर्शिका 180 से 186 पर देख सकते हैं।

कहानी पर बच्चों के साथ समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कहानी पर अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछें। आप बच्चों को पढ़ी/सुनी कहानी का संवाद सहित अभिनय करके दिखाएँ, फिर बच्चों को भी अभिनय करके दिखाने को कहें।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को समूहों में बाँटकर, कहानी 172 पर आधारित अभिनय तैयार करने को कहें। फिर प्रत्येक समूह को अपना अभिनय बाकी बच्चों को दिखाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में अपने विचार/समझ वाक्यों में व्यक्त करते हुए लिखने को कहें। फिर कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 'सुभाषचंद बोस' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 110 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ पर आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 6-8 शब्दों के 3 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179, स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 23 दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'राष्ट्रीय पर्व' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि हम **राष्ट्रीय पर्व** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप विषय से संबंधित अपने अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय राष्ट्रीय पर्व से संबंधित विस्तृत विवरण दें। एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें। सभी बच्चों को चर्चा में शामिल करें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर राष्ट्रीय पर्व से संबंधित कोई चित्र बनाने को कहें एवं चित्र पर अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों (7-8) में व्यक्त करने को कहें।
- इसके बाद बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 110 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-23 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 28 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 110

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 24 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और पाठ-20 **'भारत है मेरा घर'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- रानी बिटिया ने किसे अपना घर कहा था? कुछ अन्य शहरों के नाम बताओ?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों जैसे- सरासर आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ से चयनित गतिविधि-1 72 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 'भारत है मेरा घर' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 111 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 111 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण (जैसे- मेंढक कहाँ रहता है?) पर बच्चों से बातचीत करें। कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि पर पूर्व की तरह कार्य करें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें। कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 143 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- इमरती की फिल्म में और कौन-कौन रहा होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला? प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 24 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 [70] से चयनित पाठ्यांश 'रानी बेटियां..... आई घर।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका [167] और पाठ-20 **'भारत है मेरा घर'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के [167] पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- क्या रानी बिटिया चलते-चलते इतनी दूर जा सकती है? हाँ या नहीं और क्यों?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के [167] पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 3 और 4** [72] पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 'भारत है मेरा घर' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका [112] और संदर्शिका [173]

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका [112] पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 3 और 4 (10-15 मिनट) :** इस गतिविधि पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें। कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** इस गतिविधि पर पूर्व की तरह कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका [175] [176] [179] और कार्यपुस्तिका [143] प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- हाथी को ड्रम और गिटार बजाना कैसे आया होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों के अर्थ बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वो ऊबने लगें, तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें उस शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 71 से चयनित पाठ्यांश 'माँ ने पूछा..... मेरा घर।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 , पाठ-20 **'भारत है मेरा घर'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आप कब-कब झूठ बोलते हैं?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 5 और 8** 72 73 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 'भारत है मेरा घर' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 113 114 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 113 114 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुनः एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक गतिविधि पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 143 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आपको बादलों में कैसी-कैसी आकृतियां दिखाई देती हैं?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

कक्षा के बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के पाठ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 24 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 73 से 'इसे भी पढ़ो।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 , पाठ-20 **'भारत है मेरा घर'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

'इसे भी पढ़ो' का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित बच्चों से कुछ खुले एवं बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- फिर आप (इसे भी पढ़ो) का दो बार आदर्श वाचन करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- अंत में, आप पूरे पाठ की समझ पर आधारित (आप अपने देश के बारे में और क्या-क्या जानते हैं, आदि) पर विस्तृत चर्चा करते हुए पाठ को समेकित करें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों और समूहों में बाँटकर 'इसे भी पढ़ो' को पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से इसे पढ़कर कक्षा के बाकी बच्चों को सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ आधारित **गतिविधि 2** 72 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 'भारत है मेरा घर' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित, पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 115 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 115 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :

- सप्ताह-17 दिवस-4 के अनुसार इस पर कार्य करें।

मार्गदर्शन में पठन (5-7 मिनट) :

- सप्ताह-17 दिवस-4 के अनुसार इस पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट)** : इस गतिविधि से संबंधित एक वाक्य बोर्ड पर लिखें। इस गतिविधि को करने की प्रक्रिया बच्चों को समझाएँ। कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 2 और 3 (7-10 मिनट)** : इस गतिविधि पर मौखिक रूप से बच्चों के साथ चर्चा करें। कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट)** : इन गतिविधि पर पूर्व की तरह कार्य करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 143 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 1-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 1-3 से चयनित क्रम को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 1-3 में से किसी एक पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 1-3 से चयनित क्रम से संबंधित कुछ अन्य सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

प्रयास करें कि आज की गतिविधि में प्रतिभाग करने वाले सभी बच्चों को एक मिनट का समय मिले।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

सप्ताह 24 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएंगे ।

विषयवस्तु: संदर्शिका 168 171 और सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'टीवी देखना (सर्वेक्षण)'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका के 171 से देखें। गतिविधि से सम्बन्धित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर ,गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 'भारत है मेरा घर' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 116 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- आप कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक / कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 6-8 शब्दों के 4 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ।
- वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें।
- बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय / रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

☞ गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएं, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

सप्ताह 24 दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'मेरा घर' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **अपने-अपने घरों** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप विषय से संबंधित अपने अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय अपने घर से संबंधित विस्तृत विवरण दें।
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभवों को बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, अपने घर का चित्र बनाने को कहें एवं चित्र पर अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों (7-8) में व्यक्त करने को कहें।
- इसके बाद बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 116 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-24 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 29 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 116

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

सप्ताह 25 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और पाठ-21 **'घमंडी का बाग़'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 पर दिवस-1 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- सभी बच्चे कहाँ खेलने जाते थे? आपको अपने दोस्तों के साथ क्या-क्या खेलना अच्छा लगता है?

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप सप्ताह-7 दिवस-1 के अनुसार, पाठ में आए शब्दों जैसे- घमंडी, सख्त, पछतावा, चहारदीवारी आदि पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ से चयनित गतिविधि-3 77 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 'घमंडी का बाग़' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 117 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 117 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (10-15 मिनट) :** कुछ अन्य उदाहरण देकर इस गतिविधि की प्रक्रिया बच्चों को समझाएँ। फिर बच्चों को जोड़ियों में इस गतिविधि पर बातचीत करने को कहें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें और सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि 3 और 4 (10-12 मिनट) :** इन गतिविधियों पर पूर्व की तरह कार्य करें।

☞ बच्चों का ध्यान वाक्य संरचना एवं विराम चिह्नों पर दिलवाएं।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 144 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 1 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 1 पर सप्ताह-8 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 1 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आप स्कूल में देर से आने पर क्या-क्या बहाना बनाते हो?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण / अक्षर / शब्द / वाक्यांश / वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे, उन्हें पढ़कर बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ्यांश 74 से 'स्कूल से....... मना है।' को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-21 **'घमंडी का बाग़'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य शब्द बच्चों से पूछें। जैसे- पेड़ बच्चों का साथ पाकर बहुत खुश क्यों थे?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-2 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ से चयनित गतिविधि-4 77 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 'घमंडी का बाग़' पर समृद्ध समझ एवं लेखन कार्य करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 118 और संदर्शिका 173

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 118 पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट)** : आप सप्ताह-17 दिवस-1 की गतिविधि-1 के अनुसार कार्य करें।
- **गतिविधि-2 (10-15 मिनट)** : इन गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (10-15 मिनट)** : बच्चों को पाठ्यपुस्तक के पाठ के आधार पर आपस में मौखिक चर्चा करके उत्तर लिखने को कहें।

बच्चों का ध्यान वाक्य संरचना एवं विराम चिह्नों पर दिलवाएं।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 144 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 2 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 2 पर सप्ताह-8 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 2 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- आपको अपनी कक्षा में कब-कब मजा आता है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएं, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

सप्ताह 25 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 [74] से चयनित पाठ्यांश 'अब बच्चों.... छोटा था।' पर मार्गदर्शित पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका [167], पाठ-21 **'घमंडी का बाग'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के [167] पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ्यांश से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- हवा ने क्या कहा?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के [167] पर दिवस-3 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ की **गतिविधि 5** [77] पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 'घमंडी का बाग़' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका [119] [120] और संदर्शिका [174]

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका [119] [120] पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुनः एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक गतिविधि पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका [175] [176] [179] और कार्यपुस्तिका [144] प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 3 को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 3 पर सप्ताह-8 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 3 से संबंधित कुछ सरल प्रश्न पूछें। जैसे- क्या आपकी गायों के भी कुछ नाम हैं? अगर हाँ तो क्या-क्या नाम हैं?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

☞ पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों के अर्थ बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वो ऊबने लगें, तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें उस शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 76 से चयनित पाठ्यांश 'यह सब...... बच्चे ही हैं।' पर मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन अभ्यास।

विषयवस्तु: संदर्शिका 167 और पाठ-21 **'घमंडी का बाग'**

तैयारी: चयनित पाठ्यांश को पढ़कर प्रश्नों को तैयार कर लें।

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- आप किस-किस बात पर रोने लगते हो और क्यों?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 167 पर दिवस-4 में दिए गए पाठ्यपुस्तक के पाठ के चरणों के अनुसार कार्य करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ आधारित **गतिविधि 6** 77 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें, उनकी सहायता करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 'घमंडी का बाग़' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का मार्गदर्शित, पठन एवं लेखन अभ्यास

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 121 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 121 पर कार्य करें।

स्तति पाठ पर संक्षिप्त चर्चा (5 मिनट) :

- सप्ताह-17 दिवस-4 के अनुसार इस पर कार्य करें।

मार्गदर्शन में पाठ (5-7 मिनट) :

- सप्ताह-17 दिवस-4 के अनुसार इस पर कार्य करें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** शब्दों को पढ़ने एवं उनके अर्थों पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के अवसर दें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** इन गतिविधियों पर बच्चों को जोड़ियों में बातचीत करने को कहें। कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें, फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** इस गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देकर इस गतिविधि की प्रक्रिया बच्चों को समझाएँ। इस पर बच्चों के साथ मौखिक चर्चा करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** इस गतिविधि को बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 175 176 179 और कार्यपुस्तिका 144 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 1-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 1-3 से चयनित क्रम को पहले से पढ़कर कुछ प्रश्न बना लें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 1-3 में से किसी एक पर सप्ताह-8 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 1-3 से चयनित क्रम से संबंधित कुछ अन्य सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि करवाएँ।

अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं विस्तृत चर्चा करना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 166 और कहानी को नाटक संवाद के माध्यम से आगे बढ़ाना।

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका के 166 में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें। आप पहले के सप्ताहों में पढ़ाई/ सुनाई गई कहानियों का उपयोग भी कर सकते हैं।
- आप कहानियों के कुछ उदाहरण संदर्शिका 180 से 186 पर देख सकते हैं।

कहानी पर बच्चों के साथ समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कहानी पर अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछें। आप बच्चों को पढ़ी/सुनी कहानी का संवाद सहित अभिनय करके दिखाएँ, फिर बच्चों को भी अभिनय करके दिखाने को कहें।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को समूहों में बाँटकर, कहानी पर आधारित अभिनय तैयार करने को कहें। फिर प्रत्येक समूह को अपना अभिनय बाकी बच्चों को दिखाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में अपने विचार/समझ वाक्यों में व्यक्त करते हुए लिखने को कहें। फिर कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 'घमंडी का बाग़' पर आधारित स्तरीकृत पाठ का स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 122 और संदर्शिका 174

तैयारी: कार्यपत्रक की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

स्तरित पाठ पर आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई आ रही है, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक/कॉपी पर कार्य :

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी कॉपी खोलने को कहें। फिर 6-8 शब्दों के 4 वाक्य बोलें और लिखने को कहें, प्रत्येक वाक्य को कम से कम तीन बार दोहराएँ। वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के दिवस 3 एवं 5 में दिए गए पाठ का संदर्भ लें। बच्चों द्वारा लिखने के बाद उन्हें जोड़ियों में एक-दूसरे के लेखन कार्य जाँचने और गलतियों पर गोला लगाने को कहें। अंत में, आप बोले गए वाक्य बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से अपनी कॉपी में गोला किए गए शब्दों को सही करके दोबारा लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: संदर्शिका 176 179 , स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट)

- आप सप्ताह-1 दिवस-5 के अनुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँ।

गतिविधियों में कम प्रतिभाग करने वाले बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करें।

गतिविधियों पर कार्य की विस्तृत रणनीति के लिए विषयवस्तु में दिए गए संदर्शिका के पृष्ठों पर जाएं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को अपनी भाषा में 'खेल' विषय पर अनुभव साझा करने के मौके देना।

विषयवस्तु: संदर्शिका 160 161 और अनुभव पर चर्चा।

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **खेल** के बारे में बात करेंगे। इसके बाद आप विषय से संबंधित अपने अनुभव साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अनुभव साझा करते समय खेल से संबंधित विस्तृत विवरण दें।
- एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, अपने किसी मनपसंद खेल का चित्र बनाने को कहें एवं चित्र पर अपने विचार/समझ कुछ वाक्यों (7-8) में व्यक्त करने को कहें।
- इसके बाद बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य के बारे में बच्चों को, जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों को उनके लेखन कार्य पर फीडबैक दें और प्रोत्साहित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 122 और संदर्शिका 177 178

तैयारी: कार्यपुस्तिका, आकलन के प्रश्न पढ़ लें और आकलन करने की योजना पहले से तैयार कर लें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-25 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 30 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** के पाठ को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** के पाठ पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- बच्चों द्वारा दिये गए मौखिक प्रश्नों के उत्तर के लिए अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 122

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें।

बच्चों को गृहकार्य नियमित रूप से करने को दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को समय निकालकर जांचे।

कालांश-1 में कार्य करने की रणनीतियाँ

अकादमिक वर्ष 2024-25 में पहले कालांश में 40 मिनट का समय रहेगा, जिसमें बच्चों के साथ पाठ्यपुस्तक **'पंखुड़ी'**, मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन पर कार्य किया जाएगा। इसमें कुछ गतिविधियाँ पूरे साल चलती रहेंगी, परंतु समय के साथ गतिविधियों के स्तर में जटिलता बढ़ती जाएगी। अलग-अलग सप्ताहों में कालांश-1 की गतिविधियों को नीचे देखा जा सकता है-

कालांश-1

- **मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ (सप्ताह 1-4)**
  - चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य
  - अनुभव पर चर्चा (सप्ताह 1-25)
  - मौखिक भाषा विकास के खेल
  - सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की गतिविधियाँ
  - मौखिक कहानी सुनाना (सप्ताह 1-25)
- **पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास पर कार्य (सप्ताह 5-25)**
  - पाठ्यपुस्तक का उपयोग
    - पाठ्यपुस्तक के पाठों का आदर्श वाचन (दिवस-1)
    - बच्चों द्वारा शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन (दिवस 2-4)
  - अनुभव आधारित रोल प्ले/अभिनय (सप्ताह 23-25)
  - सृजनात्मक खेल गतिविधियाँ

☞ इन गतिविधियों पर कार्य करने की रणनीति आगे के पृष्ठों में दी गई हैं। कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में इन गतिविधियों पर कार्य करने से पहले, इनके चरणों को अवश्य पढ़ें।

☞ प्रत्येक कालांश की शुरुआत सौहार्दपूर्ण वातावरण की गतिविधि से करना है। जिसके चरण संदर्शिका के 171 पर दिए गए हैं।

चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य

अकादमिक सत्र के पहले कालांश में कक्षा-3 के बच्चों के साथ कार्य करने के लिए, विद्यालयों में **'चित्र कहानी पोस्टर'** उपलब्ध करवाए गए हैं। इन चित्र कहानी पोस्टरों का उपयोग सप्ताह 1-4 के दौरान किया जाएगा। **चित्र कहानी पोस्टर को कक्षा की दीवार पर चस्पा नहीं करना है।** इनकी सहायता से बच्चों के साथ, समूह में कार्य करवाए जाने की योजना है। प्रत्येक चित्र कहानी पोस्टर पर कुल दो दिनों **(दिवस 3 और 4 के पहले कालांश में)** कार्य किया जाएगा। इन पर कार्य करने की रणनीति को निम्नवत देखा जा सकता है-

दिवस 1

चित्र कहानी पोस्टर पर चर्चा

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और चित्र कहानी पोस्टर देखने के लिए कहें।
- इसके बाद चारों चित्रों को एक-एक करके दिखाते हुए बात करें। फिर बंद छोर के कुछ प्रश्न पूछें, जैसे- इस चित्र में कौन-कौन हैं? यह चित्र कहाँ का है?
- आप बच्चों को चित्र को समग्रता में देखने के लिए कहें।
- आप बच्चों को 4-5 के समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि उन्हें चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर, एक कहानी बनानी है।
- अब आप प्रत्येक समूह के किसी एक बच्चे से, उनकी कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें। बच्चे अगर अपने घर की भाषा में बोल रहे हों, तो उन्हें भी स्वीकार करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से चित्र कहानी पोस्टर पर बात करने को कहें एवं उन्हें कुछ शब्द या 1-2 वाक्य लिखने को प्रेरित करें। हर समूह को अपने द्वारा लिखे गए शब्दों/वाक्यों को, कक्षा में अपने साथी से साझा करने के लिए कहें।
- आप बच्चों द्वारा किए गए कार्य पर फीडबैक दें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

दिवस 2

चित्र कहानी पोस्टर पर चर्चा

- बच्चों को एक बार पुनः चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ। कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराएँ। फिर बच्चों से सरल प्रश्न पूछते हुए बातचीत करें, जैसे- कल की कहानी किसके बारे में थी?
- आप बच्चों को पहले दिन के समूहों में बाँटें और निर्देश दें कि उन्हें कल की कहानी को आगे बढ़ाना है। कहानी में बच्चे कुछ नए बिन्दुओं को जोड़ते हुए उसे आगे बढ़ाएँ, जैसे- कुत्ता चोट लगने पर क्यों गुस्सा हो गया? (चित्र कहानी पोस्टर-1)
- आप प्रत्येक समूह के बच्चों को अपनी-अपनी कहानी सुनाने के लिए कहें और यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा इस गतिविधि में प्रतिभाग करें। बच्चे अगर अपने घर की भाषा में बोल रहे हों, तो उन्हें भी स्वीकार करें।
- तीसरे और चौथे सप्ताह में बच्चे कहानियों में नए पात्र और घटनाओं को जोड़ते हुए, कहानी को आगे बढ़ाएँगे।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित चित्र बनाने, कुछ शब्दों या 1-2 वाक्य लिखने के लिए कहें। आप बच्चों द्वारा किए गए कार्य पर फीडबैक दें और उन्हें प्रोत्साहित करें। आप बच्चों को उनके समूह द्वारा लिखे गए शब्दों/वाक्यों को, दूसरे समूह से साझा करने के अवसर दें।

☞ चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य करने के दौरान, हमें शिक्षण प्रक्रिया को सरल से जटिल की ओर ले जाना होगा। चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य करते समय, आप शुरू के दो चित्र कहानी पोस्टरों पर बच्चों की अधिक सहायता करें। उसके बाद के चित्र कहानी पोस्टरों पर कार्य करते समय, आप बच्चों को प्रोत्साहित करें कि वे अधिक से अधिक प्रतिभाग करें और प्रक्रियाओं में शामिल हों। तीसरे चित्र चार्ट पर कार्य करते समय, आप लेखन कार्य के दौरान 2-3 वाक्यों की कहानी लिखने और सुनाने को कहें। इस पर कार्य के दौरान दैनिक शिक्षण योजना में दी गई समय अवधि, क्रमिकता एवं जटिलता के अनुसार कार्य करें।

अनुभव पर चर्चा

अनुभव पर चर्चा की गतिविधि प्रत्येक सप्ताह के **पाँचवें/छठे दिन** के पहले कालांश में प्रस्तावित है। इसके द्वारा मुख्य रूप से बच्चों एवं शिक्षकों के मध्य जुड़ाव बढ़ेगा। जिससे बच्चे अपने अवलोकन को अनुभव में अभिव्यक्त कर पाएंगे। इसके द्वारा सम्प्रेषण क्षमता का भी विकास होगा और अपनी बात रखते समय जब वे नए शब्दों का प्रयोग करेंगे, तो उनका शब्दावली विकास भी होगा। एन.सी.एफ. 2022 की अनुशंसाओं के अनुसार, बच्चों से उनके अनुभव पर चर्चा करते समय उनके घर की भाषा को महत्व देना चाहिए। अनुभव पर चर्चा की विषयवस्तु सीधे-सीधे किसी सप्ताह में पढ़ाए जा रहे पाठ से जुड़ी हुई है। जैसे- सप्ताह 12 में पाठ-9 **'वाराणसी की यात्रा'** पर कार्य के दौरान दिवस-6 में अनुभव पर चर्चा के लिए 'यात्रा' को विषय बनाकर चर्चा करेंगे। अनुभव पर चर्चा की रणनीति को आगे देखा जा सकता है-

अनुभव पर चर्चा

बच्चों को आज होने वाली चर्चा के विषयवस्तु के बारे में बताएँ। विषयवस्तु इस सप्ताह पढ़ाई गई थीम और बच्चों के परिवेश और जीवन से जुड़ी हुई होनी चाहिए। जैसे- बस से यात्रा, रेलगाड़ी से यात्रा आदि।

बच्चों के अनुभव सुनने से पहले, आप खुद के अनुभव से शुरुआत करें, जैसे- अगर आपको आगरा के बारे में बात करनी है, तो आप बताएँ कि आपने आगरा की यात्रा कैसे की? वहाँ क्या-क्या देखा? वहाँ क्या मशहूर है? आदि।

इसके बाद ऐसे ही प्रश्न बच्चों से भी पूछें और अन्य बच्चों को ध्यान से उत्तर सुनने को कहें।

अनुभव सुनाने के दौरान यदि बच्चे अपनी तरफ से नए बिन्दुओं को जोड़ते हैं, तो उन्हें स्वीकार करें। सभी बच्चों को कम से कम 2-3 वाक्य बोलने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को स्थानीय भाषा में अपने अनुभव एवं विचार साझा करने के भरपूर मौके दें।

☞ अनुभव पर चर्चा की गतिविधि बच्चों के साथ पूरे वर्ष होनी है। ऐसे में जैसे-जैसे काम आगे बढ़ता जाएगा, इस गतिविधि की जटिलता भी बढ़ती जाएगी। आपको यह ध्यान रखना है कि कुछ-कुछ सप्ताहों के बाद, प्रश्नों में जटिलता बढ़ाते जाएं। जैसे-

सप्ताह 1-8 : आप ऊपर दिए गए चरणों के आधार पर कार्य कर सकते हैं।

सप्ताह 9-15 : आप बच्चों से अपने अनुभव सुनाते समय 4-5 वाक्यों में, अपनी बात रखने को कह सकते हैं। साथ ही, आपको यह भी ध्यान रखने की जरुरत है कि इस दौरान बच्चों का वाक्य विन्यास पहले के 8 सप्ताहों से बेहतर हो। वे संरचनात्मक रूप से बेहतर वाक्य अभिव्यक्त कर पाएं।

सप्ताह 16-25 : इस दौरान बच्चों को अपने अनुभव को सुनाने का दायरा और व्यापक करना होगा। जैसे- बच्चे अपने अनुभव से बाहरी दुनिया को जोड़ सकें। अपने अनुभवों के बारे में अपने साथियों को बता सकें और 6-7 वाक्यों में अपनी बात बता सकें। बच्चे समूहों में रोल प्ले/अभिनय आदि के माध्यम से भी, अपने अनुभव के बारे में बता पाएं। अनुभव पर चर्चा पर कार्य के दौरान, दैनिक शिक्षण योजना में दी गई क्रमिकता एवं जटिलता के अनुसार कार्य करें।

मौखिक भाषा विकास के खेल

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022 यह सुझाती है कि शुरूआती दौर में बच्चों को खेल-खेल में सीखने के मौके देने चाहिएं। इसी बात को ध्यान में रखकर मौखिक खेल विकास की गतिविधियाँ दी गई हैं। कक्षा-3 में मौखिक खेल विकास की गतिविधियाँ **1-4 सप्ताह** के **पहले** और **चौथे दिन** में कराई जाएंगी। मौखिक खेल विकास की गतिविधियों के कुछ उदाहरण नीचे देखे जा सकते हैं-

1. शब्द अन्त्याक्षरी

- बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। हर समूह को 2-3 पर्चे दें, जिनमें हिन्दी के एक-एक सरल शब्द लिखे हुए हों।
- सबसे पहले हर समूह में से कोई एक बच्चा अपनी मर्ज़ी से, इनमें से एक पर्ची को उठाकर शब्द को पढ़ेगा। उसके दाईं तरफ वाले बच्चे को, उस शब्द के आखिरी वर्ण की ध्वनि से नया शब्द बनाना है।
- कोई भी शब्द दोबारा उपयोग में नहीं लाया जा सकता। बच्चे अपने घर की भाषा में उपयोग किए जाने वाले शब्दों का भी प्रयोग कर सकते हैं। यह अनिवार्य होगा कि ऐसे शब्दों के अर्थ को, वह दूसरे बच्चों को बताएँ। इस तरह, बारी-बारी से यह प्रक्रिया समूह में चलेगी।
- अगर कोई बच्चा शब्द नहीं बताता, तो उसके बाद वाले बच्चे को बताना होगा। यह तब तक चलता रहेगा, जब तक सारे बच्चे किसी एक वर्ण पर आकर ना अटक जाएं और आखिरी वर्ण से कोई नया शब्द ना बना पाएं।
- इसके बाद सारे बच्चों को याद करके अन्त्याक्षरी में उपयोग किए गए, कम-से-कम 5 कठिन/अपरिचित शब्दों को अपने पेपर पर लिखना होगा और समूह में साझा करना होगा।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद, हर समूह के कार्य को कक्षा के **'बच्चों के काम का कोना'** **(Students work corner)** में लगा दें।

2. कानाफूसी

- आप बच्चों से गोल घेरे में बैठने के लिए कहें। फिर एक बच्चा अपने पास बाईं ओर बैठे साथी के कान में कोई शब्द या वाक्य धीरे से बोले। जिसे लिखकर आपने एक पर्ची में उसे दिया है, ताकि दूसरा कोई सुन न सके।
- फिर सुने गए शब्द या वाक्य को बच्चे अपने पास बैठे साथी के कान में बोलेंगे,। जब तक कि अंतिम बच्चे तक यह बात न पहुँच जाए।
- अब अंतिम बच्चे से पूछें कि उसने क्या सुना? उसने जो भी सुना हो, उसे वह समूह में जोर से बोलकर बताए। जिस बच्चे ने सबसे पहले, यह शब्द या वाक्य अपने साथी के कान में कहा था, उससे पूछें कि यह शब्द/वाक्य क्या था?
- दोनों को मिलाकर देखें कि इनमें कोई अंतर है कि नहीं।

यह गतिविधि समय की उपलब्धता के अनुसार, एक शैक्षणिक दिवस में 2-3 बार की जा सकती है।

3. बूझो तो जानें

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम सब एक गतिविधि करेंगे, जिसका नाम है 'बूझो तो जानें।' बच्चों से अनुमान लगाने को कहें कि इस गतिविधि में क्या होगा ?
- आप बच्चों को 2 समूहों में बाँट दें और बताएँ कि वे एक-एक करके समूह से पहेली पूछेंगे। यदि वह समूह उत्तर नहीं बता पाएगा, तो दूसरे समूह को उत्तर देना होगा। सही उत्तर बताने वाले समूह को 1 अंक मिलेगा। इस प्रकार, जिस समूह के अधिक अंक होंगे, उसको विजेता माना जाएगा।
- अंत में, पहेलियों में आए मुख्य शब्दों को आप बोर्ड पर लिख दें और बच्चों को शब्द पढ़ने को बोलें।

4. बूझो मैंने क्या देखा

- आप किसी एक बच्चे को कक्षा से बाहर भेजें। वह बाहर से कोई भी एक चीज देखकर आए। उस चीज का नाम न लेते हुए, उसके बारे में कक्षा में एक वाक्य में बताए। उदाहरण के लिए, बच्चा बोले- मैंने एक भूरी चीज देखी।
- बाकी बच्चे कुछ प्रश्न पूछकर अंदाजा लगाने की कोशिश करेंगे कि वह चीज क्या है? प्रश्न ऐसे हों, जिनका जवाब केवल हाँ/नहीं में दिया जा सके। उदाहरण के लिए, बच्चों ने पूछा- क्या वह स्कूल के अंदर है? नहीं। क्या वह कोई जानवर है? हाँ। क्या तुमने गिलहरी देखी? नहीं। क्या वह कोई चिड़िया है? नहीं। क्या हम उस जानवर को पालते हैं? हाँ। क्या वह कुत्ता है ? नहीं। क्या वह गाय है? हाँ। अब बच्चा बताए कि मैंने बाहर एक भूरी गाय देखी।
- इसी तरह अलग-अलग बच्चों को बाहर जाने का और सवालों के जवाब देने का मौका दें। शुरूआत में आप स्वयं इसको करके दिखाएँ।
- एक चीज के 7-8 प्रश्न ही पूछ सकते हैं। आप प्रयास करें कि सभी बच्चों को, इस गतिविधि में प्रतिभाग करने का मौका मिले।
- बच्चों को उनके द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर से जुड़ा चित्र बनाने, उसके बारे में अपने साथी को बताने को कहें। 3-4 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

5. बताओ मैं क्या हूँ

- कागज की लम्बी पट्टियां काटकर उनके दोनों सिरों पर धागा बांध लें। धागे इतने लम्बे हों कि बच्चों के सिर के चारों तरफ आ जाएं। बच्चों को 2-3 समूहों में बाँटें।
- हर पट्टी पर कुछ शब्द लिखे हों, जैसे पशु-पक्षी, व्यवसाय आदि के नाम।
- ध्यान रखें कि जिस बच्चे के सर पर पट्टी बांधी जा रही हो, उस बच्चे को शब्द का पता न हो।
- हर समूह के किसी सदस्य के सर पर शब्द की पट्टी हो, उस समूह के किसी अन्य बच्चे द्वारा अभिनय किया जाए। पहले समूह के बच्चे को अभिनय के आधार पर शब्द को पहचानना है। सभी समूहों को बारी-बारी से मौका दें।
- अब बच्चे से उस हाव-भाव को समझने को कहें।
- समूह कार्य के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के पर्याप्त अवसर मिलें। यदि कोई बच्चा झिझक रहा हो, तो आवश्यकतानुसार उसकी सहायता करें।

6. घर से स्कूल तक का सफर

- आप बच्चों को एक दिन पहले घर से स्कूल आने तक के रास्ते को देखने को कहें। रास्ते में महत्वपूर्ण जगहों (जैसे मंदिर, मस्जिद, तालाब, दुकान, बाजार, बाग-बगीचा आदि) और दिशा को ध्यान में रखने को कहें। मानचित्र पर उनकी समझ के लिए, पहले दिन ही उदाहरण देकर समझाएँ और गतिविधि वाले दिन भी उदाहरण दें।
- आप बच्चों को उनके घर से लेकर स्कूल तक का मानचित्र एक पेपर में बनाने को कहें।
- आप हर बच्चे को बारी-बारी से कक्षा में प्रस्तुति के लिए आमंत्रित करें।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद, समूह कार्य के पेपर को कक्षा में **'बच्चों का कोना'** (**Students' Work Corner**) में लगा दें।

7. क्या बदला?

- कक्षा के बच्चों को दो समूहों में बाँटकर, उन्हें आमने-सामने सीधी लाइन में खड़ा करें।
- अब दोनों समूहों को निर्देश दें कि वे अपने ठीक सामने समूह में खड़े साथी को एकदम ध्यान से देखें।
- अब किसी एक समूह के सभी बच्चों को उल्टी दिशा में मुड़ने को कहें। इस दौरान दूसरे समूह के बच्चे अपने में कुछ बदलाव कर लें। जैसे- बाल बनाने का तरीका, शर्ट इन या आउट आदि।
- अब दूसरे समूह के बच्चे वापिस मुड़कर, अपने ठीक सामने वाले बच्चों में हुए बदलाव को बताएँ। इस प्रक्रिया को दूसरे समूह के बच्चों के साथ भी दोहराएँ।
- जिस समूह के बच्चे सबसे अधिक और सही अंतर बता पाएंगे, वह समूह जीत जाएगा।

8. पहचानो कौन हूँ मैं

- आप बच्चों से कहें कि आप अपने दिमाग में एक जानवर के बारे में सोच रहे हैं। आपको संकेत सुनकर, उन्हें बताना है कि वह कौन-सा जानवर है?
- आप कुछ ऐसे संकेत दे सकते हैं, जैसे- यह जानवर कार से भी बड़ा है। स्लेटी जैसा रंग है, लेकिन इसके पंख नहीं हैं। इसके शरीर पर बाल भी नहीं है। पंखे जैसे दो बड़े-बड़े कान है। पूँछ से लंबी इसकी नाक है। वजन इतना है कि धम-धम चलता है।
- जो बच्चा सही बता दे, उसे अपनी जगह पर बुलाएँ और खेल को आगे बढ़ाने के लिए कहें। आप उस बच्चे की जगह जाकर बैठ जाएं। आप इनके नामों को पहचानने में बच्चों की सहायता करें। बच्चे यह गतिविधि अन्य वस्तुओं (सजीव/निर्जीव) के साथ भी कर सकते हैं। जैसे- पेड़, फल, मौसम, इस्तेमाल में आने वाली वस्तुएँ इत्यादि।

9. चीजों के बारे में बताना

- आप बच्चों को गोल घेरे में बिठा दें और कुछ वस्तुएँ उनके बीच में रख दें। एक कागज की गेंद बनाकर अपने पास रखें।
- अब किसी भी बच्चे को गोल घेरे में बुलाएँ और गेंद उछालने को कहें। बच्चे द्वारा उछाली गई गेंद जिसकी तरफ भी जाएगी, उस बच्चे को घेरे के बीच में बुलाएँ और वहाँ रखी किसी एक वस्तु को उठाकर, उसके बारे में 2-3 वाक्य बोलने को कहें। आप पहले यह गतिविधि खुद बच्चों को करके दिखाएँ।
- जैसे- गेंद यदि सचिन के पास गई, तो सचिन गोल घेरे में आएगा और वहाँ रखी एक वस्तु उठाएगा। उदाहरण के लिए, सचिन ने चॉक उठाई और फिर सचिन ने चॉक के बारे में 2-3 वाक्य बोले। जैसे- चॉक बोर्ड पर लिखने के काम आती है। यह पतली और लम्बी होती है। यह रंग-बिरंगी होती है। तोड़ने पर वह पाउडर बन जाती है। वह आसानी से टूट भी जाती है, आदि।
- बच्चा वाक्य बताने के बाद धीरे से दोबारा गेंद को उछालेगा और जिसकी तरफ गेंद जाएगी, वह बच्चा फिर घेरे के पास आ जाएगा एवं कोई दूसरी वस्तु उठाकर उसके बारे में 2-3 वाक्य बोलेगा।
- यह प्रक्रिया सभी बच्चों के साथ की जाएगी।
- जब सभी बच्चों के साथ यह प्रक्रिया हो जाए, तब बच्चों को घेरे में रखी उनकी पसंद की किसी वस्तु का चित्र बनाने को कहें और चित्र के बारे में अपने साथी को बताने को कहें।

सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की गतिविधियाँ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं एन.सी.एफ. 2022 दोनों दस्तावेज बच्चों के समग्र विकास के बारे में बात करते हैं। बच्चों के समग्र विकास में संज्ञानात्मक विकास के साथ-साथ सामाजिक और भावनात्मक विकास भी शामिल है। वर्ष 2024-25 की अकादमिक योजना में भाषा की कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में सामाजिक और भावनात्मक विकास को, एक महत्वपूर्ण जगह दी गई है। अकादमिक सत्र 2024-25 में कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया के दौरान सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की प्रक्रियाओं का सतत रूप से समावेश करना प्रस्तावित है। आप इसके लिए निम्न बातों का ध्यान रखें-

- सप्ताह 1-4 के पहले दिन के पहले कालांश में सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की गतिविधियाँ की जानी हैं। आप आगे के सप्ताहों में शिक्षण के दौरान भी इस तरह की गतिविधियाँ करवाते रहें।
- कक्षा में बच्चों की भावनाओं को व्यक्त करने के अवसर सृजित किए जाएं।
- कालांशों की शुरूआत कहानी/कविता/खेल से हो, ताकि बच्चे सहज हो पाएं। इसके साथ ही जब बच्चों का जुड़ाव या सहभागिता कम हो जाए, तो उनके साथ छोटी कविता/खेल करवाएँ, ताकि उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ा जा सके।
- बच्चों से संवाद करते समय संवेदनशीलता बरती जाए। कक्षा संचालन से संबंधित नियम बनाने, अनुशासन बनाए रखने की प्रक्रियाओं में शामिल किया जाए, आदि।

1. अभिवादन

- बच्चों को अपना परिचय दें और अभिवादन के तौर पर कोई क्रिया करें। जैसे- नमस्ते करना, ताली बजाना, तितली की तरह हाथ हिलाना आदि। बच्चों से भी वह क्रिया दोहराने के लिए कहें।
- अब बच्चों से कहें कि वे भी एक-एक करके अपना नाम बताएँ और साथ में कोई (नई) क्रिया करें। जैसे- कमर पर हाथ रखकर हिलना, अपनी सभी अंगुलियां हिलाना आदि।
- जब कोई बच्चा अपना नाम बताते हुए कोई क्रिया करे, तो दूसरे बच्चों से भी उस क्रिया को दोहराने के लिए कहें।
- जब बच्चे अपना नाम बता रहे हों, तब आप चार्ट पेपर पर उनका नाम लिखते जाएं। बच्चों के नाम को इतने बड़े-बड़े अक्षरों में लिखें कि इन्हें कक्षा में सभी जगह से पढ़ा जा सके। चार्ट को कक्षा-कक्ष में बच्चों की ऊँचाई के अनुसार ऐसी जगह चिपकाएं, जिसको बच्चे आसानी से देख सकें।

2. मुझे कब अच्छा नहीं लगता

- आप बच्चों को बताएँ कि आप कागज की गेंद बारी-बारी से उनके बीच घुमाएंगे। गेंद जिस बच्चे के पास पहुँचेगी, तो उस बच्चे को यह बताना है कि वह उदास कब होता है। जैसे- स्कूल में किसी ने आपका खाना खा लिया हो या स्कूल से घर जाते समय रास्ते में ठोकर लग जाए।
- गतिविधि की शुरूआत आप स्वयं करें और सबसे पहले बताएँ कि आप कब-कब उदास होते हैं।
- अब गेंद घूमते हुए जिस बच्चे के पास पहुँचेगी, तो उसे अपनी बात कहने का मौका दें।
- इसी तरीके से बारी-बारी से प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका दें।

3. भावनाएं

- बच्चों को बताएँ कि आप उन्हें कुछ खास स्थितियां देंगे और उन्हें बताना है कि वे उस स्थिति में होते तो किस तरह की प्रतिक्रिया देते। बच्चों को उस स्थिति को भावनाओं में अभिनय द्वारा व्यक्त करके दिखाना है।
- आप एक उदाहरण देकर इस गतिविधि को बच्चों को समझाएँ।
- बच्चों को 1-1 करके निम्नलिखित संकेत दें-
  - मम्मी ने रसगुल्ले बनाए हैं और आपको सबसे अधिक दिए हैं। आपको कैसा लगेगा?
  - खेलते समय आपको ठोकर लग गई और आप गिर पड़े। आपको कैसा लगेगा?
  - आपके सहपाठी ने खाने के डिब्बे में से सारा खाना खा लिया। आपको कैसा लगेगा?
  - आपके पिताजी आपके लिए खिलौने लेकर आए। आपको कैसा लगेगा?
  - आपके दादाजी आपको मेला घुमाने ले गए। आपको कैसा लगेगा?
- अब आप क्रम से प्रत्येक बच्चे को 1-1 स्थिति बताएँ और उन्हें अपनी भावनाओं को अभिनय द्वारा व्यक्त करने को कहें। बच्चों को अभिनय करते समय, कुछ वाक्य (डायलॉग) बोलने के लिए कहें।
- जिन बच्चों को गतिविधि करने में झिझक हो रही हो, आप उन्हें गतिविधि करने के लिए प्रोत्साहित करें।

4. भावनाओं के भी चित्र होते हैं

- आप सभी बच्चों को 2-2 के जोड़ों में बाँट दें। सभी जोड़ों को 1-1 खाली पेपर दें। अगर पेपर नहीं है, तो यह कार्य कॉपी पर भी कर सकते हैं।
- अब बच्चों को बताएँ कि आप उन्हें कुछ खास इमोजी (भावनाओं का चित्र) देंगे। उन्हें इमोजी पहचानना है और उन्हें ऐसा कब और क्यों महसूस हुआ, इससे संबंधित अनुभव साझा करने को कहें।
- आप बच्चों को बारी-बारी से विभिन्न इमोजी दिखाएँ, जैसे- खुश होना 🙂 , रोना 😢 , चिढ़ जाना 😒 , गुस्सा होना 😠 , डर जाना 😨 , दुखी होना ☹ , उत्साहित होना 🤩 , आश्चर्यचकित होना 😮 , पसंद आना 😀 (चित्र में दिख रही स्माइली ☹ को आप बच्चों को सहयोग देने के लिए बोर्ड पर बना दें।)
- बच्चों से एक-दूसरे की भावनाओं को पूछकर, उसकी इमोजी बनाने को कहें।
- प्रत्येक इमोजी पर बातचीत करने के लिए कक्षा के 5-7 बच्चों को आमंत्रित करें। यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को 2 भावनाओं पर अनुभव साझा करने का अवसर मिले। आप आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- बच्चों को अपनी बात अपने घर की भाषा में रखने के भरपूर अवसर दें।

☞ सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव से संबंधित गतिविधियाँ खाली समय में बच्चों के साथ करें, ताकि बच्चों में लक्ष्य तय करने, व्यवहार में संतुलन रखने, सूचनाओं को समझने, निर्णय लेने और बेहतर संबंध का निर्माण करने की क्षमता का विकास हो सके।

इस अकादमिक सत्र में सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की गतिविधियों पर कार्य करने के दौरान बच्चों में अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ाने वाली, भावनाओं को पहचानने वाली, भावनाओं को व्यक्त करने वाली एवं नियम बनाने संबंधित गतिविधियाँ शिक्षण योजनाओं में दी गई हैं।

मौखिक कहानी सुनाना

मौखिक कहानी सुनाने की गतिविधि द्वारा बच्चों की अभिव्यक्ति क्षमता विकास पर कार्य किया जाएगा। कक्षा-3 में **सप्ताह 1-4** में दूसरे दिन और **सप्ताह 5-25** में पाँचवें दिन के पहले कालांश में मौखिक कहानी सुनाने पर कार्य किया जाएगा। मौखिक कहानी सुनाने की रणनीति को नीचे दिए गए विवरण में देखा जा सकता है-

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)
- सबसे पहले आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई, किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- बीच-बीच में आप कहानी से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें।

कहानी पर बच्चों के साथ समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)
- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ 5-7 खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान एवं तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें जैसे- यदि इस कहानी में तुम होते तो क्या करते?

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर कहानी से संबंधित चर्चा करने को कहें। जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों?

लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/ समझ कुछ वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं व्यक्तिगत फीडबैक दें। कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

☞ मौखिक कहानी सुनाने की गतिविधि की प्रक्रिया में सरल से जटिल की ओर बढ़ते हुए कार्य किया जाएगा। सुनाई जाने वाली कहानी भी सरल से जटिल होती जाएगी, जिसके चरण शिक्षण योजनाओं में दिए गए हैं। मौखिक कहानी आधारित लेखन कार्य में पहले दो सप्ताहों में 1-2 वाक्यों या कुछ शब्दों में किया जाएगा। सप्ताह 3-4 में 2-3 वाक्यों में बच्चों को कहने/लिखने को कहें। इसके आगे के सप्ताहों में 2-5 वाक्यों में अपनी बात कहने/लिखने का कार्य किया जाएगा।

☞ कहानियों के कुछ उदाहरण संदर्शिका 180 से 186 पर देख सकते हैं।

पाठ्यपुस्तक का उपयोग

अकादमिक वर्ष 2024-25 में पहले कालांश में पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' का उपयोग सप्ताह के शुरूआती चार दिनों में किया जाएगा। इन चार दिनों में पाठ के पठन का कार्य भी होगा। जिसमें आदर्श वाचन, मार्गदर्शन में पठन पर कार्य किया जाएगा। इन्हीं चार दिनों में पाठ्यपुस्तक में दी गई गतिविधियों के अभ्यास पर भी कार्य करवाया जाएगा। गतिविधियों पर कार्य करवाते समय सरल से कठिन की तरफ आगे बढ़ा जाएगा। अर्थात दिवस 1 में सरल गतिविधियों से शुरुआत होगी और उसके बाद धीरे-धीरे चौथे दिन तक गतिविधियों की कठिनाई का स्तर बढ़ता जाएगा। सप्ताह 5 से 25 में दिवसवार पाठ्यपुस्तक का उपयोग किस तरह से किया जाएगा, इसके लिए पाठ्यपुस्तक 'पंखुड़ी' के पाठ-2 **'मुर्गा और लोमड़ी'** का उदाहरण नीचे देखा जा सकता है-

दिवस-1

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- आप पाठ के चित्रों और शीर्षकों के आधार पर प्रश्न पूछकर पाठ की पाठ्यवस्तु का अनुमान लगवाएँ।
- आप पूरे पाठ का आदर्श वाचन करें। इस दौरान बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए कुछ सरल प्रश्न पूछें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)
- पाठ से संबंधित अन्य प्रश्न बच्चों से पूछें। जैसे- क्या आपने कभी जंगल के जानवर देखे हैं? क्या आप अपने गाँव से जुड़ी कोई ख़बर या समाचार जानते हैं? यदि हाँ, तो सभी को बताएँ।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)
- पाठ में आए कठिन और अमूर्त शब्दों, जैसे- समाचार, खूँखार, समझौता आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।
- इन शब्दों का उपयोग करते हुए बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। फिर पूरे पाठ का एक बार आदर्श वाचन करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ से चयनित गतिविधि 2 के 13 पर बच्चों से मौखिक रूप से कार्य करवाएँ। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

दिवस-2

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित 2-3 सरल प्रश्न बच्चों से पूछें। आप एक बार पुनः पूरे पाठ का आदर्श वाचन करें।
- फिर आप चयनित पाठ्यांश का आदर्श वाचन करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- अंत में, आप पाठ्यांश की समझ पर आधारित कुछ खुले छोर के प्रश्नों को पूछें। जैसे- मुर्गे को नीचे बुलाने के लिए लोमड़ी और क्या बोल सकती थी?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों और समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आप आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से चयनित पाठ्यांश को पढ़कर, कक्षा के बाकी बच्चों को सुनाने को कहें। अन्य बच्चे अपनी किताब में पढ़ें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित गतिविधि 5 को 13 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

दिवस-3

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित कुछ खुले एवं बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- फिर आप चयनित पाठ्यांश का आदर्श वाचन करें।

पाठ्यांश पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- अंत में, आप पाठ्यांश की समझ पर आधारित कुछ खुले छोर के प्रश्नों को पूछें। जैसे- मुर्गे ने गर्दन उठाकर दूर की चीजें देखीं, वैसे ही आपको दूर के समाचार और खबरें किन-किन माध्यमों से पता चलती हैं?

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों और समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से चयनित पाठ्यांश को पढ़कर, कक्षा के बाकी बच्चों को सुनाने को कहें। अन्य बच्चे अपनी किताब में पढ़ें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित गतिविधि 4 को 13 पर बच्चों से मौखिक चर्चा करें और उत्तर लिखने को कहें। फिर गतिविधि-7 करने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर आप व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

दिवस-4

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए पाठ से संबंधित कुछ खुले एवं बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- फिर आप चयनित पाठ्यांश का आदर्श वाचन करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (5-7 मिनट)

- अंत में, आप पूरे पाठ की समझ पर आधारित विस्तृत चर्चा करते हुए पाठ को समेकित करें। जैसे- कहानी की शुरूआत, मध्य और अंत में क्या हुआ था? इस पर बच्चों से बातचीत करें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों और समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आप आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- फिर आप कुछ बच्चों से चयनित पाठ्यांश को पढ़कर, कक्षा के बाकी बच्चों को सुनाने को कहें। अन्य बच्चे अपनी किताब में पढ़ें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप पाठ से चयनित गतिविधि 1 और 8 को 13 पर पहले बच्चों से मौखिक चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें और उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।

प्रत्येक दिन की शिक्षण योजना पढ़कर ही शिक्षण कार्य करवाया जाना प्रस्तावित है। पाठों पर पठन की प्रक्रिया के दौरान, यह सुनिश्चित करें कि 4 दिनों में सभी बच्चों को पढ़ने का मौका मिलना चाहिए।

पाठ्यपुस्तक आधारित गतिविधियों पर कार्य दूसरे कालांश में भी दिवस 1-4 में किया जाएगा। इन गतिविधियों का विवरण आपको इस संदर्शिका के दूसरे कालांश की गतिविधियों में मिलेगा।

अनुभव आधारित रोल प्ले/अभिनय

कक्षा-3 के भाषा के पहले कालांश में अनुभव आधारित रोल प्ले/अभिनय को एक महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। किसी सुनी हुई कहानी या अनुभव का अभिनय करना बच्चों के लिए, उसके विषयवस्तु एवं भावनाओं के बीच संबंध बिठाने का उपयुक्त तरीका है। **शुरूआती कक्षाओं में अभिनय का उद्देश्य नाटक करना नहीं है।** अभिव्यक्ति और बातचीत के लिए एक प्रभावी स्थिति देना इसका मुख्य उद्देश्य है। कक्षा में अभिनय करवाने के लिए बच्चों को कराए गए पाठ, सुनाई गई कहानी, कहानी की घटनाओं एवं रोजमर्रा के जीवन-अनुभव काम में लिए जा सकते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि अभिनय में भी बच्चों को आसान कार्य से धीरे-धीरे जटिल गतिविधियों की ओर ले जाने की तैयारी शामिल हो।

कहानी में आए पात्रों और घटनाओं का जोड़ियों और समूहों में अभिनय करने के निम्न चरण हैं-

1. बच्चों द्वारा यह तय करना कि कौन बच्चा क्या बनेगा? (शिक्षक की देखरेख में)
2. सभी बच्चों द्वारा आपस में अपनी-अपनी भूमिका की तैयारी करना और प्रस्तुत करना। (शिक्षक अवलोकन करेंगे।)
3. अंत में, अभिनय को कक्षा के दूसरे बच्चों के सम्मुख प्रस्तुत करना। सभी समूहों एवं आपके द्वारा अभिनय की समीक्षा (सकारात्मक एवं सुझावात्मक) करना।

सृजनात्मक खेल गतिविधि

इस गतिविधि से बच्चों को अपने मौखिक भाषा के कौशलों का उपयोग कर रोचक सृजनात्मक कार्य करने का मौका मिलेगा। वे किसी कार्य में सामूहिक जिम्मेदारी निभाने जैसे महत्वपूर्ण अनुभव भी प्राप्त कर पाएंगे। **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022** में भी बच्चों के शुरूआती दौर में सृजनात्मक कार्य को महत्वपूर्ण माना गया है। सृजनात्मक कार्य समूहों में किया जाएगा। इससे उन्हें बातचीत एवं आपसी सहयोग के बहुत सारे अवसर मिलेंगे। आपस में कार्य करने से बच्चों के आपसी संबंध भी बेहतर होंगे और वे अपनी कक्षा के सहपाठियों से जुड़ाव महसूस करेंगे।

समूह कार्य को व्यवस्थित रूप से आयोजित करने की रणनीति को निम्नवत देखा जा सकता है-

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटे। ध्यान रहे कि हर समूह में लगभग समान संख्या में बच्चे हों।
- समूहों का निर्धारण हमेशा रोचक तरीके से करने का प्रयास करें। जैसे- आप नदियों का, मिठाइयों का, जानवरों का, पक्षियों का या ऐसा ही कोई अन्य मजेदार नाम रखकर समूह बनवा सकते हैं।
- बच्चों द्वारा गतिविधि करते समय आप कक्षा में घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन करें और उन्हें जरुरी सहायता प्रदान करें।
- सारे समूह बनाने के बाद उन्हें सर्वसम्मति से अपना ग्रुप लीडर चुनने को कहें। ग्रुप लीडर यह सुनिश्चित करेगा/करेगी कि ग्रुप का हर सदस्य गतिविधि में हिस्सा ले रहा/रही है।
- सभी समूहों को कार्य समझाएँ और यह सुनिश्चित करें कि सभी समूहों ने अपना कार्य कर लिया है, क्योंकि अलग-अलग समूहों को अलग-अलग समय अवधि लग सकती है।
- प्रस्तुति के लिए समूह के हर बच्चे की भागीदारी अपेक्षित है। अगर प्रस्तुति का समय कम है, तो उन बच्चों को प्रस्तुति देने को प्रोत्साहित करें, जो प्रायः अपनी समझ को दूसरों के साथ साझा करने में हिचकते हैं।
- हर समूह का उत्तर अलग-अलग हो सकता है। बच्चों को सही या गलत के पैमाने पर ना आँके। ये सारी गतिविधियाँ बच्चों के समझ को सुदृढ़ करने के लिए हैं। यह कहने के बजाय कि 'यह सही नहीं है', 'अगर आप इसे ऐसा लिखते/करते तो बेहतर होता' जैसे वाक्यों का प्रयोग करें।
- अगर बच्चे अपेक्षित तरीके से कार्य नहीं कर पा रहे हैं, तो उन्हें सही उत्तर देने के बजाय सुझाव दें और बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों को यह महसूस कराना कि आप उन पर विश्वास करते हैं, उनकी सहायता के लिए उनके साथ खड़े हैं, यह उनके समग्र विकास के लिए अत्यंत जरुरी है।

पूरे वर्ष में कराई जाने वाली सृजनात्मक गतिविधियाँ नीचे दी गई हैं-

1. साइकिल बनाओ, काम बताओ

- आप बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें और हर समूह को साइकिल का चित्र बनाकर, उसके प्रत्येक भाग के नाम के साथ उसके कार्य को बताने को कहें।
- समूह में कार्य करने के बाद आप बारी-बारी से हर समूह को कक्षा में प्रस्तुति के लिए आगे बुलाएँ।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद समूह कार्य के पेपर को कक्षा के **'बच्चों का कोना'** (**Students' Work Corner**) में लगा दें।

☞ इसी प्रकार कुछ अन्य गतिविधियाँ भी करा सकते हैं, जैसे- पंखा बनाओ काम बताओ, कम्प्यूटर बनाओ काम बताओ आदि।

2. कक्षा का मानचित्र

- आप बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें और हर समूह को बैठने के लिए एक निर्धारित जगह दें।
- हर समूह को अपनी जगह से कक्षा का मानचित्र बनाना होगा। साथ ही, बच्चों से उस मानचित्र के निर्देश को शब्दों में लिखने के लिए कहें।
- उदाहरण- आप बोर्ड पर मानचित्र बनाते हुए समझाएँ।
- समूह में कार्य करने के बाद आप बारी-बारी से हर समूह को कक्षा में प्रस्तुति के लिए आगे बुलाएँ।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद समूह कार्य के पेपर को कक्षा के **'बच्चों का कोना'** (**Students' Work Corner**) में लगा दें।

☞ इसी प्रकार कुछ अन्य गतिविधियाँ भी आप करा सकते हैं। जैसे- घर, रसोई, गली आदि का मानचित्र।

3. किताब से शब्द छाँटो

- आप कक्षा को चार समूहों में बाँटें और सभी समूह को एक-एक कहानी की किताब दें।
- आप सभी बच्चों को कहानी से 'क्रिया शब्द' (जैसे- भागना, कूदना, हँसना इत्यादि) छाँटकर लिखने को कहें।
- आप, क्रिया शब्द के संबंध में बच्चों से चर्चा करें और उससे संबंधित उदाहरण दें।
- आप बारी-बारी से सभी समूहों को अपने शब्द पढ़कर बताने और उनकी कुल संख्या बताने को कहें। अन्य समूह के बच्चों को निर्देश दें कि वे ध्यान दें कि बच्चों द्वारा पढ़े गए शब्द, क्रिया से संबंधित हैं या नहीं।

4. सूची बनाओ

- बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। फिर आप बोर्ड पर अगले बिंदु के अनुसार चार खानों की ग्रिड (जिसमें 5-7 कॉलम हों) बनाएँ। फिर सभी समूह के ग्रुप लीडर को इसे अपनी कॉपी / पन्ने पर बनाने को कहें।

दोस्तों के नाम	स्थानों के नाम	जानवरों के नाम	वस्तुओं के नाम

- अब बच्चों को अपने दोस्तों के नाम, स्थानों के नाम, जानवरों के नाम और वस्तुओं के नाम लिखने को कहें।
- फिर प्रत्येक समूह से सूची पढ़कर बताने को कहें।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद, समूह कार्य के पेपर को **'बच्चों का कोना'** (**Students' Work Corner**) में लगा दें।

☞ इसी प्रकार से आप अलग-अलग चीजों की सूची बनवा सकते हैं, जैसे- पेड़, सब्जी, फल, रंग के नाम आदि।

5. सुनो और पता लगाओ

- बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। हर एक समूह के बीच 10-12 शब्द जैसे- नारंगी, पेंसिल, कार आदि और उनकी विशेषताओं (उपयोगिता, रंग, रूप आदि) के बारे में 3 बातें लिखकर, पर्चियों की गड्‌डी बनाकर रख दें।
- समूह के सारे बच्चे बारी-बारी से 2-2 पर्ची उठाएं और बिना देखे अपने पास रख लें।
- कोई भी बच्चा अपने समूह में शुरूआत कर सकता है। वह अपनी पर्ची को बिना देखे अपने दाईं तरफ के बच्चे को देगा। यह बच्चा उस पर्ची में लिखे शब्द को मन में पढ़ेगा और उसके बारे में लिखी हुई बातों को बोलकर, अपने मित्र को दिए गए शब्द को पहचानने को कहेगा।
- 3 बार शब्द नहीं पहचान पाने पर दूसरे बच्चों द्वारा उत्तर बताया जाएगा। इसी तरह यह खेल आगे बढ़ेगा। इस खेल के दो राउंड होंगे और हर प्रतिभागी को 2 मौके मिलेंगे।
- यह गतिविधि सभी समूहों में साथ-साथ चलती रहेगी। इसलिए कक्षा में शोर को नियंत्रित करने की आवश्यकता है।

6. मनमोहक वाक्य और चित्र के साथ विज्ञापन बनाना

- किसी एक विज्ञापन का उदाहरण देते हुए, उसमें **पंच लाइन** जोड़कर विज्ञापन बनाएँ। उदाहरण में दिया गया है- 'जो भी खाए खाता जाए, सबसे सस्ता सबसे मीठा।' यह एक पंच लाइन है। आप किसी अन्य विषय पर 2-3 विज्ञापन एवं पंच लाइन का उदाहरण दें। इससे बच्चों को पंच लाइन एवं विज्ञापन क्या होता है, इसे समझने में मदद मिलेगी।
- इस कार्य के लिए पूरी कक्षा को 4-4 बच्चों के समूहों में बाँटें और अपने-अपने समूह का विज्ञापन बनाने को कहें। आप हर समूह को एक निर्धारित विषय/चीज दे दें। जैसे- नमकीन, खिलौना, पेंसिल, कॉपी आदि। हर समूह को पंच लाइन लिखना आवश्यक है। आखिर में हर समूह को उनके द्वारा बनाए गए पंच लाइन कक्षा में साझा करने को कहें।
- सभी बच्चों के विज्ञापन को 'बच्चों का कोना' में लगाएं।

7. स्कूल के अंदर (सर्वेक्षण)

- आप बोर्ड पर सर्वेक्षण प्रपत्र बनाएँ और उसके भरने के तरीके पर चर्चा करें।
- कक्षा को 4-5 समूहों में बाँटें और प्रत्येक समूह को अपना ग्रुप लीडर चुनने को कहें। ग्रुप लीडर किसी कॉपी/पन्ने में इस सर्वेक्षण प्रपत्र को बनाए। बच्चों को अन्य कक्षाओं के बच्चों से या विद्यालय के अन्य कर्मचारियों से पूछकर, इस प्रपत्र को भरने को कहें।

प्रश्न 1: क्या आप स्कूल से जाने के बाद खेल खेलते हैं? (हाँ/नहीं)
प्रश्न 2: आपको कौन-सा खेल पसंद है? (खेल का नाम)

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	खेल का नाम
कुल			

- इस प्रपत्र को भरने के लिए सभी समूहों को पर्याप्त समय दें। सभी समूहों को अपने सर्वेक्षण प्रपत्र को कक्षा के 'बच्चों का कोना' (**Students' Work Corner**) में लगाने को कहें।

8. यात्रा (सर्वेक्षण)

- आप कक्षा को 4-5 समूहों में बाँटें और प्रत्येक समूह को एक सर्वेक्षण पत्र दें, जिसमें 2 सवाल लिखे होंगे। बच्चों को अपनी कक्षा के 10 सहपाठियों से इस प्रपत्र को भरने को कहें।

प्रश्न 1: क्या आप ट्रेन या बस में सफर करते हैं? (हाँ / नहीं)
प्रश्न 2: आपको ट्रेन या बस में से किसका सफर अच्छा लगता है? (बस / ट्रेन)

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	बस / ट्रेन
कुल			

- इस प्रपत्र को भरने के लिए सभी समूहों को पर्याप्त समय दें। सभी समूहों को अपने सर्वेक्षण प्रपत्र को कक्षा के **'बच्चों का कोना' (Students' Work Corner)** में लगाने को कहें।

9. टीवी देखना (सर्वेक्षण)

- कक्षा को 4-5 समूहों में बाँटें और प्रत्येक बच्चे को एक सर्वेक्षण प्रपत्र दें, जिसमें 2 सवाल लिखे हों। बच्चों को शिक्षकों से या विद्यालय के अन्य कर्मचारियों से पूछकर, इस प्रपत्र को भरने को कहें।

प्रश्न 1: क्या आपको टीवी देखना पसंद है? (हाँ / नहीं)
प्रश्न 2: आप टीवी में क्या देखना पसंद करते हैं?

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	टीवी में जो देखना पसंद है
कुल			

- इस प्रपत्र को भरने के लिए सभी समूहों को पर्याप्त समय दें। सभी समूहों को अपने सर्वेक्षण प्रपत्र को कक्षा के **'बच्चों का कोना' (Students' Work Corner)** में लगाने को कहें।

सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधियाँ

प्रत्येक कालांश की शुरूआत में बच्चों को सहज करने के लिए 2-3 मिनट स्थानीय कविता / बालगीत / खेल गतिविधियाँ / उठने-बैठने, चलने-फिरने आदि से संबंधित गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा। इसके लिए पाठ्यपुस्तक / कहानी पोस्टर / कविता पोस्टर / आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका 2020-21 इत्यादि से कोई भी छोटी कविता / बालगीत / खेल गतिविधियाँ / उठने-बैठने, चलने-फिरने आदि की गतिविधियाँ ली जा सकती है। प्रतिदिन इनमें से किन्हीं एक गतिविधि से कक्षा में कार्य की शुरूआत करें। शुरूआत के दिनों में छोटी-छोटी कविताओं / बालगीतों / कहानियों / आसान खेल गतिविधियों का चयन करें। इन गतिविधियों पर कार्य करने का विवरण नीचे देखा जा सकता है-

- आप पहले बच्चों को कविता / बालगीत / खेल गतिविधियाँ / उठने-बैठने, चलने-फिरने आदि से संबंधित गतिविधियाँ करके दिखाएँ। बच्चों को इन गतिविधियों को आपके पीछे दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा 2-3 बार करें, ताकि बच्चों की इन गतिविधियों पर पकड़ बन जाए।
- आप सुनिश्चित करें कि इन गतिविधियों में सभी बच्चे प्रतिभाग करें। गतिविधियों का चयन करते समय कक्षा में पर्याप्त जगह, बच्चों की संख्या, गतिविधि का स्तर एवं गतिविधि से बच्चों का जुड़ाव हो सके। इस बात का पूरा ध्यान रखें।

☞ प्रत्येक कालांश की शुरूआत में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधियां की जाएंगी। साथ ही, शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम होने लगे या बच्चे ऊबने लगें, तो उन्हें ऊपर दी गई गतिविधियों द्वारा उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें। बालगीत और कविताओं के कुछ उदाहरण 187 से 190 पर देखें।

कालांश-2 में कार्य करने की रणनीतियाँ

कक्षा-3 में भाषा शिक्षण के दूसरे कालांश में मुख्य रूप से पाठ्यपुस्तक की विस्तारित गतिविधियों, समझ के साथ पठन और लेखन अभ्यास पर कार्य किया जाएगा। इस कालांश में मुख्य रूप से **कार्यपुस्तिका भाग-1** का उपयोग किया जाएगा, जिसकी रणनीति निम्न है-

कालांश-2

- **कक्षा-2 की पुनरावृत्ति (सप्ताह 1-7)**
  - डिकोडिंग आधारित कार्य
    - ब्लेंडिंग पर कार्य
    - शब्द पठन पर कार्य
    - सरल पाठ
  - पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ एवं पुनरावृत्ति पर कार्य (सप्ताह 5-7)
- **समझ के साथ पठन व लेखन (सप्ताह 8-25)**
  - पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ
  - कार्यपुस्तिका के भाग-1 में दिए गए स्तरित (ग्रेडेड) पाठ पर कार्य

सप्ताह 1-4 (डिकोडिंग पर कार्य)

अक्षर और ध्वनि के संबंध के आधार पर किसी शब्द को प्रिंट से ध्वनि में बदलकर, उच्चारित करने की क्षमता को डिकोडिंग कहते हैं। इस चरण में किसी शब्द की अलग-अलग ध्वनियों को पहचानना, ध्वनियों को आपस में जोड़ना, पूरे शब्द को एक साथ उच्चारित करना या पढ़ना और उसका अर्थ समझना (यदि वह शब्द पहले से ज्ञात हैं) आदि प्रक्रियाएं होती हैं।

नोटः सप्ताह 1-4 तक के कार्यपत्रक डिजिटल मोड (Soft Copy) में चैटबॉट के माध्यम से स्कूलों में उपलब्ध कराए जाएँगे। प्रिंट/फोटोकॉपी लेकर बोर्ड/बच्चों के नोटबुक में इन पत्रकों की गतिविधियों पर कार्य कराया जाना प्रस्तावित है।

वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान पर कार्य

- वर्ण/अक्षर को बोर्ड पर लिखकर बच्चों को पहचानने को कहें। यदि बच्चे नहीं पहचान पाते हैं, तो उन्हें सही उच्चारण करके बताएँ।
- सरल शब्दों को लिखें और वर्ण/अक्षर/मात्रा को पहचानने के लिए कहें।
- वर्ण/अक्षर मिलाकर ग्रिड बनाएँ और बच्चों से अलग-अलग वर्ण/अक्षर को पहचानने को कहें।

ब्लेंडिंग पर कार्य

वर्ण/अक्षर जोड़कर ब्लेंडिंग/शब्द बनाने का कार्य

- बोर्ड पर दो बॉक्स बनाएँ और उनमें वर्ण/अक्षर बोलते हुए लिखें। फिर, उसके सामने बड़े बॉक्स में इन दोनों वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्द को लिखें। फिर पहले अलग-अलग उच्चारण करके और उसके बाद इन्हें जोड़कर उपयुक्त गति से (शब्द की तरह) पढ़ें। | बा | ल | → | बाल |
- फिर 5-6 नए शब्दों के साथ यह प्रक्रिया करें। इन शब्दों को बच्चों के साथ ऊपर की तरह जोड़कर पढ़ें।
- 5-7 अन्य शब्द लें और उन्हें बोर्ड पर इसी तरह लिखकर दें, फिर बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें।

शब्द पठन पर कार्य

- 4-5 शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें दो बार आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। शब्द को सीधे-सीधे एक इकाई की तरह पढ़ें। इस दौरान शब्दों के नीचे अंगुली रखें। जैसे- 'काम' इसे तोड़कर (का म) नहीं पढ़ें।
- कुछ अन्य शब्द बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें।

सप्ताह 5-7 (पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ एवं पुनरावृत्ति पर कार्य)

- सप्ताह 5-7 में कार्यपुस्तिका भाग-1 में पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य किया जाएगा।
- दिवस 1-4 में पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित विस्तारित गतिविधियों पर कार्य करवाया जाएगा।
- कार्यपुस्तिका में दिए गए पत्रकों पर संबंधित अभ्यास करवाए जाएंगे। यह अभ्यास वाक्यांश पठन एवं सरल वाक्य पठन की पुनरावृत्ति से संबंधित हैं।
- दिवस 5 में पुनरावृत्ति एवं दिवस 6 में आकलन एवं रिमीडियल कार्य करवाया जाएगा।

सप्ताह 8-25 (पाठ्यपुस्तक के पाठ की समझ के साथ पढ़ने पर कार्य)

पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ

दिवस 1-2

- दिवस 1 और 2 में पाठ्यपुस्तक के पाठ की थीम, केन्द्रीय विचार, पात्र आदि आधारित विस्तारित गतिविधियों पर कार्य करवाया जाएगा।
- प्रत्येक दिन एक कार्यपत्रक पर कार्य किया जाएगा।
- प्रत्येक कार्यपत्रक में 4-5 गतिविधियाँ दी गई हैं।

कार्यपुस्तिका भाग-1 में दिए गए स्तरित (ग्रेडेड) पाठों पर कार्य

कक्षा-3 की भाषा की कार्यपुस्तिका भाग-1 में सप्ताह 8-25 तक प्रत्येक सप्ताह 2 स्तरित (ग्रेडेड) पाठ दिए गए हैं। पहला स्तरित पाठ, उस सप्ताह में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यपुस्तक के पाठ की थीम, मुख्य भाव या पात्र पर आधारित है। यह स्तरित पाठ सप्ताह के तीसरे दिन में दिया गया है। इस स्तरित पाठ पर चौथे दिन भी काम किया जाएगा। दूसरा स्तरित पाठ सप्ताह के पाँचवें दिन दिया गया है।

स्तरित पाठ मुख्य रूप से बच्चों की पढ़कर समझने की क्षमता विकास के लिए दिए गए हैं। बच्चे पाठ्यपुस्तक में दिए गए पाठों को आसानी से पढ़ पाएं। इसके लिए जरूरी है कि उन्हें आसान और छोटे पाठों को पढ़कर समझने का अभ्यास करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

कार्यपुस्तिका भाग-1 में दिए गए स्तरित पाठ इसी बात को ध्यान में रखकर विकसित किए गए हैं। सप्ताह 5-25 तक में इनका स्तर 20-25 शब्दों से बढ़ते हुए 110-120 शब्दों तक का होता है। साथ ही, संकल्पनात्मक स्तर, वाक्य विन्यास के स्तर पर भी इनमें जटिलताएं बढ़ेंगी। ये स्तरित पाठ एक तरफ जहाँ पाठ्यपुस्तक के पाठों की थीम 'केन्द्रीय विचार' पर आधारित है, वहीं इनमें स्थानीय परिवेश में विविधता का समावेश करते हुए इसे रोचक बनाया गया है। क्रमशः सरल से जटिल की अवधारणा पर विकसित ये पाठ, निश्चित ही बच्चों की समझकर पढ़ने की दक्षता विकास में सहायक होंगे। इन दोनों स्तरित पाठों पर कार्य कैसे किया जाएगा, इसका उदाहरण नीचे देखा जा सकता है-

दिवस-3 (पाठ-5 'साहसी सीमा')

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 22 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट) :

- स्तरित पाठ में दिए गए चित्रों पर बच्चों का ध्यान दिलाएं। हो रही घटनाओं पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें।
- आप स्तरित पाठ का आदर्श वाचन पूरे हाव-भाव के साथ करें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7 मिनट) :

- स्तरित पाठ में हो रही घटना से संबंधित बच्चों के अनुभवों पर खुले छोर के प्रश्नों द्वारा बातचीत करें।
- पुनः एक बार स्तरित पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (15-20 मिनट) :

- प्रत्येक प्रश्नों पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए, प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

दिवस-4 (पाठ-5 'साहसी सीमा')

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 23 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ पर संक्षित चर्चा (5 मिनट) :

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 सरल प्रश्न बच्चों से पूछें।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट) :

- बच्चों को जोड़ियों में पिछले दिन के स्तरित पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- **गतिविधि 1, 2 और 3 (7-10 मिनट) :** इन पर बच्चों से प्रतिक्रिया लेते हुए पूर्व की तरह कार्य करें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए बच्चों से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट):** निर्देशानुसार बच्चों के साथ कार्य करें।

दिवस-5 (पाठ-5 'साहसी सीमा')

- बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका 24 पर कार्य करें।

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (5 मिनट) :

- आप स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से कुछ सरल प्रश्नों को पूछें।

स्वतंत्र पठन (10-15 मिनट) :

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में कठिनाई हो रही हो, उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- कुछ बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।
- **गतिविधि 2 और 3 (7-10 मिनट) :** बच्चों से इन प्रश्नों पर प्रतिक्रिया लेते हुए उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** गतिविधि से संबंधित कुछ अन्य उदाहरण देते हुए बच्चों से चर्चा करें। गतिविधि पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कालांश-3 में कार्य करने की रणनीतियाँ

कक्षा-3 में भाषा शिक्षण के तीसरे कालांश में मुख्य रूप से पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन एवं रिमीडियल शिक्षण पर कार्य किया जाएगा। सप्ताह 1-7 के दिवस 1-4 में पठन अभ्यास एवं सप्ताह 8-25 में प्रवाहपूर्ण पठन पर कार्य किया जाएगा। प्रत्येक सप्ताह दिवस 5 में बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाएगा। दिवस 6 में आकलन का कार्य तीसरे कालांश में भी जारी रखा जाएगा। सप्ताह 2 से 25 तक शुरूआती पांच दिनों में तीसरे कालांश के अंतिम 20 मिनट रिमीडियल कार्य के लिए निर्धारित हैं। कालांश तीन में कार्य की रणनीति नीचे दी गई है -

कालांश-3

- **20 मिनट**
  - पठन अभ्यास (सप्ताह 1-7)
  - प्रवाहपूर्ण पठन (सप्ताह 8-25)
  - स्वतंत्र पठन
- **20 मिनट**
  - रिमीडियल कार्य

पठन अभ्यास (सप्ताह 1-7)

दिवस 1	दिवस 2
• पठन अभ्यास में दिए गए शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों/पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। • आदर्श रूप से पठन के दौरान कुछ शब्दों पर रुककर बातचीत करें। जैसे- इन शब्दों को उन्होंने कहाँ/कब सुना है? आदि। • पाठ के शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों को बोर्ड पर लिखें। बच्चों को 4-5 के उपसमूहों में बाँटें। • बच्चों को समूहों में शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों/पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें। • आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।	• पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों/पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। • बच्चों को अपने-अपने समूहों में स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास करने को कहें। • कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर पढ़ने को कहें। • इस दौरान आप अलग-अलग समूहों में जाकर बच्चों के पठन अभ्यास का अवलोकन करें। • आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

प्रवाहपूर्ण पठन (सप्ताह 8-25)

सप्ताह 8-25 में कालांश 3 के शुरूआती 20 मिनट में प्रवाहपूर्ण पठन पर कार्य किया जाएगा। प्रवाहपूर्ण पठन पर कार्य करने के चरण नीचे दिए गए हैं-

1. आप आकलन के लिए अपने पास मोबाइल, पेंसिल व कार्यपुस्तिका रख लें। मोबाइल में 1 मिनट का टाइमर लगा लें।
2. एक बच्चे को अपने पास बुलाएँ और उसे अपनी कार्यपुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन का पाठ पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उसके प्रवाहपूर्ण पठन की जांच करें।
3. बच्चे ने जितने सही शब्द पढ़े हैं, उसकी संख्या प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के सामने दिए गए खाली बॉक्स में लिखें।
4. प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के लिए प्रतिदिन यह प्रक्रिया 25% बच्चों से करवाएँ।

प्रवाहपूर्ण पठन के आकलन का तरीका

- आकलन के लिए अपने पास मोबाइल, पेंसिल और कार्यपुस्तिका की एक प्रति रख लें। मोबाइल में 1 मिनट का टाइमर लगा लें।
- एक बच्चे को अपने पास बुलाएँ और उसे अपनी प्रति से उस दिन का पाठ पढ़ने को कहें।
- बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रख लें क्योंकि उसी में आपको रिकॉर्ड करना है।
- बच्चा जैसे ही पढ़ने लगता है, आप उसके सही और गलत पढ़े गए शब्दों को गौर से सुनें।
- जब बच्चा किसी शब्द को गलत पढ़ता है, तो उस शब्द के नीचे लाईन खींच दें। अगर उसी शब्द को वह सही पढ़ लेता है तो उसे फिर छोड़ दें।
- जब एक मिनट हो जाए, तो अंतिम पढ़े गए शब्द पर '|' का निशान लगा दें। अब इस निशान तक सही पढ़े गए शब्दों को सुनकर 'सही पढ़े गए शब्दों की संख्या' बॉक्स में लिखें।
- साथ ही, बच्चों के स्तर के लिए किसी एक बॉक्स में निम्नलिखित मापदंड के अनुसार सही (✓) का निशान लगाएं।

स्तर 1	नहीं पढ़ पाया या अधिकतम 5 शब्द पढ़ता हो।
स्तर 2	वर्ण/अक्षरों को जोड़-जोड़कर शब्द पढ़ता हो।
स्तर 3	शब्द-दर-शब्द पढ़ रहा हो, वाक्य पर ध्यान नहीं है।
स्तर 4	वाक्य को वाक्य की तरह पढ़ रहा हो।

- उस बच्चे के आकलन की जानकारी साप्ताहिक आकलन ट्रैकर में भरें।
- फिर अन्य बच्चों को बुलाएँ। उनके साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।

☞
- यहाँ यह ध्यान रखना जरूरी है कि इस प्रक्रिया में बच्चे हतोत्साहित ना हों। इसलिए सभी बच्चों के लिए सामान्य प्रोत्साहन वाले वाक्य या शब्द ही इस्तेमाल करें।
- जो बच्चे प्रवाहपूर्ण पठन में आगे हैं, जरूरी नहीं है कि उन बच्चों की विशेष तारीफ हो। बच्चे सीखने की प्रक्रिया में अलग-अलग स्तर पर हो सकते हैं, मगर यह उपलब्धि का आखिरी पड़ाव नहीं है। प्रवाहपूर्ण पठन में पढ़ने के अभ्यास का बहुत महत्व है। भरपूर अभ्यास से बच्चों के स्तर में वृद्धि की जा सकती है।
- जो बच्चे प्रवाहपूर्ण पठन में पीछे हैं, आप उन बच्चों के पढ़ने के दौरान हो रही गलतियों की प्रकृति पर गौर करें। आप पठन अभ्यास के दौरान इन गलतियों के बारे में बात कर, उन्हें सही पढ़ने के अवसर दे सकते हैं।

स्वतंत्र पठन (सप्ताह 1-25)

कालांश 3 में सप्ताह 1-25 के दिवस 5 में स्वतंत्र पठन का कार्य किया जाएगा। इस पर कार्य के चरण नीचे दिए गए हैं-

- बच्चों को अपनी पसंद की पुस्तकालय की कहानी की किताब/अभ्यासपुस्तिका से पाठ चुनने को कहें और उन्हें स्वयं से पढ़ने को कहें। इसके लिए 10-12 मिनट का समय दें।
- बच्चे अपने साथी के साथ या स्वयं स्वतंत्र पठन करें।
- सभी बच्चों को एक जगह बुलाकर बातचीत करें। (आप उनसे कहानी, उसके पात्र, चित्र, घटना के बारे में बातचीत कर सकते हैं। इस बातचीत का उद्देश्य बच्चों को प्रेरित करने, उनकी रूचि बनाए रखने और पढ़ने में आई दिक्कतों को समझना है। जो बच्चे अभी भी पढ़ने में संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें भी पढ़ने के मौके दें। उन्हें ऐसे बच्चों के साथ भी बिठा सकते हैं, जो पढ़ने में उनकी मदद करें।)

☞ रिमीडियल शिक्षण पर कार्य करने की रणनीति के लिए 'आकलन एवं रिमीडियल कार्य' संदर्शिका के 178 से 180 देखें।

आकलन एवं रिमीडियल कार्य

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग है। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए, दक्षता के अनुसार सतत आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण के उद्देश्य पर आधारित होता है, जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

आकलन के उद्देश्य

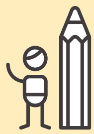

1. बच्चों की प्रगति को जानना

हर बच्चे के सीखने की गति अलग-अलग होती है। कक्षा के किस बच्चे ने क्या सीख लिया और क्या छूट गया है, इसे तय करने में आकलन हमारी सहायता करता है। निश्चित अंतराल में किया गया आकलन, व्यवस्थित तौर पर बच्चों के सीखने के स्तरों के विश्लेषण में सहायता करता है।

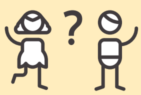

2. सीखने में आ रही कठिनाइयों को जानना

बच्चों की अवधारणाओं को समझने या किसी भी अवधारणा के अनुप्रयोग में आ रही कठिनाइयों को जानने में, सतत आकलन बहुत ही प्रभावी होता है। आकलन के दृष्टिकोण से आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न और बच्चों द्वारा किए गए संवाद से सामान्य भूल का पता चलता है।

3. बच्चों की सहायता के लिए प्रभावी रणनीतियाँ बनाना

सुनियोजित आकलन शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाने का कार्य करता है। यह शिक्षण कार्य की तैयारी एवं योजना बनाने में सहायता करता है और बच्चों की आवश्यकता के अनुसार, उनके लिए प्रभावी रणनीति बनाने में भी मार्गदर्शन करता है।

4. आगे की शिक्षण योजना बनाना

आकलन आगे की शिक्षण कार्य योजना के लिए संदर्भ बिंदु की तरह है। आकलन बच्चों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुसार, शिक्षण योजना में बदलाव के विकल्प ढूँढने में सहायता करता है।

आकलन और शिक्षण को एक समग्र और एकीकृत प्रक्रिया के रूप में देखना, अधिगम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है।

- आप यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सीखने के लिए न्यूनतम आवश्यक समय और अभ्यास के उचित अवसर मिलें।
- बच्चों की उपलब्धियों को जांचते रहें और विश्लेषण के माध्यम से यह देखें कि कितने बच्चे लक्षित स्तर पर हैं और कितने बच्चे लक्षित स्तर से पीछे हैं।
- बच्चों को होने वाली कठिनाइयों को चिन्हित कर, लक्षित स्तर तक लाने के लिए उचित रणनीतियों का निर्धारण करें।
- शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यकतानुसार बदलाव और नई-नई गतिविधियों को योजना में शामिल करें।

आकलन की रणनीति

साप्ताहिक आकलन

प्रत्येक सप्ताह के छठे दिवस में

- सप्ताह 1-7 में डिकोडिंग की दक्षताओं से संबंधित आकलन
- सप्ताह 8-25 में समझ के साथ पढ़ने से संबंधित आकलन

बेसिक शिक्षा परिषद् द्वारा आकलन

- इस अकादमिक वर्ष में न्यूनतम 2 बार निपुण असेसमेंट टेस्ट (NAT) किया जाएगा।
- NAT निपुण सूची की दक्षताओं एवं अब तक सिखाई गई दक्षताओं पर आधारित होंगे।

साप्ताहिक शिक्षण कार्य

अकादमिक सत्र में प्रत्येक सप्ताह के छठे दिन साप्ताहिक आकलन किया जाएगा, ताकि बच्चों को आ रही कठिनाइयों का नियमित रूप से पता चलता रहे।

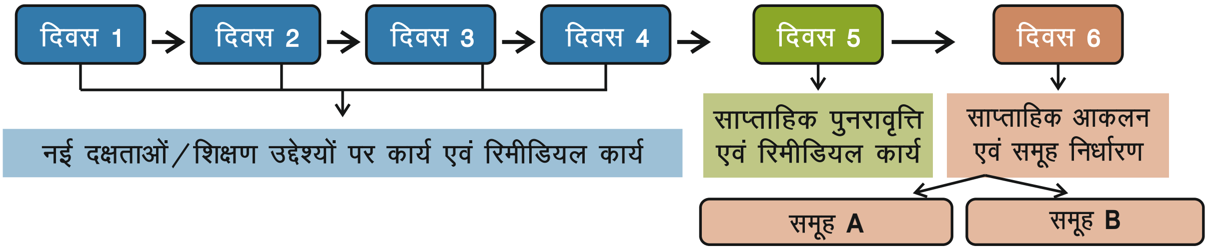

दिवस-5 : साप्ताहिक पुनरावृत्ति

- प्रत्येक सप्ताह के पाँचवें दिन साप्ताहिक पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा। यह कार्य दूसरे कालांश में किया जाएगा। आप इसके लिए शिक्षण योजना एवं कार्यपुस्तिका को उपयोग में लें।
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति मुख्यतः दो प्रकार से की जाएगी-
  - **सप्ताह 1 से 7 में** डिकोडिंग पर आधारित पुनरावृत्ति
  - **सप्ताह 8 से 25 में** पढ़कर समझने (स्तरित पाठ) पर आधारित पुनरावृत्ति

दिवस-6 : आकलन 'मैंने सीख लिया'

- साप्ताहिक आकलन का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा सीखी गई दक्षताओं को जानना और उन बच्चों की पहचान करना है, जो लक्षित दक्षता प्राप्त नहीं कर सके हैं। इसके साथ ही उन दक्षताओं को चिह्नित करना, जिनमें कक्षा के अधिकतर बच्चों को कठिनाई हो रही है। फिर इन दक्षताओं का रिमीडियल कार्य अगले सप्ताह में करना।

सप्ताह 1-7 में आकलन

आकलन के आधार पर आपको बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे। बच्चों को सीखी गई दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बाँटें-

समूह A : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से कम अंक पाए हैं। (रिमीडियल कार्य)

समूह B : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% या उससे अधिक अंक पाए हैं। (पुनरावृत्ति कार्य)

जब आप **समूह-A** के बच्चों के साथ कार्य कर रहे हों, तब कक्षा के **समूह-B** के बच्चों को उनकी दक्षता के अनुसार स्वतंत्र पठन, लेखन, कार्यपुस्तिका और पाठ्यपुस्तक में कार्य करने दें।

सप्ताह 8-25 में आकलन

साप्ताहिक आकलन में पढ़कर समझने का आकलन किया जाना है। पढ़कर समझने के आकलन के लिए कार्यपुस्तिका में सप्ताह के छठे दिन में दिए गए 'मैंने सीख लिया' पर कार्य किया जाएगा। इस पाठ से पढ़कर समझने के लिए आकलन में दो प्रक्रियाएँ होंगी-

'मैंने सीख लिया' पाठ बच्चों से बोलकर पढ़वाना

- यह आकलन प्रत्येक बच्चे के साथ अलग-अलग किया जाना है। बच्चे को अपने पास बुलाकर, पाठ बोलकर पढ़ने को कहें।
- पढ़ने के दौरान बच्चे जिन शब्दों को पढ़ने में गलती करते हैं, उन्हें नोट करते जाएं। फिर अंत में उनकी कार्यपुस्तिका में सही पढ़े गए शब्दों को नोट कर लें।
- पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे ने पहले वाक्य के सभी शब्द गलत पढ़े हैं, तो उसे पढ़ने से रोक दें और उनके साथ **समूह-A** के अनुसार कार्य करें।

'मैंने सीख लिया' पाठ पढ़ने के बाद नीचे दिए गए प्रश्न पूछना

- जब बच्चों ने पाठ पढ़ लिया हो, तब उनसे एक–एक कर पाठ के नीचे दिए गए प्रश्न पूछें। प्रश्न के सही उत्तर के लिए एक अंक दें। तीसरे प्रश्न का उत्तर अलग–अलग हो सकता है। जिस प्रश्न का उत्तर बच्चे ना दे पाएं, उसका अंक ना दें।
- अगर कोई बच्चा 25% से कम शब्द पढ़ पाता है, तो उससे प्रश्न ना करें।

सप्ताह 1-7 में रिमीडियल कार्य

दो समूहों में कार्य

समूह-A: जो बच्चे सीखने में पीछे छूट रहे हैं, उनके साथ रिमीडियल कार्य

वर्ण स्तर का कार्य
- वर्णों/अक्षरों की दोबारा पहचान करवाएँ। वर्णों/ अक्षरों को शब्दों में ढूँढ़कर गोला लगवाएँ।
- ग्रिड से वर्ण/अक्षर की पहचान करवाएँ। वर्ण/अक्षर को लिखवाएं।

शब्द स्तर का कार्य
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द लिखना और पढ़ना।
- ग्रिड से खोजकर शब्द पढ़ने का अभ्यास। वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास। (पहले आप करके दिखाएँ, फिर बच्चे करें।)

समूह-B: जो बच्चे सीख चुके हैं, उनके साथ पुनरावृत्ति कार्य

आप इसके लिए कुछ समय देकर निर्देश दें, ताकि बच्चे खुद इन गतिविधियों को कर पाएं:
- डिकोडिंग खेल।
- कहानी की किताबें/कार्यपुस्तिका पढ़ना।
- देखकर शब्द/वर्ण/अक्षर लिखना।

सप्ताह 8-25 में रिमीडियल कार्य

स्तर	समूह बनाने के लिए स्थिति	रिमीडियल कार्य की रणनीति	रिमीडियल कार्य के लिए आगे की योजना
समूह A	**स्तर 1:** यदि बच्चा पहले वाक्य से एक भी शब्द नहीं पढ़ पाया तो आप उन्हें कहानी पढ़कर सुना दें और प्रश्न पूछें। उत्तर के लिए कोई अंक नोट न करें। (यहाँ कहानी सुनाने का उद्देश्य सिर्फ उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल करना है।) **स्तर 2:** यदि बच्चे ने 50% से कम शब्द सही पढ़े और एक प्रश्न का जवाब दे पाता है/नहीं दे पाता है। (अगर कोई बच्चा 25% से कम शब्द पढ़ पाता है तो उससे प्रश्न ना करें।)	आप अपनी कक्षा में बच्चों की स्थिति के अनुसार कार्य करवाएँ। **वर्ण/अक्षर स्तर का कार्य** • वर्ण/अक्षर की पहचान का कार्य। • वर्ण/अक्षर को लिखना। **शब्द स्तर का कार्य** • वर्ण/अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास। • वर्ण/अक्षरों को जोड़कर शब्द लिखना।	• यहाँ यह समझना जरूरी है कि समूह-A के बच्चों के साथ सतत रूप से कार्य करने से ही बदलाव होगा। इसके लिए इन बच्चों के साथ दैनिक स्तर पर वर्ण/अक्षर और शब्द/वाक्य पठन पर प्रतिदिन रिमीडियल कार्य के दौरान कार्य करें।
समूह B	**स्तर 3:** यदि बच्चे ने 50% से अधिक शब्द सही पढ़े और एक प्रश्न का जवाब दे पाता है/नहीं दे पाता है। **स्तर 4:** यदि बच्चे ने 50% से अधिक शब्द सही पढ़े और कम से कम 2 प्रश्नों के सही उत्तर दिए।	• आप अपनी कक्षा में बच्चों की स्थिति के अनुसार कार्य करवाएँ। • जोड़ियों में अन्य पाठ पढ़ने के लिए कहना एवं प्रश्न पूछना और जवाब देना। • बच्चों से आकलन के प्रश्नों के उत्तर को लिखने के लिए कहना।	• मौखिक भाषा विकास और पढ़कर समझने के दौरान इन बच्चों से खुले छोर के प्रश्नों को पूछते हुए पढ़े गए पाठ पर उनकी समझ को समृद्ध करने का अभ्यास करवाएँ। • इसके साथ-साथ बच्चों को कहानी की किताबें देकर कुछ चुनौतीपूर्ण पाठ पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

कहानियाँ

1. महागिरि

महागिरि एक विशालकाय हाथी था। एक व्यापारी उसका मालिक था। वह अकसर महागिरि को जंगल में बड़े-बड़े लट्ठे ढोने के काम में लगाता। शादी-ब्याह में वह महागिरि को दूल्हे की सवारी के लिए भेज देता। जब कभी मंदिर में कोई उत्सव होता, तो वह महागिरि को जुलूस में सबसे आगे चलने के लिए भेजा करता था। एक बार गाँव वाले मंदिर में कोई उत्सव मनाना चाहते थे। लेकिन मंदिर में ध्वज फहराए बिना उत्सव कैसे शुरू हो सकता था। मंदिर में ध्वज तो था, पर उसे फहराने के लिए खंभा नहीं था।

इसलिए गाँव वाले पास के जंगल में गए और उन्होंने एक ऊँचे-से सागौन के पेड़ को काट गिराया। उन्होंने पेड़ के तने से एक खंभा तैयार किया। खंभा काफी लंबा और भारी था। गाँव वाले उसे उठा नहीं पाए। इसलिए इसे मंदिर तक ले जाने के लिए महागिरि को लाया गया।

गाँव वालों ने मंदिर के सामने एक गड्ढा खोदा। वे चाहते थे कि महागिरि खंभे को इस गड्ढे में गाड़ दे। महागिरि खंभे को गड्ढे तक ले गया। तभी अचानक वह रूका और एकदम पीछे हट गया। महावत ने महागिरि को खंभा गड्ढे में गाड़ने के लिए हांका, परंतु हाथी अपनी जगह से न हिला। महावत ने उसे डंडे से पीटा। फिर भी महागिरि अपनी जगह से नहीं हिला। उसे पीटते-पीटते महावत का डंडा टूट गया। यह देख लोगों को बहुत गुस्सा आया। वे महावत को बुरा-भला कहने लगे कि वह एक निकम्मा महावत है। यह सब सुनकर महावत को गुस्सा आ गया। उसने अपना छुरा निकाला और महागिरि की गर्दन पर कई वार किए। महागिरि दर्द के मारे तिलमिला उठा। उसने खंभे को दूर फेंक दिया। महागिरि ने चिंघाड़कर, जोर से झटका दिया। महावत दूर जा गिरा। यह देख लोग बहुत डर गए। उन्होंने सोचा कि हाथी पागल हो गया है। वे सब वहाँ से भाग खड़े हुए। महागिरि अब वहाँ अकेला था।

वह गड्ढे के पास आया और घुटनों के बल बैठ गया। फिर उसने अपनी लंबी सूंड़ गड्ढे में डाली और वहाँ से कोई चीज निकाली। धीरे से उसने इस चीज को जमीन पर रख दिया। यह एक छोटी-सी बिल्ली थी। वह गड्ढे में छिपी बैठी थी। गाँव वाले दूर खड़े महागिरि की हरकत देख रहे थे। अब उनकी समझ में आया कि महागिरि, महावत का आदेश क्यों नहीं मान रहा था। महागिरि उस बिल्ली को चोट नहीं पहुँचाना चाहता था। अब लोग खुशी से महागिरि की तरफ दौड़े। तब जाकर महागिरि ने भारी खंभे को उठाया और उसे गड्ढे में टिका दिया। वह उसे अपनी सूंड से पकड़े रहा ताकि लोग गड्ढे में मिट्टी भर दें।

उस दिन से महागिरि सबका चहेता बन गया। बच्चे उसे बहुत प्यार करते। जब कभी व्यापारी बच्चों को महागिरि पर मुफ्त सवारी करने देता, तो वे बहुत ही खुश होते।

2. पेटू कौन?

अकबर को खाने का बहुत शौक था। इसलिए महल के बगीचे में बार-बार दावतों का आयोजन होता रहता था। इन दावतों में अकबर दरबारियों के साथ बैठकर तरह-तरह के व्यंजनों का स्वाद लिया करता था। यदि बीरबल भी साथ होता, तो फिर कहना ही क्या था?

एक बार ऐसी ही एक दावत आयोजित की गई थी। बीरबल, अकबर के पास बैठा था। भोजन के बाद खजूर की कटोरियां आई। अकबर और बीरबल खजूर खाते और गुठलियां कुर्सियों के नीचे डाल देते। थोड़ी देर में कुर्सियों के नीचे गुठलियों के छोटे- छोटे ढेर लग गए। गुठलियों का ढेर देखकर, अकबर ने सोचा, 'मैं आज बीरबल का खूब मजाक उड़ाऊँगा।' उसने चुपके से अपनी कुर्सी के नीचे की गुठलियां पैर से बीरबल की कुर्सी के नीचे सरका दीं। बीरबल को इसका पता नहीं चला। फिर अकबर

एकाएक खड़ा हो गया। सभी दरबारियों को सुनाते हुए, वह जोर से बोला, 'अरे बीरबल। तुम कितने सारे खजूर खा गये ? तुम इतने पेटू हो, यह तो मुझे मालूम ही नहीं था।' सभी दरबारी बीरबल की कुर्सी के नीचे, गुठलियों का ढेर देखकर, बादशाह का समर्थन करने लगे। बीरबल, अकबर की चालाकी समझ गया। वह भी बहुत चतुर था। उसका मजाक उड़ाया जाए और वह चुप रहे, यह कैसे हो सकता था? उसने तुरन्त अकबर से कहा, 'जहाँपनाह, आपकी बात सच है। मैं पेटू हूँ, यह सही है। मैंने बहुत सारे खजूर खाए हैं, यह भी सच है। लेकिन आप सारे खजूर गुठलियों सहित कैसे खा गए, इस बात का मुझे आश्चर्य हो रहा है।' फिर उसने दरबारियों से अकबर की कुर्सी के नीचे देखने के लिए कहा। दरबारियों ने देखा, तो वहाँ एक भी गुठली नहीं थी। चारों ओर हँसी की लहर फैल गई। अकबर, बीरबल का मजाक उड़ाने गया था। लेकिन खुद ही मजाक का पात्र बन गया। अकबर शरमा गया। लेकिन बीरबल, अकबर को बहुत प्रिय था। उसने बीरबल को शाबाशी दी और दावत जारी रही।

3. हीरा

एक सरकस था। उसमें बहुत सारे हाथी काम करते थे। उनमें एक नन्हा हाथी था। नन्हे हाथी का नाम था- हीरा। हीरा सूँड से बाजा बजाता था। ढोल के साथ घुंघरू बँधवा कर, ठुमक-ठुमक कर नाचता था। बच्चों को हीरा बहुत अच्छा लगता था।

एक दिन सरकस के मालिक ने देखा कि हाथियों के लिए खाना नहीं है। उसने नौकरों को बुलाकर कहा, 'सब हाथियों को जंगल में ले जाओ और इनको मन भरकर, हरे-हरे पत्ते खिलाकर ले आओ।' नौकरों ने ढोल बजाए और हाथियों को जंगल में ले गए। हीरा एक बड़े हाथी की दुम पकड़कर गया। जंगल में पहुँचकर हाथी बड़े खुश हुए। सबने पेट भर कर हरे-हरे पत्ते खाए। पके-पके जंगली फल भी खाए। फिर जंगल के तालाब में नहाए और पानी में खेले। सरकस के नौकरों ने हाथियों को बुलाने के लिए ढोल बजाए। ढोल की आवाज सुनकर, सारे हाथी आ गए और नौकरों के साथ लौट गए।

हीरा हरे पत्ते खाकर और पानी में खेलकर सो गया था। वह जंगल में अकेला रह गया। जब वह उठा, उसने इधर देखा, उधर देखा, उसे कोई भी नहीं दिखाई दिया। उसको सरकस तक पहुँचने का रास्ता नहीं पता था। वह नदी के किनारे-किनारे चलने लगा।

हीरा थोड़ी दूर ही चला था कि उसे शेर की दहाड़ सुनाई दी। हीरा ने जल्दी से अपनी सूँड में पानी भरा और एक बड़े बरगद के पीछे छिप गया। शेर ने देख लिया और दहाड़कर बोला, 'हाथी के बच्चे! मैं तुझको खाऊँगा।'

जैसे ही शेर बोला, हीरा ने फू.. फू.. फु.. करके, सूँड का सारा पानी शेर के ऊपर फुफकार दिया। शेर डर गया और दुम दबाकर भाग गया।

हीरा ने मुँह में फिर से पानी भरा और नदी के किनारे-किनारे चलने लगा। वह थोड़ी ही दूर पहुँचा था कि एक भेड़िया आ पहुँचा। भेड़िया जीभ चटकार कर बोला, 'हाथी के बच्चे! मैं भूखा हूँ, मैं तुझको खाऊँगा।' हीरा ने फू.. फू.. फु.. करके, मुँह का सारा पानी फुफकार दिया। भेड़िये ने जो बड़ा-सा फव्वारा देखा, वह सरपट जंगल की ओर भाग गया।

हीरा ने अपनी सूँड में फिर से पानी भरा और नदी के किनारे-किनारे चलने लगा। तभी उसने अपना नाम पुकारते हुए सुना। 'हीरा! हीरा ! इधर आओ।' उसका महावत, उसे बुला रहा था। हीरा ने ढोल की आवाज भी सुनी। उसने जोर से चिंघाड़कर जवाब दिया।

उसका महावत और सरकस के नौकर वहाँ आ गए। हीरा उन्हें देखकर बड़ा खुश हुआ। सबने हीरा को बड़े प्यार से थपथपाया। हीरा के साथ वे सब सरकस में लौट आए। सरकस के सब लोग हीरा को देखकर बड़े खुश हुए। सरकस के मालिक ने मिठाई बाँटी और हीरा को अपने हाथ से खिलाई। हीरा ने चटपट मिठाई खा ली और सूँड़ उठाकर, हर एक को सलाम किया।

4. अट्टू-गट्टू

एक था अट्टू

एक था गट्टू

अट्टू और गट्टू घूमने चले, घूमते-घामते पहुँचे जंगल में।

जंगल में देखा छोटा-सा झुरमुट, छोटी-सी बेल और बड़ा-सा पेड़।

पेड़ पे चढ़ना नहीं आया!

जंगल में देखा छोटा-सा पोखर, छोटा-सा झरना और बड़ी-सी झील। पानी में तैरना नहीं आया!

चलते-चलते देखी छोटी-सी टेकरी, छोटा-सा टीला और बड़ा-सा पहाड़। पहाड़ पे चढ़ना नहीं आया !

जंगल में सुनी एक सियार की आवाज, एक बाघ की पुकार, एक शेर की दहाड़। डर के मारे भाग न सके!

अट्टू और गट्टू बहुत रोने लगे, दौड़ने लगे। डरे घर की राह सूझे ना!

उधर से आए घोड़े दादा

टप-टप-टप-टप घोड़े दादा। अट्टू-गट्टू बैठे घोड़े पर !

अट्टू और गट्टू हँसने लगे। टप-टप-टप चले घोड़े पे सवार!

5. भालू ने खेली फुटबॉल

सर्दियों का मौसम। सुबह का वक्त। चारों ओर कोहरा ही कोहरा। एक शेर का बच्चा सिमटकर गोल-मटोल बना, जामुन के पेड़ के नीचे पड़ा था। इधर भालू साहब सैर पर निकल तो आए थे, लेकिन पछता रहे थे। तभी उनकी नजर जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी। आँखें फाड़ीं, अकल दौड़ाई- अहा फुटबॉल! (एक शेर का बच्चा गोल-मटोल होकर बैठा था।) सोचा, चलो इससे कुछ गर्मी हासिल की जाए। आव देखा न ताव। भालू जी ने पैर से उछाल दिया शेर के बच्चे को। हड़बड़ी में शेर का बच्चा दहाड़ा और फिर पेड़ की एक डाल पकड़ ली, मगर डाल छूट गई। भालू साहब जल्दी ही मामला समझ गए। पछताए, लेकिन अगले ही पल दौड़कर फुर्ती से दोनों हाथ बढ़ाए और शेर के बच्चे को कैच कर लिया। अरे, यह क्या! शेर का बच्चा फिर से उछालने को कह रहा था। 'एक बार फिर भालू दादा...' दो बार... तीन बार... फिर बार-बार यही होने लगा। शेर के बच्चे को उछलने में मजा आ रहा था। लेकिन भालू थककर परेशान हो गया था। 'ओह! किस आफत में आ फँसा।' बारहवीं किक लगाते ही भालू ने घर की ओर रेस लगाई और गायब हो गया। अबकी शेर का बच्चा धड़ाम से जमीन पर आ गिरा। चोट करारी लगी।

तभी पेड़ का मालिक वहाँ आया और शेर के बच्चे पर बरस पड़ा, 'सत्यानाश कर दिया पेड़ का। लाओ हर्जाना।' शेर के बच्चे ने कहा- 'जरा ठीक तो हो लूँ।' 'ठीक है।' पेड़ के मालिक के वहाँ से जाते ही शेर का बच्चा भी नौ-दो ग्यारह हो लिया। उसने सोचा- 'जान बची तो लाखों पाए...।'

(साभार: एकलव्य)

6. भेड़िए को दुष्ट क्यों कहे हैं?

भेड़िया तो कुछ भी खा लेता है... छोटा नरम मेमना, तीन गोल-मटोल नन्हे सुअर या फिर चार नाजुक खरगोश। सब कहते हैं कि भेड़िए दुष्ट होते हैं। आओ तुम्हें बताता हूँ कि ऐसा क्यों कहते हैं....

बहुत दिनों की बात है, एक भेड़िया था, जो अपने नन्हे-मुन्नों के साथ रहता था। अभी वह दुष्ट, खूंखार भेड़िया नहीं बना था, बस एक आम भेड़िया था। एक दिन वह एक नन्हे मेमने से मिला, जो अपने झुण्ड से बिछड़ गया था। भेड़िए ने एक जोरदार मुस्कान से मेमने को सलाम किया। ऐसी मुस्कान कि उसके सारे चमाचम सफेद दाँत दिखने लगे। मेमना उन पैने दाँतों से ऐसा घबराया कि वह छुपने के लिए, अपने मित्र सूअरों के पास भागा।

सूअरों को उसने अपना रोमांचक किस्सा सुनायाः एक दुष्ट भेड़िए ने मुझ पर हमला किया। वह अपने नुकीले दाँतों से, मुझे काट खाना चाहता था।' मेमने कुछ बढ़ा-चढ़ाकर तो बताते ही हैं। सूअर बेहद नाराज हुए। एक बेचारे छोटे-से मेमने पर हमला, वह भी बिना बात के, कितने शर्म की बात है। यह दुखद समाचार सूअर अपने पड़ोसी हंस के साथ कैसे न बाँटते।

'एक बड़े-से भेड़िए ने एक नन्हे मेमने पर हमला किया। वह अपने चक्कू जैसे बड़े-बड़े दाँतों से उसे खा जाना चाहता था।' सूअर कुछ बढ़ा-चढ़ाकर तो बताते ही हैं। हंस को बड़ा गुस्सा आया।

एक छुटके निहत्थे मेमने पर हमला कितनी बदनामी की बात है। यह भयंकर समाचार वह गधे को जरूर बताएगी- "एक विशालकाय भेड़िया, तलवार जैसे बड़े-बड़े दाँतों वाला, मेमनों के एक पूरे परिवार को खा गया। वह उन्हें साबुत ही निगल गया।" हंस कुछ बढ़ा-चढ़ाकर तो बताते ही हैं। गधे के दुख का ठिकाना न रहा। इस तरह बिना बात मेमनों के झुण्ड पर हमला! कैसी भयानक बात है! वह बिना समय गँवाए यह समाचार चूहे को देने पहुँचा- 'राक्षसों जैसे खूँखार भेड़ियों के एक दस्ते ने मेमनों के एक पूरे झुण्ड पर हमला किया है। उनके दाँत भालों जैसे बड़े-बड़े थे! एक भी मेमना नहीं बचा!'

गधे कुछ बढ़ा-चढ़ाकर तो बताते ही हैं। चूहा दहलकर रह गया। एक बार में मेमनों का पूरा झुण्ड! यह सहा नहीं जा सकता! वह पक्का करता है कि यह घातक समाचार मुर्गों तक पहुँच जाए- "भेड़िए छुट्टे घूम रहे हैं। दुनिया के सब जानवर खतरे में हैं।"

सब तरफ अफरा-तफरी मच गई। जब मुर्गे छुपने की जगह ढूँढ रहे थे, उसी समय चूजों ने खबर को और फैला दिया। तो इस तरह यह अफवाह फैलती गई...और फैलती गई। जब तक कि सारे जानवर दुष्ट खूंखार भेड़िए की करतूतों को बखानने नहीं लगे- 'वह बदसूरत है,' किसी जानवर ने कहा।

'वह दुष्ट है'- दूसरा बोला। 'वह तो पूरा राक्षस है!' तीसरे ने कहा। हर कोई आतंकित है। 'जान बचाकर भागो!! एक खूँखार दरिंदा है। जो भी जानवर उसके सामने पड़ता है, वह उस पर हमला कर देता है। वह बहुत बड़ा है, बदसूरत है और बेहद भूखा।'

बातें चलती रही और एक दिन भेड़िए को दो चिड़ियों की बातचीत सुनाई दी- 'एक निर्दयी राक्षस अपने रास्ते में पड़ने वाली हर चीज को नष्ट करता जा रहा है।'

'निर्दयी राक्षस? बड़ी भयंकर बात है।' भेड़िया बुरी तरह घबरा गया। अचानक आसमान में अँधेरा छा गया और तूफान मँडराने लगा। बादल ऐसे जोर से गरजे कि भेड़िए को यकीन हो गया- राक्षस आ पहुँचा है और आज रात वह भेड़िये को खाना चाहता है। इससे पहले किसी ने एक भेड़िए को इतनी तेज और इतनी दूर तक भागते नहीं देखा था। वह फिर इस इलाके में कभी नहीं दिखा। भेड़िए कुछ बढ़ा-चढ़ाकर तो बताते ही हैं।

7. नटखट गधा

एक था गधा, धोबी का गधा। जब काम नहीं होता, तो वह दिन भर धोबीघाट के पास वाले मैदान में घास चरता और दौड़ लगाता रहता। जब उसका मन करता चींपों.. चींपों करने लगता। बिना कारण ही दुलत्ती झाड़ देता। ऐसी ही तरह-तरह की नटखटिया हरकतों के कारण, उसका नाम नटखट पड़ गया था। एक दिन नटखट ने देखा कि धोबीघाट के पास वाले मैदान में कुछ लोग तम्बू लगा रहे हैं। उसे कुछ समझ नहीं आया कि वहाँ क्या हो रहा है। नटखट ने दो धोबियों को आपस में बात करते सुना, 'अरे भैया, वैसे ही गधों को घास कम मिलती है। ऊपर से ये सरकस वाले आ धमके। पूरा मैदान घेर लिया। अब कहाँ चरेंगे गधे हमारे!'

नटखट ने सरकस का नाम पहली बार सुना था। उसने अपनी बिरादरी के सब लोगों से पूछा, 'सरकस क्या होता है?' किसी को नहीं मालूम था। अन्त में वह अपनी बिरादरी में सबसे बुद्धिमान समझे जाने वाले, बूढ़े गधे के पास पहुँचा। उसने भी अपनी लड़खड़ाती आवाज में कहा, 'पता नहीं बेटा! आज के जमाने में रोज नई-नई चीजें निकलती हैं। कहाँ तक जानकारी रखें।' चीपों... चीपों..

नटखट लगा चीपों... चीपों करने, 'गधे देश-दुनिया की कोई खबर नहीं रखते। बस अपने में खोए रहते हैं। इतना भी नहीं मालूम कि सरकस क्या होता है? पर मैं जरूर पता लगाऊँगा।' अगले दिन नटखट जा पहुँचा सरकस के पिछवाड़े। सामने के गेट पर तो चौकीदार था। नटखट ने इधर-उधर देखा और फिर धीरे से तम्बू के एक कोने से अपना सिर अन्दर घुसा दिया। अन्दर का दृश्य देखकर उसे बड़ा मजा आया। स्टेज पर अजीब-सी पोशाक पहने लोग घूम रहे थे। एक कोने में बैंड पार्टी बैठी थी। स्टेज पर हाथी, भालू, कुत्ते और तोते भी थे। वे तरह-तरह के करतब दिखा रहे थे। नटखट के हाथ-पैर भी कुछ कर दिखाने के लिए फड़फड़ाने लगे। वह धीरे से तम्बू के अन्दर आ गया। नटखट ने एक पल सोचा और फिर दौड़कर स्टेज पर जा पहुँचा। स्टेज पर हड़कम्प मच गया। जोकर नटखट को पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ने लगे। थोड़ी देर बाद नटखट का मालिक धोबी भी उसे ढूँढता हुआ आ पहुँचा। वह भी उसे पकड़ने के लिए, स्टेज पर चढ़ गया। अब नटखट आगे और बाकी सब उसके पीछे। एक चक्कर, तीन चक्कर, चार चक्कर आखिरकार जोकर थककर बैठ गए। पर धोबी दौड़ता रहा। जैसे ही धोबी नटखट के करीब पहुँचता, वह जोर की दुलत्ती झाड़ देता। हर दुलत्ती पर दर्शकों में हँसी का फव्वारा छूट पड़ता। खासतौर से बच्चों को। नटखट और धोबी की धमाचौकड़ी देखकर, दर्शकों को बड़ा मजा आया। उस दिन नटखट ने जैसे सरकस के खेल में नई जान फूँक दी। लेकिन धोबी की जान में जान तब आई, जब उसने नटखट को पकड़ लिया। धोबी नटखट को लगभग घसीटते हुए ले जाने लगा। लेकिन नटखट का वहाँ से जाने का बिल्कुल मन नहीं था। तभी सरकस का मैनेजर स्टेज पर आ पहुँचा। मैनेजर को देखकर धोबी की घिग्घी बँध गई। वह सोचने लगा, इस गधे की वजह से अब मुझे भी मार पड़ेगी। मैनेजर ने पूछा, 'क्यों जी गधा बेचोगे?' यह सुनकर धोबी अचकचाया और गधा मन ही मन मुस्कुराया। धोबी बोला, 'फिर मेरे ग्राहकों के कपड़े कौन ढोएगा हुजूर?' देखो तुम्हारा यह नटखट गधा, सरकस का अच्छा कलाकार बन सकता है। मैनेजर बोला, 'ये लो दस हजार रुपये। तुम एक की जगह दो गधे खरीद लेना है। इतने रुपए देखकर धोबी फूला नहीं समाया। उसने खुशी-खुशी अपना गधा बेच दिया।

अब नटखट सरकस के हर शो में अपने करतब दिखाता है। डण्डे तो उसे अब भी खाने पड़ते हैं। पर नटखट को खुशी इस बात की है कि वह साधारण गधे से सबको हँसाने वाला गधा बन गया है।

8. खिचड़ी... एक लोककथा

एक बार बिरजू अपनी ससुराल गया। बिरजू की सासु माँ ने उसे दाल और चावल से बनी एक चीज खिलाई। बिरजू को उसका स्वाद बहुत अच्छा लगा। उसने पूछा, 'इसका नाम क्या है?' सासु बोली, 'खिचड़ी।' बिरजू ने सोचा, 'वापस घर जाकर भी, मैं खिचड़ी ही खाऊँगा।' लेकिन कहीं नाम न भूल जाए, इसलिए वह 'खिचड़ी-खिचड़ी' बोलता हुआ घर की तरफ चल दिया। चलते-चलते बिरजू का पैर एक गड्ढे में पड़ गया और उसे झटका लगा। झटके से हड़बड़ाकर बिरजू खिचड़ी के बदले 'खाचिड़ी' बोलने लगा। अब वह 'खाचिड़ी-खाचिड़ी' बोलता हुआ जा रहा था।

रास्ते में एक किसान अपने खेत में मक्के के बीज बो रहा था। उसे 'खाचिड़ी-खाचिड़ी' सुनकर बड़ा गुस्सा आया। किसान बोला, "मैं तो खेत में बीज बो रहा हूँ और यह कहता है 'खा-चिड़ी। ठहर जा! अभी बताता हूँ।' और वह बिरजू के पीछे दौड़ा। बिरजू घबराकर बोला, 'फिर मैं क्या बोलूँ?' किसान बोला, 'बोल उड़-चिड़ी।' बिरजू 'उड़चिड़ी-उड़चिड़ी' बोलता हुआ चलने लगा।

आगे रास्ते में एक बहेलिए ने चिड़ियों को पकड़ने के लिए जाल बिछा रखा था। उसे 'उड़चिड़ी' सुनकर बड़ा गुस्सा आया। बहेलिया गुस्से में बोला, 'मैं तो चिड़ियों को पकड़ रहा हूँ और यह कहता है, 'उड़-चिड़ी'। ठहर जा, अभी बताता हूँ।' वह भी बिरजू के पीछे दौड़ा। बिरजू घबराकर बोला, 'फिर मैं क्या बोलूँ?' बहेलिया बोला, 'बोल बैठ-चिड़ी।'

बैठ-चिड़ी

बैठ-चिड़ी

अब बिरजू 'बैठचिड़ी-बैठचिड़ी' बोलता हुआ जा रहा था। चलते-चलते उसे भूख लगने लगी। बिरजू एक होटल में गया और बोला, 'मैं बैठचिड़ी खाऊँगा।' होटल में किसी को समझ नहीं आया कि बिरजू क्या माँग रहा है।

मगर बिरजू 'बैठचिड़ी बैठचिड़ी' की रट लगाए था। होटल वालों को गुस्सा आ गया। उन्होंने बिरजू की जमके पिटाई कर दी। इतने में बिरजू की माँ वहाँ आ पहुँची। माँ बोली, 'अरे तुमने तो पीट-पीटकर, मेरे बेटे की खिचड़ी ही बना दी।' 'खिचड़ी!' सुनकर बिरजू खुश हो गया। बोला, 'हाँ-हाँ, मैं खिचड़ी ही तो खाना चाहता हूँ।'

9. शेर और किशमिश

एक खूबसूरत गाँव था। चारों ओर पहाड़ियों से घिरा हुआ। पहाड़ी के पीछे एक शेर रहता था। जब भी वह ऊँचाई पर चढ़कर गरजता था तो गाँव वाले डर के मारे काँपने लगते थे। कड़ाके की ठंड का समय था। सारी दुनिया बर्फ से ढकी हुई थी। शेर बहुत भूखा था। उसने कई दिनों से कुछ नहीं खाया था। शिकार के लिए वह नीचे उतरा और गाँव में घुस गया। वह शिकार की ताक में घूम रहा था। दूर से उसे एक झोपड़ी दिखाई दी। खिड़की में से टिमटिमाते दिए की रोशनी बाहर आ रही थी। शेर ने सोचा, यहाँ कुछ न कुछ खाने को जरूर मिल जाएगा। वह खिड़की के नीचे बैठ गया।

झोपड़ी के अंदर से बच्चे के रोने की आवाज आई। ऊं. आं ऊं. आं। वह लगातार रोता जा रहा था। शेर इधर-उधर देखकर मकान में घुसने ही वाला था कि उसे औरत की आवाज आई- 'चुप रहो बेटा। देखो लोमड़ी आ रही है। बाप रे, कितनी बड़ी लोमड़ी है। कितना बड़ा मुँह है इसका। कितना डर लगता है उसको देखकर।' लेकिन बच्चे ने रोना बंद नहीं किया।

माँ ने फिर कहा- 'वह देखो, भालू आ गया। भालू खिड़की के बाहर बैठा है। बंद करो रोना नहीं तो भालू अंदर आ जाएगा', लेकिन बच्चे का रोना जारी रहा। उसे डराने का कोई असर नहीं हुआ। खिड़की के नीचे बैठा शेर सोच रहा था- 'अजीब बच्चा है यह, काश मैं उसे देख सकता। यह न तो लोमड़ी से डरता है, न भालू से।' उसे फिर जोर की भूख सताने लगी। शेर खड़ा हो गया। बच्चा अभी भी रोए जा रहा था।

'देखो... देखो...' माँ की आवाज आई, 'देखो शेर आ गया शेर, वह रहा खिड़की के नीचे।' लेकिन बच्चे का रोना, फिर भी बंद नहीं हुआ। यह सुनकर शेर को बहुत ताज्जुब हुआ और बच्चे की बहादुरी से उसको डर लगने लगा। उसे चक्कर आने लगे और बेहोश-सा हो गया। 'वह कैसे जान गई कि मैं खिड़की के पास हूँ।' शेर ने सोचा। थोड़ी देर बाद उसकी जान में जान आई और उसने खिड़की के अंदर झाँका। बच्चा अभी भी रो रहा था। उसे शेर का नाम सुनकर भी डर नहीं लगा। शेर ने आज तक ऐसा कोई जीव नहीं देखा, जो उससे न डरता हो। वह तो यही समझता था कि उसका नाम सुनकर दुनिया के सारे जीव डर के मारे काँपने लगते हैं। लेकिन इस विचित्र बच्चे ने मेरी भी कोई परवाह नहीं की। उसे किसी भी चीज का डर नहीं है। शेर का भी नहीं। अब शेर को चिंता होने लगी। तभी माँ की फिर आवाज सुनाई दी। 'लो अब चुप रहो। यह देखो किशमिश..।' बच्चे ने फौरन रोना बंद कर दिया। बिलकुल सन्नाटा छा गया। शेर ने सोचा- 'यह किशमिश कौन है? बहुत खूंखार होगा।' अब तो शेर भी किशमिश के बारे में सोचकर डरने लगा। उसी समय कोई भारी चीज, धम्म से उसकी पीठ पर गिरी। शेर अपनी जान बचाकर वहाँ से भागा। उसने सोचा कि उसकी पीठ पर किशमिश ही कूदा होगा।

असल में उसकी पीठ पर एक चोर कूदा था, जो उस घर में गाय-भैंस चुराने आया था। अंधेरे में शेर को गाय समझकर वह छत पर से उसकी पीठ पर कूद गया। डरा तो चोर भी। उसकी तो जान ही निकल गई, जब उसे पता चला कि वह शेर की पीठ पर सवार है, गाय की पीठ पर नहीं। शेर बहुत तेजी से पहाड़ी की ओर दौड़ा, ताकि किशमिश नीचे गिर पड़े, लेकिन चोर ने भी कसकर शेर को पकड़ रखा था। वह जानता था कि यदि वह नीचे गिरा, तो शेर उसे जिंदा नहीं छोड़ेगा। शेर को अपनी जान का डर था और चोर को अपनी जान का।

थोड़ी देर में सुबह का उजाला होने लगा। चोर को एक पेड़ की डाली दिखाई दी। उसने जोर से डाली पकड़ी और तेजी से पेड़ के ऊपर चढ़कर छिप गया। शेर की पीठ से छुटकारा पाकर उसने चैन की सांस ली। शेर ने भी चैन की सांस ली- 'भगवान को धन्यवाद मेरी जान बचाने के लिए। किशमिश तो सचमुच बहुत भयानक जीव है' और वह भूखा-प्यासा वापस पहाड़ी पर अपनी गुफा में चला गया।

10. बाघिन माँ

बात बहुत तो नहीं, पर पुरानी है। समझो, तुम्हारी पर-दादी या पर-नानी के जमाने की है। ऐसे तो कोई कहानी झूठ नहीं होती। यह भी एक सच्ची कहानी है। बात तब की है, जब बिजली केवल शहरों में थी। कई गाँव, जंगल से लगे थे। जंगल था, तो जंगल के डर भी थे। बाघ का डर, हाथी का डर, भेड़िए, लक्कड़बग्घे का डर! रात हुई नहीं कि आँगन में अँधेरा पसर जाता था। घर के भीतर टिमटिमाती ढिबरी या लालटेन की लौ, बस। बांस की चटाई की दीवारें और चार दीवारी भी बांस की। बाहर से ही पता चल जाता कि भीतर कोई है। नौ बजते-बजते सारा गाँव अँधेरे की चादर ओढ़ लेता। रोशनी का एकाध कतरा बाहर छिटक जाता, अगर कोई माँ अपने बच्चे को लोरी सुना रही होती या बटोरी हुई सूखी पत्तियां जलाकर दूध गरम कर रही होती ।

लल्ला लल्ला लोरी

दूध की कटोरी

चन्दा मामा दूर के पुए पकावे

'दूध पी ले नहीं तो बाघ मामा आ जाएगा।' बच्चा डरकर धुएं की गंधवाला दूध पी लेता। माँ अपने बच्चे को बाघ-मामा का डर दिखाकर दूध पिला देती। लेकिन बाघिन अपने बच्चों को न डराती, न ही उनका कोई मामा होता। बच्चों की भूख देख, बाघिन शिकार की तलाश में निकल जाती। उस रात कुछ ऐसा ही हुआ। बच्चे बाघिन को परेशान करने लगे थे। उन्हें माँस का स्वाद मिल चुका था। "चलो, चुपचाप छिप कर सो जाओ। मैं अभी आई।" कहती बाघिन निकल पड़ी।

जंगल-जंगल घूम लिया जी

कुछ ना मिला तो,

गाँव चलो जी।

बाघिन आई गाँव में। किसी को कोई खबर नहीं लगी। बाघ आए तो लोमड़ी रोए। लोमड़ी रोए तो कुत्ता भौंके। कुत्ता भौंके तो गाँव में किसी की नींद टूटे। खबर होती तो टीन-ढिंढोरा, थाली-कटोरा पीटते। बाघ भी दौड़ लगाता। दौड़ते-दौड़ते जो हाथ लगता, ले भागता। आज बाघिन आई है! वह दबे पाँव मुन्ना के आँगन में पहुँची। कुएं की ओट में छिप गई। अब दाँव लगाए बैठी है। तभी मुन्ने की माँ बाहर निकलती है। बाएं हाथ में कैरोसिन की कुप्पी में लपलपाती लौ है। उन्होंने कुएं से पानी खींचा। लोटे में वो भर ही रही थीं कि बाघिन दिख गई। वो न चिल्लाई, न दौड़ लगाई। घर में बच्चा रो रहा था। बाघिन ने शायद पहली बार इंसान-माँ को देखा था। इंसान-माँ ने भी पहली बार बाघिन-माँ को देखा था। दोनों की आँखें एक-दूसरे पर गड़ी हुई थीं। वह डरी नहीं। वह एकदम नहीं डरी, ऐसी बात नहीं, लेकिन घबराई नहीं। एकदम नहीं घबराई। उसने ढिबरी को इतना आगे कर दिया कि उसकी लौ बाघिन की आँखों के आगे रहे। माँ एक छाया-सी धीरे-धीरे पीछे सरकती रही। ऐसे कि कोई सूखा पत्ता भी न खड़के। बाघिन की आँखों में आँखें डाले कि वह अपनी जगह से हिलने न पाए। उसे लगे कि शिकार उसकी आँखों के आगे ही है। ढिबरी की लौ ने उसकी आँखों को चौंधिया दिया था।

बाघिन ने सोचा होगा कि मैं गाँव आई हूँ तो यह भी जंगल जा सकती है। मेरे बच्चे अकेले हैं। मेरा इंतजार कर रहे हैं। इसके हाथ में वो चीज है, जिसे जंगल में कभी नहीं देखा था! पूरे जंगल में फैल रही थी। मुझे वापस जाना चाहिए। पानी पीकर इसका बच्चा चुप हो जाएगा। मैं अपने बच्चों को कैसे चुप कराऊँ। तभी एक लोमड़, एक बत्तख लेकर भागा। उसने बाघिन को देखा। उसकी सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई। बत्तख को छोड़, वो दुम दबाकर भागा। तब तक मुन्ने की माँ अपने घर में घुस चुकी थी। दरवाजे की कुण्डी लगाकर खिड़की से देखने लगी थी। उधर बाघिन जंगल की ओर दौड़ने लगी। उसके मुँह में बत्तख थी, जिसे लोमड़ छोड़ भागा था। पलक झपकते वह अँधेरे में अँधेरा हो गई थी।

(साइकिल)

कविताएँ

ये बालगीत और कविताएँ अलग-अलग स्रोतों से ली गई हैं। हम उन सभी लेखकों/प्रकाशकों का आभार व्यक्त करते हैं, जिनकी कविताएँ इस संग्रह में शामिल की गई हैं। इनका उपयोग कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण में कर सकते हैं।

मुर्गी माँ

मुर्गी माँ घर से निकली,
झोला ले बाज़ार चली।
बच्चे बोले चें चें चें,
अम्मा हम भी साथ चलें।

– निरंकार देव सेवक

नन्हा खरगोश

छोटा–सा नन्हा खरगोश,
देखो, देखो, उसका जोश।
धूप तापता दौड़ लगाता,
फिर झट झाड़ी में घुस जाता।

तितली रानी

तितली रानी, तितली रानी,
तुम हो चंचल, बड़ी सयानी।
डाल–डाल पे झूमती हो,
फूल–फूल को चूमती हो,
इतनी मस्ती में मत आओ,
इन पंखों पर मत इतराओ।

हाथी

हाथी राजा बहुत भले
सूँड हिलाते कहाँ चले?
कान हिलाते कहाँ चले?
मेरे घर आ जाओ ना,
हलवा पूरी खाओ ना।

साभार : बिल्ली बोले म्याऊँ (एकलव्य)

अद्दक–बद्दक

अद्दक–बद्दक चंपा,
उसमें गला घंटा।
बारह बजे की छुट्टी में
बारह मिट्ठू बैठे थे।
एक मिट्ठू कच्चा,
वही रंग का पक्का।

साभार : बैठ घोड़ा पानी पी (एकलव्य)

कोयल रानी

कोयल रानी, कोयल रानी
कहाँ मिली यह मीठी बानी?
किसी नदी ने दावत में क्या
तुझे पिलाया शक्कर पानी?

– शंकुतला सिरोठिया

दो आलू

एक प्लेट में दो आलू
मोटू बोला मैं खा लूँ
खाते–खाते थक गया
रोटी लेकर भाग गया
रोटी गिर गई रेत में
मोटू रोया खेत में

साभार : एक दो दस (एकलव्य)

जादू की गठरी

जादू की एक गठरी लाऊँ,
बच्चों में बच्चा बन जाऊँ।
एक जेब से शेर निकालूँ
एक जेब से भालू।
दोनों को झटपट खा जाऊँ,
जादू की जो गठरी लाऊँ।

– दामोदर अग्रवाल

शेख चिल्ली

एक था शेख चिल्ली।
उसने पाली बिल्ली।
बिल्ली गई दिल्ली।
दिल्ली में थी किल्ली।
किल्ली ऊपर चढ़ गई बिल्ली।
सबने उड़ाई खिल्ली।

गप्पू जी

आलू की पकौड़ी, दही के बड़े,
मुन्नी की चुन्नी में तारे जड़े।
मूँग की मंगोड़ी, कलमी बड़े,
मंगू की छत पर दो बंदर लड़े।
खस्ता कचौड़ी, कांजी के बड़े
गप्पू जी फिसले तो औंधे पड़े।

चूहा

वह देखो, वह आता चूहा
आँखों को चमकाता चूहा,
मूँछों में मुस्काता चूहा,
लंबी पूँछ हिलाता चूहा,
मक्खन, रोटी खाता चूहा,
बिल्ली से डर जाता चूहा।

मामा मटरू

मामा मटरू जब भी आते,
सोते तो सोते ही जाते।
सोते तो सोते ही जाते।
जब भी उन्हें जगाना होता,
ढम–ढम ढोल बजाना होता।
ढम–ढम ढोल बजाना होता।

बहुकक्षीय शिक्षण

एस.सी. एफ. 2023 के खंड 3.1 में बहुकक्षीय शिक्षण को वास्तविकता मानते हुए उसके बेहतर क्रियान्वयन संबंधित कुछ सुझाव दिए गए हैं। इन्हीं सुझावों को ध्यान में रखते हुए यहां भाषा की बहुकक्षीय शिक्षण व्यवस्था का एक नमूना नीचे दिया गया है।

बहुकक्षीय शिक्षण के आवश्यक पहलू

बहुकक्षीय शिक्षण को यदि सुनियोजित व सुव्यवस्थित ढंग से लागू करने की योजना बनाई जाए तो शिक्षण प्रक्रिया को सुगम बनाया जा सकता है। बहुकक्षीय शिक्षण के लिए निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान देना आवश्यक है -

1. **कक्षा की बैठक व्यवस्था :** यदि किसी विद्यालय में एक ही कक्ष में दो या दो से अधिक कक्षाएँ बैठी हैं तो वहाँ बच्चों को अलग-अलग कक्षावार समूहों में बैठाकर शिक्षण कार्य किया जाना चाहिए।
2. **बहुकक्षीय शिक्षण योजना :** सभी बच्चे अपनी कक्षा अनुरूप दक्षताएँ प्राप्त कर सकें, इसके लिए प्रभावी शिक्षण योजना का निर्माण किया जाना चाहिए।

उपरोक्त बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए बहुकक्षीय शिक्षण व्यवस्था का एक उदाहरण नीचे देखा जा सकता है।

बहुकक्षीय शिक्षण की रणनीति (उदाहरण : कक्षा 1 व 3)

कक्षा 1 व 3 दोनों के लिए विभाग द्वारा शिक्षक संदर्शिकाएँ उपलब्ध कराई गई हैं, जिसमें दोनों कक्षाओं के लिए शिक्षण योजनाएँ दी गई हैं। बहुकक्षीय शिक्षण व्यवस्था में शिक्षक संदर्शिका में दी गई शिक्षण योजनाओं का कक्षा में संचालन कर पाना एक कठिन कार्य हो सकता है।

आइए, एक उदाहरण के माध्यम से देखें कि हम कैसे स्वयं को बहुकक्षीय शिक्षण के लिए तैयार कर सकते हैं और बच्चों के साथ इस स्थिति में एक बेहतर शिक्षण योजना के साथ शिक्षण कार्य कर सकते हैं। नीचे एक ऐसी परिस्थिति की परिकल्पना की जा रही है, जहाँ कक्षा 1 व 3 के बच्चे एक साथ बैठे हैं। आइए, इसे कालांशवार समझते हैं-

पहले कालांश में कार्य की रणनीति

कालांश-1 : मौखिक भाषा विकास एवं पाठ्यपुस्तक पर कार्य

(7-10 मिनट)

कक्षा 1 व 3 — शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण

- दोनों कक्षाओं के बच्चों के साथ कविता/गीत/खेल गतिविधि करवाएँ। ऐसी गतिविधियाँ शिक्षक और बच्चों के बीच आत्मीय जुड़ाव के साथ कक्षा के शिक्षण माहौल को भी सहज बनती हैं।

☞ शिक्षक प्रक्रिया के दौरान बच्चों को अपने घर की भाषा में प्रतिक्रिया देने के लिए प्रोत्साहित करें।

(10-15 मिनट)

कक्षा 1 व 3 — शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण

- दोनों कक्षाओं के बच्चों के साथ मौखिक भाषा विकास की गतिविधि करवाएँ, जैसे- चित्र चार्ट पर कार्य, कविता/ कहानी पोस्टर, अनुभव पर चर्चा आदि गतिविधियों से संबंधित चर्चा का स्तर आप दिवसवार बदल सकते हैं, जैसे- कभी चर्चा का स्तर कक्षा-1 का हो सकता है और कभी कक्षा-3 के स्तर का भी हो सकता है।
- इस दौरान आप अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछें, जिनसे बच्चों में तर्क करने, कल्पना करने, सोचने आदि के कौशल विकसित हो सकें।

(10-15 मिनट)

कक्षा 1 — बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य

कक्षा 3 — शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण

कक्षा 1 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को मौखिक भाषा विकास की गतिविधि से संबंधित लेखन अभ्यास कार्य स्वतंत्र रूप से करने को कहें।
- कार्य पूरा कर लेने के बाद बच्चे जोड़ियों/समूह में अपने लेखन कार्य को एक दूसरे के साथ साझा करेंगे।

कक्षा 3 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों के लिए पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श पठन हाव-भाव के साथ करें।
- फिर जोड़ियों/समूह में बच्चों को बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों के पठन अभ्यास का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

दूसरे कालांश में कार्य की रणनीति

कालांश-2 : वर्ण पहचान एवं पढ़कर समझने पर कार्य

(10-15 मिनट)		(10-15 मिनट)		(7-10 मिनट)	
कक्षा 1	शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण	कक्षा 1	बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य	कक्षा 1	शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण
कक्षा 3	बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य	कक्षा 3	शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण	कक्षा 3	बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य

कक्षा 1 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों के साथ वर्ण/मात्रा पहचान की गतिविधियों एवं कार्यपुस्तिका की गतिविधियों को बोर्ड पर उदाहरण के साथ समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास कार्य करने को कहें।
- बच्चों को अलग-अलग प्रकार से वर्ण लेखन अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करें, जैसे- रेत, जमीन, हवा आदि।

कक्षा 3 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को कालांश 1 में दिए गए पठन एवं लेखन कार्य को जारी रखने को कहें। फिर जोड़ियों/समूह में बच्चों को अपना लेखन कार्य साझा करने को कहें।

कक्षा 1 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को स्वतंत्र रूप से कार्यपुस्तिका में कार्य करने को कहें।
- लेखन कार्य पूरा कर लेने के बाद बच्चे जोड़ियों/समूह में अपने लेखन कार्य को एक दूसरे के साथ साझा करेंगे।

कक्षा 3 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों के लिए कार्यपुस्तिका के स्तरित पाठ का आदर्श पठन हाव-भाव के साथ करें। फिर जोड़ियों/समूह में बच्चों को बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें।

☞ आप बच्चों द्वारा कार्यपुस्तिका में किए गए कार्य पर व्यक्तिगत रूप से फीडबैक दें और सही लिखकर बताएँ।

कक्षा 1 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों को सुनकर लिखने के लिए वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्य बोलें और लिखने को कहें।
- सुनकर लिखें गतिविधि पर कार्य करें और बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें। फिर बच्चों को अपना लेखन कार्य स्वयं जाँचने को कहें।

कक्षा 3 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को जोड़ियों/समूह में बारी-बारी से पाठ पढ़ने कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास कार्य करने को कहें।

तीसरे कालांश में कार्य की रणनीति

कालांश-3 : पठन अभ्यास एवं रिमीडियल शिक्षण कार्य

(7-10 मिनट)		(7-10 मिनट)		(20 मिनट)	
कक्षा 1	शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण	कक्षा 1	बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य	समूह A	रिमीडियल शिक्षण कार्य
कक्षा 3	बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य	कक्षा 3	शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण	समूह B	

कक्षा 1 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों के साथ बिगबुक/कार्यपुस्तिका से पठन अभ्यास कार्य करवाएँ।

कक्षा 3 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को कार्यपुस्तिका में दिए गए पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों को पढ़ने में एक-दूसरे की सहायता करने को कहें।

कक्षा 1 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को पढ़े गए पठन अभ्यास/बिगबुक की कहानी को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूह में पढ़ी गई कहानी को अपने शब्दों में बारी- बारी से सुनाने को कहें।

कक्षा 3 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों को जोड़ियों/समूह में बारी-बारी से कार्यपुस्तिका से पठन अभ्यास/ प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पढ़ने को कहें।

समूह A (दोनों कक्षाओं के बच्चे)

- समूह A के बच्चों के साथ 'रिमीडियल शिक्षण' पर कार्य करें।

समूह B (दोनों कक्षाओं के बच्चे)

- समूह B के बच्चों को जोड़ियों/समूह में बारी-बारी से उस सप्ताह के दिवस 3 व 5 में दिए पाठ के साथ अब तक उपयोग किए गए पठन अभ्यास के पाठों को पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों की पसंद एवं रूचि के अनुसार पुस्तकालय की पुस्तकें पढ़ने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें।

☞ बहुकक्षीय शिक्षण के दौरान प्रयास यह रहे कि दोनों कक्षाओं के बच्चों को सक्रिय रूप से गतिविधियों में प्रतिभाग करने के अवसर मिलें।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर भरने हेतु निर्देश-

1. इस ट्रैकर में शिक्षकों द्वारा सभी बच्चों की प्रगति साप्ताहिक रूप से भरा जाना अनिवार्य है।
2. तीनों कालांशों की शिक्षण योजना को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक सप्ताह में तीन दक्षताएँ दी गई हैं।
3. यदि बच्चा सप्ताह की निर्धारित दक्षता में निपुण है, तो उसके आगे '1' अंक लिखें अन्यथा '–' लगा दें।
4. मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के लिए बच्चे द्वारा सप्ताह में किए गए आपके अवलोकन के आधार पर ('1' या '–') दर्ज करें।
5. डिकोडिंग/पठन से संबंधित दक्षताओं के लिए कार्यपुस्तिका के दिवस 6 में दिए गए साप्ताहिक आकलन के प्राप्तांक के आधार पर 50 प्रतिशत से अधिक के लिए '1' और 50 प्रतिशत से कम के लिए '–' दर्ज करें।
6. पठन एवं प्रवाहपूर्ण पठन संबंधित दक्षताओं में स्तर 3 व 4 के लिए '1' व स्तर 1 व 2 के लिए '–' दर्ज करें।
7. जिन बच्चों का आकलन नहीं हुआ है, उनकी जगह खाली रखेंगे।
8. बच्चों के द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर समूह निर्धारण एवं रिमीडियल कार्य किया जाएगा।
9. सप्ताह 13 और 20 में आकलन ट्रैकर NAT के आधार पर भरा जाएगा।

साप्ताहिक आकलन		Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 1	चित्र कहानी पोस्टर/सुनी हुई कहानी के बारे में अपने विचार 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों पहचान करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 2	चित्र कहानी पोस्टर पर अपने विचार/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों पहचान करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 3	चित्र कहानी पोस्टर/सुनी हुई कहानी के बारे में अपने विचार 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों को पढ़ना।																														
	सरल वाक्यों (4-5 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														
सप्ताह 4	चित्र कहानी पोस्टर पर अपने विचार/परिचित/परिवेशिय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों को पढ़ना।																														
	सरल वाक्यों (4-5 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

साप्ताहिक आकलन		Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 5	सुनी हुई कहानी से संबंधित पूछे गए बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का उत्तर वाक्यों में दे पाना/ परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले परिचित शब्दों को पढ़ना।																														
	सरल वाक्यों (5-7 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														
सप्ताह 6	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	परिचित सरल शब्दों को पढ़ना।																														
	सरल वाक्यों (5-8 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														
सप्ताह 7	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	परिचित सरल शब्दों को पढ़ना।																														
	सरल वाक्यों (5-8 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														
सप्ताह 8	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	25 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

साप्ताहिक आकलन			Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 9		सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
		25 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
		20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 10		सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
		30 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
		20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 11		सुनी हुई कहानी में कहानी की शुरूआत, मध्य और अंत के बारे में अपने घर की भाषा में बता पाना।																														
		35 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
		20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 12		सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
		40 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
		20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

	साप्ताहिक आकलन	Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 13	7-10 पंक्तियों की कविताओं को व्यक्तिगत और समूह में हाव-भाव एवं उतार-चढ़ाव के साथ सुनाना।																														
	घर/स्कूल में उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करके अपने अनुभव और विचार स्पष्टता के साथ मिश्रित भाषा/हिन्दी में 2-3 वाक्यों में रखना।																														
	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ को कम से कम 25 शब्द प्रति मिनट की प्रवाह से पढ़ना।																														
	विभिन्न उद्देश्यों के लिए जैसे किसी चित्र/कहानी/घटना पर अपने अनुभव/विचार साझा करने के लिए 1-2 वाक्यों में लघु संदेश लिखना।																														
सप्ताह 14	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	40 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	25-30 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 15	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	45 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	25-30 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 16	सुनी हुई कहानी में पात्र बदलकर नई कहानी सुना पाना।																														
	45 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	30-35 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

सप्ताह	साप्ताहिक आकलन	Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 17	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	45 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	30-35 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 18	सुनी हुई कहानी में अपने पसंदीदा पात्र के बारे में 2-3 वाक्यों में बता पाना।																														
	50 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	30-35 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 19	सुनी हुई कहानी में अपने पसंदीदा पात्र के बारे में 2-3 वाक्यों में बता पाना।																														
	60 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	40-45 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 20	कविता/कहानी से जुड़े 4-5 तथ्यात्मक एवं 2-3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर मिश्रित भाषा/हिन्दी में दे पाना।																														
	चित्रों के माध्यम से किसी कहानी को मिश्रित भाषा/हिन्दी में हाव-भाव करते हुए 6-8 वाक्यों में सुनाना।																														
	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ को कम से कम 50 शब्द प्रति मिनट की प्रवाह से पढ़ लेना।																														
	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ/10-12 वाक्यों के अनुच्छेद को पढ़कर 5 प्रश्नों (3 तथ्यात्मक एवं 2 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल) में से कम से कम 4 प्रश्नों का उत्तर मिश्रित भाषा/ हिन्दी में दे पाना																														
सप्ताह 21	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

सप्ताह	साप्ताहिक आकलन	Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 21	65 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	40-45 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 22	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	70 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	45-50 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 23	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	75 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	45-50 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 24	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	80 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	50-55 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 25	सुनी हुई कहानी में घटनाक्रम को बदलकर नई कहानी सुना पाना/परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	80 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	55-60 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														

इस संदर्शिका में अलग–अलग आइकन (icon) और रंगों का संकेत के रूप में उपयोग किया गया है, जिनके माध्यम से आप दी गई जानकारियों को समझ और पहचान सकते हैं।

शिक्षक संदर्शिका के मुख्य संसाधन

- शिक्षण योजना
- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर
- संदर्शिका का उपयोग
- वार्षिक साप्ताहिक ट्रैकर
- सैद्धांतिक पहलू

शिक्षण योजनाओं से संबंधित आइकन

- सप्ताह
- शिक्षण उद्देश्य
- समय
- तैयारी
- शिक्षक के लिए बिंदु
- कालांश–1
- कालांश–2
- कालांश–3
- शिक्षक द्वारा चर्चा
- शिक्षण–प्रक्रिया की समीक्षा
- पृष्ठ संख्या
- 1 2 3 कालांश

कार्यपुस्तिका से संबंधित आइकन

- पाठ
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति
- साप्ताहिक आकलन : मैंने सीख लिया
- सावधिक पुनरावृत्ति
- कार्यपुस्तिका ट्रैकर
- रंग भरना
- गोला लगाना
- सुनकर लिखना

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक, जय हे
भारत–भाग्य–विधाता।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा–
द्राविड़–उत्कल बंग
विंध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा
उच्छल–जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा
जन–गण–मंगलदायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे!

सत्र 2024-2025

आवरण पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरण: प्रयुक्त कागज................ वर्जिन पल्पयुक्त 175 जी0एस0एम0 का आर्ट पेपर का प्रयोग किया गया है। जिसमें कागज का बर्स्ट इण्डेक्स–न्यूनतम 0.9, वैक्स पिक्स–नो पिक्स ऑन 5ए, ग्लास परसेंट–न्यूनतम 55, ब्राइटनेस न्यूनतम 72 प्रतिशत और सरफेस पी0एच0 5.5 से 8.0 है। कागज की अन्य विशिष्टियां बी0आई0एस0 कोड आई0एस0–4658–1988 के अनुसार हैं एवं कागज 53.34 सेमी x 78.74 सेमी है। आवरण पृष्ठ का बाहरी भाग चार रंगों तथा अन्दर का भाग एक रंग में मुद्रित है।

उ0प्र0, बेसिक शिक्षा परिषद्

निःशुल्क वितरण हेतु